विदेशों में हिंदी शिक्षण हेतु

मानक पाठ्यक्रम

ज्ञान शांति मैत्री

भाषा विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम क्रमांक 1997 का 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र)भारत
फोन : +91-7152-230084, फैक्स : +91-7152-230903
Mail ID : deansol.mgahv@gmail.com, **Website:** hindivishwa.org

अनुक्रम

कुलपति का संदेश	03
प्रस्तावना	04-08
पाठ्यक्रम-विवरण	
• अल्पावधि गहन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	09-21
• आधार पाठ्यक्रम	22-26
• डिप्लोमा पाठ्यक्रम	27-32
• बी.ए. हिंदी : भाषा, साहित्य और संस्कृति	33-55
• एम.ए.हिंदी	56-81

कुलपति का संदेश

आज हिंदी भारत और विश्व के अनेक देशों में केवल एक भाषा के रूप में ही नहीं बल्कि भारत की संस्कृति और परम्परा को समझने के माध्यम के रूप में ध्यान आकृष्ट कर रही है। भारत देश के निर्माण और उसकी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने में हिंदी की विशिष्ट भूमिका रही है। आज जब संचार माध्यमों और बाजार का अप्रत्याशित विस्तार हो रहा है तब हिंदी का दायित्व और भी बढ़ गया है। अब यह अनुभव किया जा रहा है कि समाज के विभिन्न भागों को आपस में जोड़ने और उसके विकास के मार्ग को प्रशस्त करने की दृष्टि से अच्छी और समर्थ हिंदी आज की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है तथापि कई कारणों से अभी तक हिंदी का यथोचित विकास नहीं हो सका है। इस कमी को ध्यान में रख कर भारतीय संसद द्वारा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा की वर्ष 1997 में स्थापना की गयी। तभी से यह विश्वविद्यालय अध्ययन, शोध, प्रकाशन और संगोष्ठी आदि के द्वारा हिंदी के उन्नयन के लिए सतत यत्नशील है।

इस विश्वविद्यालय की संकल्पना भारत ही नहीं बल्कि विश्व-पटल पर हिंदी को एक प्रभावी और समर्थ भाषा के रूप में स्थापित करने के स्वप्न को ले कर की गयी थी। इस दृष्टि से विदेशी छात्रों के लिए हिंदी का अध्यापन विश्वविद्यालय का एक विशेष उत्तरदायित्व है। यह विश्वविद्यालय इस दिशा में लगभग एक दशक से सक्रिय है। इसे देखते हुए जोहांसबर्ग में 2012 में संपन्न हुए नवें विश्व हिंदी सम्मलेन में यह निर्णय लिया गया कि यह विश्वविद्यालय एक मानक पाठ्यक्रम तैयार करे। मुझे प्रसन्नता है कि प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल ने इस दायित्व का निर्वहन करते हुए विदेशी छात्रों के लिए हिंदी का बहुस्तरीय पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया है। विश्वविद्यालय इस कार्य में संलग्न विद्वानों के प्रति आभारी है जिन्होंने अपने योगदान से इस कार्य को संभव बनाया। आशा है इसके द्वारा एक महत्वपूर्ण आवश्यकता की पूर्ति हो सकेगी। इसे सुधारने के लिए सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी।

प्रो. गिरीश्वर मिश्र

प्रस्तावना

I

आज दुनियाभर के कई दर्जन विश्वविद्यालयों मे हिंदी का अध्ययन-अध्यापन हो रहा है। वैश्वीकरण की प्रक्रिया के कारण विश्व बाजार और अनेक देशों में भी हिंदी के प्रति गहरी उत्कंठा और उन्मुखता का भाव दिखायी पड़ता है। हिंदी के प्रति इस बढ़ते रुझान में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रह रहे प्रवासी भारतीयों की बड़ी भूमिका है। जिन-जिन देशों/विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ी-पढ़ायी जाती है उनमें उनकी जरूरत के मुताबिक, अध्ययन के अलग-अलग स्तर हैं। लेकिन देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते पारस्परिक सहयोग को ध्यान में रखते हुए अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में भी संवाद बढ़ाने की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। विभिन्न विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम एक जैसे हों, पाठ्यक्रमों के स्तर भेद कम से कम हों और आधार पाठ्यसामग्री एक जैसी हो तो विभिन्न विश्वविद्यालयों के बीच विभिन्न पाठ्यक्रमों को साझा किया जा सकेगा तथा विद्यार्थी और शिक्षकों की आवश्यकता के अनुसार आवा-जाही की प्रक्रिया सहज और सुचारु हो सकेगी। इसी पृष्ठभूमि में हिंदी के एक मानक पाठ्यक्रम का विचार उपस्थित हुआ।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में सब की आवश्यकताओं का आकलन कर एक मानक हिंदी पाठ्यक्रम तैयार करना चुनौती भरा कार्य है। किसी एक व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह के लिए सभी देशों की परिस्थितियों का अनुभव अथवा उनकी जरूरतों का आकलन करना असंभव-सी कल्पना है। विभिन्न देशों में पाठ्यक्रमों के निर्माण, परीक्षा और मूल्यांकन के अलग-अलग मानक भी होते हैं। हर स्तर के पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु में काफी विविधता दिखती है। अनेक देशों के पाठ्यक्रम में हिंदी पाठ्यक्रम दैनंदिन जीवन, बोलचाल और बाजार की भाषा तक ही सीमित है। इसकी तुलना में हिंदी के सम्यक् और समर्थ भाषा रूप के प्रति आकर्षण अपेक्षाकृत कम है। प्रवासी भारतीय समूहों की भिन्न प्रकार की अपेक्षाएँ हैं। इस परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार के समर्थन से 9वें विश्व हिंदी सम्मेलन, जो 22-24 सितंबर 2012 जोहांसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित हुआ था, उसमें पारित चौथे संकल्प के अनुसार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा को विदेशों में हिंदी शिक्षण के लिए एक मानक पाठ्यक्रम तैयार किये जाने के लिए अधिकृत किया गया था।

II

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के अधिनियम में निर्धारित अनेक दायित्वों में से एक दायित्व भारत से बाहर विभिन्न देशों में सक्रिय हिंदी विद्वानों, विद्वत्समूहों और संस्थानों से शिक्षण और शोध के स्तर पर संबंध निर्माण और उन संबंधों का निर्वाह-विस्तार करना भी है। विश्वविद्यालय ने इस दिशा में उपलब्ध संसाधनों एवं सामर्थ्य के अनुसार बहुत पहले काम करना शुरू कर दिया था। वर्ष 2007-08 से विदेशी विद्यार्थियों के लिए शिक्षण कार्यक्रम भी आरंभ कर दिया गया था। इन पाठ्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय ने अपनी ओर से पाठ्यक्रम भी तैयार करवाया था जिसका यथासमय पुनरीक्षण भी किया गया। इन पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी एशिया और यूरोप के अलग-अलग देशों के अलग-अलग विश्वविद्यालयों से आते रहे। इसलिए, विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों का स्वरूप जरूरतों के अनुरूप पर्याप्त लचीला और व्यावहारिक बनाए रखा जाता रहा।

9वें विश्व हिंदी सम्मेलन में विश्वविद्यालय को सौंपे गये इस दायित्व की पूर्ति के लिए 11 से 21 दिसंबर 2012 तक भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के सहयोग से एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का वर्धा में आयोजन किया गया जिसमें दुनिया के विभिन्न देशों के 14 विदेशी हिंदी शिक्षकों/विद्वानों तथा 10 भारतीय हिंदी शिक्षकों/विद्वानों ने भाग लिया –

1. रूपर्ट स्नेल (Rupert Snell)	University of Texas, Austin, USA
2. मारिया न्येगेशी (Maria Negyeei)	Hungary

3.	जुस्त्याना कुरोव्स्का (Justyna Kurowska)	Bonn University
4.	आलेसेंद्रा कोंसोलारो (Alessandra Consolaro)	Italy
5.	इवा द क्लार्क (Eva De Clercq)	Belgium
6.	हर्मन वॉन ओल्फेन (Herman Van Olphen)	Austin, USA
7.	जिनेडी श्लोपर (Genady Shlomper)	Israeli
8.	दानूता स्तारिक (Danuta Starik)	Poland
9.	ली जियोंग हो (Li Jeong Ho)	Hanguk University, Seoul, South Korea
10.	आलेसिया माकूस्क्या (Alesia Makouskya)	Belarush
11.	तातियाना ओरांसकाईया (Tatiana Oranskaia)	Hamburg
12.	निकोला पोसा (Nicola Pozza)	Switzerland
13.	मिकी निशीओका (Miki Nishioka)	Osaka University, Japan
14.	मरीना मरीनोवा (Marina Marinova)	जर्मनी (Germany)
15.	दिविक रमेश	दिल्ली वि.वि. दिल्ली
16.	विमलेश कांति वर्मा	दिल्ली वि.वि.दिल्ली
17.	कृष्ण कुमार गोस्वामी	केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा (सेवानिवृत्त)
18.	वी. आर. जगन्नाथन	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली
19.	अश्विनी कुमार श्रीवास्तव	केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा (सेवानिवृत्त)
20.	उमाशंकर उपाध्याय	म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा
21.	रामप्रकाश सक्सेना	रा.तु.म.ना.वि. नागपुर
22.	आर.एस.सर्राजु	कें.वि. हैदराबाद
23.	असगर वजाहत	जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली

इस कार्यशाला में हिंदी शिक्षण के लिए द्विभाषी/बहुआयामी मॉडल पुस्तकों के निर्माण पर चर्चा करने के साथ ही चार सप्ताह और 12 सप्ताह के अल्पावधि पाठ्यक्रमों के प्रारूप तैयार कर चर्चा की गयी। भारतीय और विदेशी विद्वानों ने पाठ्यक्रमों की अंतर्वस्तु और पद्धति आदि के संबंध में अपने-अपने मत व्यक्त किये। यूरोपीय विद्वानों ने अपनी प्रतिक्रियाओं में पाठ्यक्रमों को भारतीय विद्वानों के सैद्धांतिक ढाँचे के विपरीत अधिक व्यावहारिक बनाए जाने पर बल दिया। फिर भी, एक कामचलाऊ ढाँचा तैयार किया गया। यह कार्यशाला तत्कालीन प्रतिकुलपति और विदेशी कार्यक्रम के प्रभारी प्रो. ए. अरविंदाक्षन के संयोजन और तत्कालीन कुलपति श्री विभूति नारायण राय की देखरेख में संपन्न हुई थी। तदुपरांत अपरिहार्य कारणों से यह कार्य स्थगित - सा रहा ।

विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 24-25 जून 2014 को दिल्ली में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में निम्नलिखित विद्वानों ने भी भाग लिया –

1. प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा (अध्यक्ष)
2. प्रो. रमेश गौतम, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
3. प्रो. के. एन. तिवारी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
4. प्रो. विमलेश कांति वर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय (सेवानिवृत्त)
5. प्रो. रमेश ऋषिकल्प, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
6. प्रो. देवेंद्र शुक्ल, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

7. प्रो. अनिल जैन, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
8. प्रो. अरुण चतुर्वेदी, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा (सेवानिवृत्त)
9. प्रो. चतुर्भुज सहाय, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा (सेवानिवृत्त)
10. श्रीमती सुनीति शर्मा (उपसचिव- हिंदी, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार)
11. प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ (संयोजक)

इस कार्यशाला में, पिछली कार्यशाला में तैयार किये गये 4 और 12 सप्ताह के पाठ्यक्रमों की समीक्षा की गयी। चार सप्ताह के पाठ्यक्रम में प्राप्त सुझावों के अनुसार उसमें संशोधन और पल्लवन करते हुए उसका अंतिम प्रारूप तैयार किया गया। 12 सप्ताह के पाठ्यक्रम के लिए यह निर्णय किया गया कि उसे प्रस्तावित दो सेमेस्टर के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के पहले सेमेस्टर के पाठ्यक्रम जैसा रखा जाए। 12 सप्ताह का पिछली बैठक में प्रस्तुत पाठ्यक्रम कुछ यूरोपीय विश्वविद्यालयों की जरूरतों के अनुसार था। इसलिए, सुझाव दिया गया कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के साथ जिन विश्वविद्यालयों का अनुबंध है उनके विद्यार्थियों के लिए वह ऐसा स्वतंत्र रूप से संचालित कर सकता है। इस बैठक में दो सेमेस्टर के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के साथ ही एक माह का एक अतिरिक्त आधार पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया जिन्हें देवनागरी लिपि एवं हिंदी भाषा से कोई परिचय नहीं है।

उपर्युक्त बैठक की निरंतरता में 'बी.ए. हिंदी : भाषा, साहित्य और संस्कृति' तथा 'एम.ए. हिंदी' पाठ्यक्रमों पर विचार के लिए एक अन्य बैठक दिनांक 25-27 अगस्त 2014 तक दिल्ली में पुनः आयोजित की गयी। इस बैठक में निम्नलिखित विद्वानों ने अपना योगदान किया-

1. प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा (अध्यक्ष)
2. प्रो. चित्तरंजन मिश्र, प्रतिकुलपति,म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
3. प्रो. रमेश गौतम, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
4. प्रो. अरुण चतुर्वेदी, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा (सेवानिवृत्त)
5. प्रो. विमलेश कांति वर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय (सेवानिवृत्त)
6. प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ (संयोजक)

विचार-विमर्श के उपरांत, प्रस्तुत प्रारूप में सुझाए गये संशोधन किये गये और अंतिम प्रारूप तैयार किया गया। विश्वविद्यालय के भाषा विद्यापीठ ने इस कार्य को हाथ में लिया। विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम तैयार किये गये हैं -

1. अल्पावधि गहन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम (04 सप्ताह)
2. आधार पाठ्यक्रम (एक माह - 04 सप्ताह)
3. डिप्लोमा पाठ्यक्रम (02 सेमेस्टर - 01 वर्ष)
4. बी.ए. हिंदी : भाषा, साहित्य और संस्कृति (06 सेमेस्टर - 03 वर्ष)
5. एम.ए.हिंदी (04 सेमेस्टर - 02 वर्ष)

पहला पाठ्यक्रम विदेशी विश्वविद्यालयों में विभिन्न स्तरों पर हिंदी की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु मुख्यतः विदेशी हिंदी विद्वानों के अनुभवों पर आधारित है। इस पाठ्यक्रम का शिक्षण करनेवाले अध्यापकों से अपेक्षा होगी कि वे विद्यार्थियों के स्तरानुकूल सामग्री का चयन करें। यह भी अपेक्षा होगी कि वे भाषा शिक्षण की विभिन्न पद्धतियों में दक्ष हों और आवश्यकतानुसार उनका उपयोग करने में समर्थ हों। डिप्लोमा पाठ्यक्रम का निर्माण वर्धा में संचालित कार्यक्रम के अनुभव तथा अनुभवी विशेषज्ञों के सुझावों पर आधारित है। इस पाठ्यक्रम की सामग्री में अध्यापन का ढाँचा भी सन्निहित है और निर्धारित पाठ्यवस्तु उदाहरण के तौर पर है। संबंधित शिक्षक निर्धारित पाठ्यवस्तु का यथावत् उपयोग कर सकता

है तथा रुचि और जरूरत के अनुसार उसे बेहतर और उपयोगी सामग्री से बदल भी सकता है। शिक्षकों के लिए विभिन्न भाषा-शिक्षण पद्धतियों में दक्षता और आवश्यकतानुरूप उनके उपयोग के लिए तत्परता अपेक्षित है। इन दोनों पाठ्यक्रमों में शिक्षक को संवादी (Interactive) शिक्षण परिवेश निर्मित करना चाहिए और नियमित कक्षाभ्यास पर भी बल अपेक्षित है। डिप्लोमा के पहले सेमेस्टर का पाठ्यक्रम इस तरह तैयार किया गया है कि यदि कोई विद्यार्थी चाहे तो केवल पहले सेमेस्टर की पढ़ाई कर पाठ्यक्रम छोड़ सकता है। आधार पाठ्यक्रम की परिकल्पना डिप्लोमा पाठ्यक्रम के उन विद्यार्थियों के लिए पूरक पाठ्यक्रम के रूप में की गयी है जिन्हें देवनागरी लिपि और हिंदी ध्वनि व्यवस्था का पूर्व परिचय नहीं है। यह एक स्वतंत्र पाठ्यक्रम भी नहीं है। इसे डिप्लोमा पाठ्यक्रम आरंभ करने के पूर्व आधार तैयारी के लिए अतिरिक्त रूप में चलाया जाना चाहिए।

'बी.ए. हिंदी : भाषा, साहित्य और संस्कृति' पाठ्यक्रम का निर्माण उन विदेशी विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर किया गया है जो हिंदी भाषा का व्यवस्थित अध्ययन करना चाहते हैं। यह पाठ्यक्रम अनुभवी शिक्षकों के सुझावों पर आधारित है तथा भाषा, साहित्य और संस्कृति का समावेश करता है। इस पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु भी लचीली रखी गयी है और संबंधित शिक्षक अपने विवेक के आधार पर उसमें जोड़-घटाव कर सकते हैं।

एम.ए. हिंदी का पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो हिंदी भाषा अथवा साहित्य में उच्चतर अध्ययन और विशेषज्ञता अर्जित करना चाहते हैं। यद्यपि यह पाठ्यक्रम भारतीय विश्वविद्यालयों के अनुभवों पर आधारित है और काफी कुछ उसी ढाँचे में विन्यस्त है फिर भी संबंधित शिक्षक के लिए पाठों के चयन में पर्याप्त स्वतंत्रता का अवसर दिया गया है। तीन सेमेस्टरों तक साझा और अनिवार्य पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद चौथे सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में भाषा और साहित्य के दो विकल्प दिए गये हैं जिससे विद्यार्थी को अपनी रुचि के अनुसार अपनी दिशा तय करने में सुविधा हो। डिप्लोमा, बी.ए. और एम.ए. के पाठ्यक्रम क्रेडिट और मॉडयूल आधारित पाठ्यक्रम हैं। इनका विस्तृत ब्यौरा संबंधित पाठ्यक्रमों के साथ दिया गया है। पाठ्यक्रमों हेतु संदर्भ-ग्रंथ सूची भी तैयार की गयी है। शिक्षण पद्धति एक स्वतंत्र विषय है जिस का विस्तृत निर्देश यहाँ नहीं दिया जा रहा है। संबंधित शिक्षकों से अपेक्षित है कि वे भाषा-शिक्षण की पद्धतियों में प्रशिक्षित हों।

स्मरणीय है कि पाठ्यक्रम निर्माण एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है और इसकी अपनी सीमाएँ भी होती हैं। इस पाठ्यक्रम की भी अनेक सीमाएँ हैं। हम आशा करते हैं कि विदेशी छात्रों के लिए हिंदी शिक्षण की दिशा में यह प्रयास संवाद की सार्थक कोशिश सिद्ध होगी। हिंदी विद्वानों और शुभेच्छुकों से हमारा अनुरोध है कि कि वे इस इस संबंध में अपने सुझाव देकर इसे और अधिक उपयोगी और स्तरीय बनाने में योगदान करें।

उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में से डिप्लोमा, बी.ए. और एम.ए. के पाठ्यक्रम मुख्यतः भारतीय विश्वविद्यालयों और जिन विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी को एक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है उन सबको यथासंभव ध्यान में रखते हुए पर्याप्त लचीलेपन के साथ तैयार किया गया है जिसकी अंतर्वस्तु किसी भी विश्वविद्यालय द्वारा आवश्यकता के अनुरूप बदली अथवा जोड़ी-घटाई जा सकती है। चार सप्ताह के अल्पावधि पाठ्यक्रम को दिसंबर 2012 की कार्यशाला में सुझाए ढाँचे को स्वीकार कर यथासंभव सहमति के आधार पर तैयार किया गया है। उसे अल्पावधि गहन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के रूप में प्रस्तावित किया गया है। यह कार्यक्रम और डिप्लोमा का पहला सेमेस्टर भाषाई दक्षता को ध्यान में रखकर भाषा-शिक्षण के रूप में रखा गया है। इस समय अनेक देशों में भाषा सिखाने के कार्यक्रमों के प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर जैसे स्तरित पाठ्यक्रम प्रचलित हैं। सभी देशों के लिए स्तरित पाठ्यक्रम की सामान्य कसौटियाँ तैयार करना असंभव है। इसलिए ये पाठ्यक्रम उस ढाँचे में तैयार नहीं किये गये हैं। डिप्लोमा, बी.ए. और एम.ए. के पाठ्यक्रमों में ही स्तरित संबंध हैं। चार सप्ताह का अल्पावधि गहन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम पहले से हिंदी सीख रहे विदेशी विद्यार्थियों के स्तर के अनुसार दक्ष शिक्षकों द्वारा स्तरित रूप में पढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा आवश्यकता आधारित विशिष्ट पाठ्यक्रमों को भी अलग-अलग विश्वविद्यालय अपने स्तर पर तैयार कर संचालित कर सकते हैं। मानक पाठ्यक्रम की संकल्पना को इन पाठ्यक्रमों

के निर्माण के क्रम में साझे हितों के आधार पर तैयार करने की कोशिश की गयी है। इस पाठ्यक्रम को विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा यथावत् स्वीकार किया जा सकता है और यह भी संभव है कि वे इसे केवल संदर्भ के रूप में ग्रहण करें और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार समानांतर पाठ्यक्रम की रचना करें। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की ओर से स्वीकार्य मानक पाठ्यक्रम के रूप में इसे अवश्य देखा जा सकता है। वे विदेशी संस्थान जो महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा से संबद्धता या मान्यता के इच्छुक हों, उनसे इसे यथावत् स्वीकार किये जाने की अपेक्षा अवश्य होगी।

इन पाठ्यक्रमों को तैयार करने में उपर्युक्त बैठकों में सम्मिलित विशेषज्ञों से जो सहायता मिली है, उसके लिए मैं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की ओर से सभी के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ। इन पाठ्यक्रमों के आरंभिक प्रारूप तैयार करने के लिए चर्चाओं में सम्मिलित सहयोगियों के प्रति भी मैं कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ। इनमें प्रो. देवराज, डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, श्री जगदीप सिंह दांगी, डॉ. रवि कुमार, डॉ. उमेश कुमार सिंह, डॉ. राजीव रंजन राय, डॉ. विधु खरे दास, श्रीमती आराधना सक्सेना, सुश्री निधि गौड़, श्रीनिकेत कुमार मिश्र और डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा सम्मिलित हैं। पाठ्यक्रम की प्रस्तुति में सहयोग हेतु मैं श्री राजेश अरोड़ा, श्री उमाशंकर और श्री प्रदीप उरकुडे के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। श्रीमती सुनीति शर्मा (उपसचिव- हिंदी, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार) ने इस परियोजना में रुचि ली। मैं उनके प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ ।

मैं विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति श्री विभूति नारायण राय और वर्तमान कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र का भी आभारी हूँ जिनके सतत उत्प्रेरण और मार्गदर्शन में यह कार्य संपन्न हुआ।

प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल
अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ

अल्पावधि गहन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

पाठ्य-योजना

लक्ष्य :

i. सुनकर बोलने और समझने की क्षमता का विकास।
ii. दैनिक जीवन में भाषा प्रयोग की क्षमता का विकास।
iii. विद्यार्थी की अभिव्यक्ति क्षमता का विकास।
iv. वाक्य निर्माण की क्षमता का विकास।
v. भारतीय संस्कृति के विभिन्न पक्षों की जानकारी।
vi. हिंदी में लिखने की क्षमता का विकास।

अवधि :

इस पाठ्यक्रम की अवधि चार सप्ताह होगी।

क्रेडिट :

इस पाठ्यक्रम के लिए क्रेडिट देय नहीं होगी; केवल प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।

शिक्षण अवधि :

इस पाठ्यक्रम के लिए शिक्षण अवधि 90 घंटे होगी। प्रत्येक कालांश 90 मिनट का होगा।

पाठ्यक्रम :

दिन	विषय	व्याकरण	शब्द भंडार
पहला दिन	**(i) परिचय :** * अपना नाम, उम्र * शिक्षा * देश, भाषा * परिवार * अभिरुचि	क. मैं ..... हूँ आप ..... हैं ख. मेरा नाम राम है आपका नाम क्या है ? ग. जी हाँ / जी नहीं घ. मैं का (मेरा) आप+ का (आपका) वह + का (उसका) ड. नहीं - मै सतीश नहीं हूँ जी हाँ – जी हाँ मै अनिता हूँ घ) परिवार में कौन कौन हैं?	नाम, जन्म, उम्र, आयु, शिक्षा, परिवार, देश, कौन-कौन, कौन, क्या **परिवार :** माँ-पिता, भाई-बहन , बेटा –बेटी, पति-पत्नी
	(ii) रिश्तेदार एवं दोस्त * रिश्तेदारों के बारे में बातचीत * दोस्तों के बारे में बातचीत	क) से बड़ा (तुलना) मैं बहन से बड़ा हूँ वह भाई से छोटा है ख) अपना, अपनी, अपने	बड़ा-छोटा, अपना, दोस्त, रिश्तेदार , मामा-मामी , चाचा-चाची नाना-नानी , दादा-दादी मौसा-मौसी, बुआ-फूफा
	(iii) मेरा देश * अपने देश का वर्णन * भाषाएँ , लोग आदि * भारत से तुलना	क) कहाँ से आप कहाँ से हैं ? ख) –क्या आपकी भाषा क्या है?	अच्छा, बुरा, साफ, गंदा **देश :** भारत – भारतीय, चीन – चीनी जापान – जापानी , रूस – रूसी अमरीका – अमरीकी, नेपाल – नेपाली भूटान – भूटानी, पाकिस्तान – पाकिस्तानी

			भाषाएँ : अंग्रेजी, रूसी, जापानी, पंजाबी, मराठी, कश्मीरी, गुजराती
दूसरा दिन	**(i) घर** * घर तथा कमरे का वर्णन * कमरे की चीजों का वर्णन	क. यह/ वह क्या है ? ये/वे क्या हैं ? ख. कहाँ दरवाजा कहाँ है ? ग) क्रि. विशे. आगे–पीछे, ऊपर–नीचे, अगल–बगल, दाएँ –बाएँ यहाँ–वहाँ, सामने	घर, कमरा, दरवाजा, दीवार, खिड़की, रोशनदान, फर्श, छत, बरामदा, आँगन, बैठक, जमीन, बाथरूम, रसोईघर / किचन, मेज, कुर्सी, अलमारी, पलंग, चादर, गद्दा, दरी, तकिया, रजाई, कंबल, पंखा क्या – क्या
	(ii) खाना * भोजन तथा उसमें प्रयुक्त चीजें-मसाले, सब्जियाँ आदि * खाना, पकाना, व अन्य क्रियाएँ	क) + को पसंद है - को पसंद नहीं ख) लिंगभेद पपीता - लीची कमरा - खिड़की छोटा - छोटी	नाश्ता, खाना, दावत, उपवास, शाकाहारी, मांसाहारी, खाना पकाना, उबालना, तलना, भूनना, गर्म करना, ठंडा करना, परोसना, पीसना, कूटना, छीलना, काटना, छानना, जमाना (दही व आइसक्रीम) छौंकना, नाश्ता करना, रोज, कभी-कभी, कभी नहीं क) चपाती, रोटी, पराठा, पूरी, कचौरी, चावल, दाल, सब्जी, चटनी, दही, रायता, अचार, दोसा, सांबर, इडली, पुलाव, बिरयानी, समोसा ख) मांस, मछली, अंडा, झींगा ग) आलू, गोभी, प्याज, टमाटर, मटर, लौकी, शिमला मिर्च, लहसुन, अदरक, पालक, चुकंदर, मूली, धनिया, पुदीना, मिर्च, पत्तागोभी, बैंगन, भिंडी, कद्दू, नींबू घ) अमरूद, अनानास, तरबूज, केला, आम, सेब, संतरा, अंगूर, अनार ड) नमक, मिर्च, चीनी, काली मिर्च, लौंग, जीरा, दालचीनी, गर्म मसाला, धनिया, इलायची च) बादाम, काजू, किशमिश, अखरोट, पिस्ता, खजूर, अंजीर छ) दूध, दही, चाय, मक्खन, लस्सी, पनीर ज) बर्फी, लड्डू, गुलाब जामुन, जलेबी, रसगुल्ला, हलवा, खीर झ) नमकीन, मीठा, खट्टा, कड़वा, फीका, तीखा
	(iii) <u>खरीदारी</u> * जरूरी सामान खरीदना * दुकान पर बातचीत * मोल भाव करना	क) चाहिए क्या चाहिए? साबुन/ कलम चाहिए ख) ....इए (आज्ञार्थ) दीजिए लीजिए आइए	लाल, हरा, सफेद, काला, महँगा, सस्ता, कम, ज्यादा, दुकानदार, ग्राहक, दुकान, बासी, ताज़ा, रुपया, पैसा, नोट, सिक्का बेचना, खरीदना, लेना, देना, नापना, तौलना
तीसरा दिन	**(i) <u>समय</u>** * समय का बोध- सुबह, शाम, रात * दिन– सोमवार, मंगलवार	क) कब ? ख) कहाँ? यहाँ, वहाँ ग) कैसे? अभी आप कैसे हैं? झ) को घूमना / सोना पसंद है	**समय** – सुबह, शाम, दोपहर, रात, दिन, अँधेरा, उजाला, अभी **दिवस** – सोमवार, मंगलवार, बुधवार... आज, कल, परसों
	(ii) <u>दिनचर्या</u> दैनिक जीवन की विभिन्न क्रियाओं की जानकारी	क) मै.....ता हूँ/ ती हूँ (ते हैं) मैं पढ़ता हूँ ख) को घूमना पसंद है ग) फिर घ) के बाद, बाद में	सोना, जागना, उठना, बैठना, नहाना, धोना, खाना, पीना, देखना, दौड़ना, टहलना, पढ़ना, लिखना, सोचना, पहनना, उतारना, टाँगना, मुँह धोना, बाल काढ़ना, कंघी करना, ब्रश करना, टी.वी. देखना, सुनना
	(iii) <u>पोशाक</u> * मुख्य रंगों का परिचय	क) को | कुर्ता | पसंद है हरा रंग ख) क्या-क्या पसंद है?	**रंग :** काला, सफेद, लाल, हरा, नीला, पीला **पुरुष :** पैंट, कमीज, बुशर्ट, कुर्ता, पाजामा, लुंगी, बनियान,

	* पुरुषों और महिलाओं के वस्त्रों का परिचय		जॉघिया, टोपी, धोती, मोजे, जूते, चप्पल, रुमाल, चश्मा, दस्ताने **स्त्री :** साड़ी, ब्लाउज, सलवार-कुर्ता (सलवार-सूट), लहँगा, चोली, घाघरा, पेटी कोट, शॉल, सैंडिल, चप्पल
चौथा दिन	**(i) <u>रास्ता पूछना</u>** * दिशाएँ * दायाँ-बायाँ इधर-उधर	क) ना चाह (मैं सोना चाहता हूँ) ख) आएगा / मिलेगा (भविष्य) ग) ना पड़ (जाना पड़ा) घ) कितनी ड) कैसे? किधर?	**दिशाएँ** - पूर्व/पश्चिम/उत्तर/दक्षिण दाएँ, बाएँ, इधर, उधर, सामने, सीधे, मुड़, पीछे, आगे, नजदीक, करीब, पास, बहुत पास, दूर, बहुत दूर, थोड़ी दूर, यहाँ, वहाँ
	(ii) <u>शरीर के अंग</u> * बाहरी अंगों * अंदरूनी अंगों का परिचय	क) पेट में दर्द है ख) हो रहा है सिर दर्द हो रहा है ग) हो गई उल्टी हो गई	**बाहरी अंग -** सिर, बाल, आँख, कान, नाक, होठ, मुँह, जीभ, दांत, जबड़ा, मसूड़े, गाल, ठोड़ी, गला, गर्दन, छाती, स्तन, कंधे, बाँह, कुहनी, हाथ, हथेली, उंगली, अंगूठा, नाखून, पैर, पीठ, जाँघ, घुटना, एड़ी, पंजा, तलवा, त्वचा, आँसू, रोम, पसीना **आंतरिक अंग -** दिमाग, दिल, फेफड़े, आँते, नस, हड्डी, पेशाब, थूक, खून, टट्टी, पाखाना, मवाद
	(iii) <u>बीमारियाँ</u> * बीमारियों के नाम * डॉक्टर से बातचीत	क) को क्या हुआ? ख) कैसा/ कैसी/ कैसे आपकी तबीयत कैसी है? आप कैसे हैं? ग) आपको खाँसी है?	**बीमारियाँ -** दर्द, सिर में दर्द, मोच, खाँसी, जुकाम, सर्दी, उल्टी, दस्त, तनाव, चेचक, कुष्ठरोग, पीलिया, बुखार, लकवा, खुजली, मरोड़, घमौरी फोड़ा, जी मिचलाना, जलन, चक्कर आना, बेहोशी, गर्भवती, हड्डी टूटना, दवा, दवाखाना, गोली, टिकिया, मलहम, सुई, पट्टी, मरीज, रोगी, स्वस्थ, अस्वस्थ, बीमार, इलाज, सेहत **चिकित्सा पद्धतियाँ -** आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, यूनानी, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, आसन, मालिश, प्राणायाम
पाँचवाँ दिन	**(i) <u>समय पूछना</u>** * पूर्णांक से 20 तक * अपूर्णांक- ¼, ½, ¾, 1¼, 1 ½, 1 ¾, 2 ¼, 2 ½, 2 ¾	क) बजा है कितना बजा है ? वे कितने बजे आएँगे ? ख) र दो बजकर 10 मिनट ग) र्ण भूत आया/गया था वह कब आया था ? घ) , –गी, –गे ङ) – दो बजने में 10 मिनट च) तना समय लगेगा ? कितनी देर लगेगी ?	घड़ी, वक्त, अलार्म, घंटा, मिनट, सेकेंड, पल, डेढ़, ढाई, पौन, साढ़े, दिन, हफ्ता, सप्ताह, महीना, वर्ष, साल
	(ii) <u>ऋतुएँ</u> * ऋतुएँ और उनका समय * जन जीवन पर उसका प्रभाव	क) हा/रही है/रहे हैं बारिश हो रही है ख) सकना	मौसम, जलवायु, मानसून, ठंड, जाड़ा, सर्दी, गर्मी, बरसात, वसंत, पतझड़, बारिश, आसमान, बादल, सूरज, चाँद, तारे, ध्रुवतारा, ओले, बर्फ, गर्म, ठंडा, लू, आँधी, तूफान, कोहरा, धुंध, बिजली, इंद्रधनुष, बाढ़, सूखा, मूसलाधार, बूँदाबाँदी, बूँद, धूप, छाँव, घटा, फूल, पत्तिया, पेड़-पौधे, घास, सूरज चमकना, बिजली चमकना, सूरज

	* सावधानियाँ	बारिश आ सकती है ग) पर पहाड़ों पर धूप है घ) में आसमान में बादल हैं ङ) मारे – मैं गर्मी के मारे परेशान हूँ	छिपना/डूबना/निकलना, अस्त होना, उदय होना, बादल गरजना, ओले पड़ना, बारिश होना, गर्मी/सर्दी पड़ना
	(iii) <u>यातायात</u> * यातायात के साधन * ट्रेन आदि के आने जाने, पहुँचने का समय * अपने देश से तुलना	(क) –वाला/–वाली/–वाले दिल्ली वाली गाड़ी (ख) सवेरे वाली गाड़ी (ग) न छूटने वाली है (घ) रिक्शा वाला (ङ) युक्त क्रिया – ट्रेन चली गई – बस आ गई	गाड़ी, रेलगाड़ी, मालगाड़ी, बस, रिक्शा, ऑटोरिक्शा, ताँगा, सवारी, जहाज, हवाई जहाज, बैलगाड़ी, ऊँट गाड़ी, साइकिल, स्कूटर, मोटर साइकिल, मोपेड, पैदल गाड़ीवान, ताँगेवाला, रिक्शावाला, पहिया, घंटी, हॉर्न, सीटी, झंडी, टिकट, सीट, बोगी, डिब्बा, टिकटघर, रेल फाटक, स्टेशन, बस अड्डा, ताँगा स्टैंड, हवाई अड्डा, एयरपोर्ट, बंदरगाह, सूचना, सड़क गली, पगडंडी, चौराहा, फुटपाथ, मोड़ अगला पिछला, सवारी करना, यात्री, यात्रा, सफर
छठा दिन	**(i) <u>संबंध</u>** ● पारिवारिक संबंध - एकल परिवार - संयुक्त परिवार ● परिवार में परस्पर संबंध	(क) .... ना पड़ा छोटे घर में रहना पड़ा (ख) .... ना - चाहिए एक साथ रहना चाहिए	साथ-साथ, मिलजुल कर, मदद, सहायता, मुसीबत, संकट, जरूरत, अवधारणा, महानगर, गाँव, शहर, शहरी, वातावरण, स्वतंत्र, बंधन, आदर, प्रेम, स्नेह
	(ii) <u>सामाजिक संबंध</u> ● पड़ोसियों से संबंध ● मित्रों/परिजनों से संबंध	(क) आना–जाना खाना–पीना उठना–बैठना (ख) के बिना, के अलावा (ग) लेकिन वह आया लेकिन मैं नहीं मिला	औपचारिक, अनौपचारिक, मुलाकात, सुख-दुख, बीमारी, गमी, समारोह, त्योहार, उत्सव, मुहल्ला, कॉलोनी, गली, इकट्ठे होना
	(iii) <u>समारोह</u> ● धार्मिक ● सांस्कृतिक ● सामाजिक ● साहित्यिक	(क) इसलिए उसने बुलाया था इसलिए मैं गया (ख) क्योंकि मैं नहीं गया क्योंकि बारिश हो रही थी। (ग) धर्म – धार्मिक (-इक) समाज – सामाजिक राजनीति – राजनीतिक परिवार – पारिवारिक साहित्य – साहित्यिक (घ) क्यों?	उत्सव, भाषण, प्रवचन, पत्रक, शामियाना, फूल, माला, मंच, भजन, भक्त, गीत, गायक, वादक, नृत्य, कलाकार, ताली बजाना, प्रशंसा करना, दान, चंदा, विकास कविता, किताब, कहानी, आलोचना, समीक्षा, कविता, पाठ, मुशायरा
	भारत : एक परिचय **(i) <u>भूगोल</u>** ● देश की भौगोलिक स्थिति ● सीमाएँ	(क) के उस पार- नदी के उस पार के ऊपर- पहाड़ के ऊपर के चारों ओर-	जमीन, पठार, पहाड़, रेगिस्तान, झरने, झील, मैदान, जंगल, चट्टान, टीला, गड्ढ़ा, सरोवर, घाटी, संगम, जंगल, समुद्र, नदियाँ, सरहद, पार, संधि, सीमा-रेखा, चारों ओर, दोनों ओर, नक्शा

सातवाँ दिन	• जलवायु • भाषाएँ	जंगल के चारों ओर (ख) मिलना जंगल में जानवर मिलते हैं	
	(ii) <u>भारतीय शासन व समाज</u> • लोकतंत्र • समाज	(क) 'ने' भूतकालिक सकर्मक क्रिया - गांधी ने देश को स्वतंत्र कराया - जनता ने मतदान किया (ख) प्रेरणार्थक करना - कराना देना - दिलाना खाना - खिलाना पढ़ना - पढ़ाना	राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मंत्री, सांसद, विधायक, संसद सदस्य, मुख्यमंत्री, पंचायत, सरपंच, प्रधान, मुखिया, चुनाव, मत, मतदान, बहुमत, गणतंत्र, ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य आदि जातियाँ, दलित, आदिवासी, स्त्री-पुरुष
	(iii) <u>राष्ट्रीय पर्व, प्रतीक व महापुरुष</u> • पर्व • प्रतीक • महापुरुष	(क) मनाया जाना होली मनाई जाती है	**पर्व-** गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयंती **प्रतीक -** राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, राष्ट्रध्वज, राष्ट्रचिह्न, राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय फूल, राष्ट्रीय पशु, 26 जनवरी, 15 अगस्त, 2 अक्टूबर **महापुरुष -** गांधी, सुभाष चंद्र बोस, अंबेडकर, भगतसिंह
आठवाँ दिन	**भारत:एक परिचय** **(i) <u>धर्म</u>** • विभिन्न धर्म • धार्मिक प्रतीक पुस्तक, पूजास्थल	(क) लगना मुझे बौद्ध धर्म अच्छा लगता है। (ख) लगना मुझे लगा कि बारिश हो रही है (ग) लगना वह रोने लगी (घ) जब-तब	हिंदू, इस्लाम, सिख, ईसाई, मुसलमान, बौद्ध, जैन मंदिर, मस्जिद, चर्च, गिरजाघर, गुरुद्वारा पूजा, प्रार्थना, नमाज़, अजान, पुजारी, मौलवी, पादरी, ग्रंथी, साधु, भिक्षु, पुरोहित, पंडित, तिलक, दाढ़ी, चोटी, माला, दान, दक्षिणा, आरती, यज्ञ, आहुति, हवन, प्रसाद, घंटा, मोमबत्ती, दीपक
	(ii) <u>दर्शन</u> • दर्शनों के नाम • विशेषता	(क) ना चाहिए गरीबों पर दया करनी चाहिए दान करना चाहिए (ख) जहाँ-वहाँ (ग) हिंसा-अहिंसा, धर्म-अधर्म, विश्वास-अविश्वास, सत्य-असत्य	हिंदू, इस्लाम, ईसाई, बौद्ध, जैन, सिख दर्शन सेवा, त्याग, अहिंसा, प्रेम, परोपकार, करुणा, सत्य, दया, तप, धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष सृष्टि, ईश्वर, अल्लाह, देव, खुदा, प्रकृति, पंच तत्व
	(iii) <u>लोकविश्वास</u> • व्यवहार भेद अलग-अलग आयु व पद के लोगों से अलग-अलग व्यवहार (आप, तुम, तू, वे, वह) • सामाजिक मर्यादा- मेहमान नवाजी, भेंट- देना/लेना, विशिष्ट रीति-रिवाज आदि	(क) wish- ईश्वर आपको खुश रखे आप खुश रहें	प्रणाम, नमस्ते, नमस्कार, सलाम, आदाब, चरण स्पर्श, आशीर्वाद, आशीष, वृद्ध, बूढ़ा, बुढ़िया, युवा, युवती, बालक, बालिका, बच्चा, बच्ची, आदर, सत्कार, स्वागत, उपहार, तिलक, टीका, आरती, अक्षत, रोली, माला, पान,फूल
नवाँ दिन	**बातचीत** **(i) <u>बैंक, पुलिस स्टेशन</u>** * मुद्रा विनियम Currency change * पैसा मँगाना * पैसा भेजना * पैसा निकालना * खाता खोलना * रिपोर्ट लिखना	(क) जब-तब (ख) जो-वह (ग) वाच्य (Voice) मुझे बताया गया रिपोर्ट लिखाई गई (घ) वह-उस यह-इस वे-उन ये-इन	खाता, भुगतान, जमा, पैसा प्रबंधक, थाना, पुलिस चौकी, दरोगा, थानेदार, सिपाही, सीटी, हथकड़ी, अधीक्षक, चोरी, चोर, छीनना, लूटना, पकड़ना, भागना, मँगाना, भेजना, जमा करना, खोलना, निकालना, बंद करना

	(ii) <u>होटल, वेटिंगरूम</u> * कमरे का किराया व अवधि * सफाई, सुरक्षा * वेटिंग रूम में सामान की सुरक्षा	(क) कब तक (ख) जब तक-तब तक (ग) के लिए 5 दिनों के लिए कमरा चाहिए यह चाय आपके लिए (घ) अपूर्ण वर्त (गया है)	कमरा, जगह, किराया, नौकर, सफाई, खाना, पानी, साफ, चादर, तकिया, तौलिया, सामान, सुरक्षा, ताला, चाभी, लॉकर, सामानघर, कुली, बिस्तर, झाड़ू, प्रतीक्षालय, पुरुष, महिला, शौचालय, मूत्रालय
	(iii) <u>हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, टैक्सी</u> * साधन व उसका समय * पहुँचने का समय * किराया	(क) किस (कौन) ट्रेन किस प्लेटफॉर्म से छूटेगी (ख) ने का- जाने का समय सोने का कमरा (ग) के लिए दिल्ली के लिये ट्रेन कहाँ से जाएगी (घ) संकेतार्थ- जाऊँ, जाएँ, जाए आपके लिए चाय लाऊँ	जहाज, ट्रेन, गाड़ी, बस, टैक्सी, समय, वक्त, आगमन, प्रस्थान, टिकट घर, टिकट खिड़की, आरक्षण, टिकट बाबू, वातानुकूलित टू टायर, थ्री टायर, द्वितीय श्रेणी, सुरक्षा जाँच, सुरक्षा पेटी, हवाई पट्टी, परिचारिका, सीढ़ी, चढ़ना, उतरना
दसवाँ दिन	**भ्रमण** **(i) <u>दिल्ली</u>** * परिचय * विशेषताएँ	(क) करना-कराना-करवाना (प्रेरणा) देखना-दिखाना-दिखवाना (ख) दिखाई देना, सुनाई देना	राजधानी, मुगल, अंग्रेज, प्राचीन, बादशाह, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संसद भवन, किला, सरकारी, कार्यालय, बगीचे, सुंदर सड़कें आधुनिक भवन
	(ii) <u>ताजमहल</u> * इतिहास * निर्माण * विशेषताएँ	(क) इतिहास-ऐतिहासिक (-इक) समाज-सामाजिक राजनीति-राजनीतिक (ख) ने बनवाया (ग) बनाना –बनवाना (घ) ता था दरबार लगता था	ऐतिहासिक, इमारत, महल, किला, मीनार, गढ़, गुंबद, बादशाह, सेना, फौज, सुरक्षा, मस्जिद, फव्वारा, दरबार, बगीचा
	(iii) <u>वाराणसी</u> * तीर्थ स्थल * मंदिर * गंगा	(क) पूजा करना- पूजा करवाना (ख) क्रि. वि जल्दी-जल्दी धीरे-धीरे जोर-जोर से	धार्मिक नगर, धर्म, मंदिर, गंगा, पवित्र नदी, घाट, पूजा, आरती, पुजारी, मूर्ति, घंटा, जल, पंडा, फूल, माला, प्रसाद, टीका, तिलक, देवता, देवी, प्रणाम, आशीर्वाद, गलियाँ, साड़ी, पान, मिठाइयाँ, भक्त, परिक्रमा, परिक्रमा करना, दक्षिणा लेना, आरती करना, घंटा बजाना
ग्यारहवाँ दिन	**प्राणी** **(i) <u>पालतू पशु-पक्षी</u>** * पालतू पशुओं/ पक्षियों की विशेषता * भोजन व देखभाल * स्वभाव	(क) – होता है कुत्ता वफादार होता है (ख) यहाँ-वहाँ यहाँ-वहाँ घूमते रहते हैं (ग) के पास, किनारे, से दूर, के कारण	कुत्ता, बिल्ली, गाय, बकरी, बैल, ऊँट, हाथी, भैंस, सुअर, गधा, घोड़ा, खरगोश, तोता, कबूतर, मुर्गा, बतख, पिंजरा, दड़बा, पालना, दाना, चारा, घास, भूसा, अंडा, दूध, गोबर, वफादार, मेहनती, उपयोगी, सीधा, उड़ना भौंकना, गुर्राना, मिमियाना, हिनहिनाना, चिंघाड़ना, रँभाना, पिल्ला, मेमना, बछड़ा, चूजा, बोझ ढोना, जोतना, अंडे सेना, दूध/अंडे देना, रखवाली करना, सवारी
	(ii) <u>जंगली पशु-पक्षी</u> * जंगली पशु/ पक्षियों की विशेषता * उनका स्वभाव * निवास स्थान	(क) कई, के बराबर, के सामने, के आगे (ख) पड़ बंदर कूद पड़ा तुम पेड़ से गिर पड़ोगे (ग) ने लगा शेर दहाड़ने लगा (घ) डालना शेर ने हिरन को मार डाला	शेर, चीता, तेंदुआ, लकड़बग्घा, भालू, हिरन, भेड़िया, सियार, लोमड़ी, गैंडा, बंदर मोर, उल्लू, गिद्ध, चील, बगुला, गोरैया, कोयल, कौवा, सारस, हंस, चमगादड़, बाज जंगल, माँद, कोटर, घोंसला दहाड़ना, गुर्राना, चीखना, कूकना, कूदना, काँव-काँव, झपटना, काटना, नोंचना, दाँत, पंजे, नाखून, पंख, चोंच, डैने, खतरनाक, भयानक, ताकतवर, चंचल, बुद्धिमान
	(iii) <u>जलचर तथा कीट पतंग</u> * जल के प्राणी	(क) के अंदर, के बिना (ख) – ता रह अजगर हमेशा सोता रहता है।	मछली, मेंढक, कछुआ, मगर, घड़ियाल, घोंघा, केकड़ा अजगर, साँप, बिच्छू, छिपकली, गिरगिट, केंचुआ, चूहा तितली, मक्खी, मधुमक्खी, मच्छर, बरैय्या, चींटा, चींटी

	* विशेषता * कीट-पतंग * स्वभाव व विशेषता		तैरना, छलाँग मारना, उछलना, डंक मारना, फुफकारना, रेंगना, बिल, छत्ता, कीचड़, शहद
तेरहवाँ दिन	**संगीत** **(i) <u>गायन</u>** * शास्त्रीय * सुगम * भजन, गीत * गज़ल, कव्वाली * फिल्मी गीत	(क) – चुक वह कई गीत गा चुका। (ख) – रहा था लता गीत गा रही थी। (ग) प्रेरणार्थक सुनना – सुनाना लिखना – लिखाना गाना – गवाना कुछ सुनाइये	सुनना, सुनाना, गायक, गाना, गुनगुनाना, अलापना, अलाप देना, तान, सुर, स्वर, सुरीला, ताल, लय, गला, कंठ, शास्त्रीय, गायन, भजन, गजल, गीत, फिल्मी गीत, राग, सरगम
	(ii) <u>वादन</u> * वाद्यों के प्रकार * विशेषताएँ	(क) पाना वह गाना नहीं गा पाता मीरा सो नहीं पाई (ख) संयुक्त क्रिया - सुना देना राम ने गाना सुना दिया आप भी गा दीजिए	सितार, सारंगी, सरोद, वायलिन, गिटार, तानपूरा, बैंजो, वीणा ढोलक, तबला, मृदंग, डमरू, ड्रम बाँसुरी, शहनाई, हारमोनियम, साज, तार, वादक, ठेका, बजाना, छेड़ना, फूँकना, मिलाना, संगत करना, ताल देना, सितार/तबला मिलाना (to tune)
	(iii) <u>नृत्य</u> * शैलियाँ * विशेषताएँ	(क) – ने लग वह नाचने लगी (ख) वह - उस उसका नाम क्या है? (ग) – ना पड़ उसको नाचना पड़ा	**<u>शास्त्रीय नृत्य</u>** कथक, कथकली, कुचिपुड़ी, ओडिसी, मणिपुरी **<u>लोकनृत्य</u>** भांगड़ा, बिहू, गरबा समूह नृत्य, घुँघरू, हाव-भाव, मुद्रा, ताली बजाना, नाचना वह अच्छा नाचती है।
	(i) <u>भारत के राज्य</u> * राज्यों के नाम * लोग तथा विशेषताएँ	क) के बराबर के साथ ख) जहाँ–वहाँ ग) जिधर-उधर	प्रकार , तरह, लोग, जनता, पंजाब, गुजरात, बंगाल, केरल आदि पंजाबी, गुजराती, बंगाली, मलयाली, आप, तंदुरूस्त सुंदर गोरे, साँवले, छोटे, घुंघराले, लंबे बाल, बड़ी आँखे, सिंह, कौल, मीणा, कपूर, शर्मा, गुप्ता, अग्रवाल, सक्सेना, परमार, बाल्मीकि, मोदी, पारिख, ख़ान, पिल्ले, रेड्डी, नागप्पा, अयंगार, मुखर्जी, दास, हजारिका, लोथा आदि
	(ii) <u>छात्र जीवन</u> * स्कूल * कॉलेज * छात्रावास	क) न.....न..... न किताब और न कॉपी मिली न तुम आए न वह ख) शत्रु – शत्रुता मित्र –मित्रता ग) अब अब सब ठीक है	विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, कक्षा, पुस्तकालय, किताबें, कापी, कलम, खेल का मैदान, दोस्त, मित्र, शिक्षक, गुरु, श्याम-पट्ट, घंटा, छुट्टी, मध्यावकाश, प्रार्थना, सजा, गृहकार्य, पढ़ाई, शैतानी, कमरा, मेस, पुराने दोस्त, साथी
	(iii) <u>भारत के लोग</u> * विशेषताएँ * स्वभाव * विदेशियों के प्रति व्यवहार	क) कभी-कभी ख) जब-कभी ग) कभी नहीं घ) कहीं-कहीं ङ) जहाँ-कहीं च) कहीं नहीं	भारतीय, हिंदुस्तान, हिंदुस्तानी, संस्कृति, विचार, स्वभाव, मेहमान, अतिथि, स्वागत, सत्कार, मदद, देखभाल, हमेशा, उत्साह, गर्मजोशी, जोश, खुशी, स्नेह, प्रेम
	संस्कार **(i) <u>जन्म</u>** * जन्म संबंधी * रीतिरिवाज	प्रेरणार्थक क) नहाना – नहलाना खाना – खिलाना पीना – पिलाना	गर्भवती, गर्भ धारण करना, गर्भपात, प्रसव, प्रसव-वेदना, शिशु, जन्म लेना, पैदा होना, दाई, प्रसूति विभाग, बच्चा, छठी, नामकरण, अन्नप्राशन, विद्यारंभ, काजल, मालिश, बालरोग, नहलाना

चौदहवाँ दिन	* जन्म से संबंधित बातें	माँ बच्चे को दूध पिलाती है ख) कर्म – क्रिया माँ ने दूध पिलाया माँ ने मिठाई खिलाई ग) पूर्ण भूतकाल गया था, हुआ था	
	(ii) विवाह * विवाह के प्रकार * विवाह प्रक्रिया * विशेषताएँ	क) ---ने अनिल ने लड़की देखी मीरा ने लड़का देखा ख) तटस्थ क्रिया अनिल ने लड़की को देखा मीरा ने लड़के को देखा ग) संज्ञा /विशेषण + हो जाना - विवाह हो गया - बीमार हो गया	वर, वधू, सगाई, गोद भराई, लगन, जन्म कुंडली/जन्मपत्री, राशि, मुहूर्त, बारात, बाराती, घराती, घुड़चढ़ी, दूल्हा, दुल्हन, द्वार-चार, बैंडबाजा, जयमाला, फेरे, पाणिग्रहण, कन्यादान, अग्नि, सिंदूर, बिंदी, माँग, घूँघट, जनवासा, अँगूठी, स्वभाव, विदाई, मंडप, मौर शहबाला, लड़की देखना, लड़का रोकना, फेरे लेना, प्रेम-विवाह, तलाक
	(iii) <u>मृत्यु</u> * मृत्यु का परिवार पर प्रभाव * मृत्यु संबधी संस्कार	क) संयुक्त क्रिया + जाना वह मर गया वे सो गये ख) जीवन – मृत्यु जिंदगी – मौत जीना – मरना हर्ष – शोक	मरना, मृत्यु, मौत, निधन, देहांत, स्वर्गवास, प्राण निकलना, जिंदगी, जीना, शोक, दु:ख, कफन, चिता, अस्थि, श्मशान, मुंडन, श्राद्ध, तेरहवीं, उठावनी आग देना, श्रद्धाजलि देना, शोक मनाना, अस्थिविसर्जन करना, तर्पण करना
पंद्रहवाँ दिन	**(i) <u>बातचीत</u>** * रेस्टोरेंट में * दुकान में फल, सब्जी, कपड़े, जूते आदि	(क) क्या- क्या खाने में क्या-क्या है? (ख) कितने कितने का है? कितने रुपये किलो/मीटर है? कितने पैसे हुए? (ग) क्या भाव/दाम/कीमत है? (घ) किस कंपनी का है? (ङ) बिल लाओ।	दक्षिण भारतीय, उत्तर भारतीय, पंजाबी, चाइनीज, भोजन, शाकाहारी, मांसाहारी, सादा पानी, सूखी/रसेदार सब्जी, मसाला, गरमा-गरम रोटयाँ, प्लेट, गिलास, चम्मच, चमचा, कटोरी, डोंगा, दर्जन, थैला, लिफाफा, नया, पुराना, अच्छा, खराब, गहरा लाल, हल्का नीला, मजबूत, ऊनी, सूती, रेशमी, कपड़ा, चमड़ा
	(ii) <u>समाचार-पत्रों के समाचारों पर चर्चा</u> * राजनीति * अपराध * दुर्घटना * खेल * अन्य	(क) संयु. क्रिया- मार डालना, लूट लेना (ख) हत्या- हत्यारा, लूट-लूटेरा (ग) विलोम - सख्त- मुलायम गुलाम – गुलामी आजाद – आजादी लापरवाही – लापरवाही सावधान – सावधानी बेरोजगार – बेरोजगारी समर्थन – विरोध (ग) क्या भाव/दाम/कीमत है? (घ) किस कंपनी का है? (ङ) बिल लाओ।	हिंसा, चोरी, डाका, लूट, हत्या, अपहरण, बलात्कार, खून-चोर, चाक, पिस्तौल, बंदूक, पुलिस, अधिकारी, कानून, नियम, चालान, मारपीट, गोली, सावधानी, सुरक्षा, पूछताछ, जाँच, सख्ती, न्यायालय, वकील, अशिक्षा, बेरोजगारी, अंधविश्वास, धर्म, नेता, दल, राजनीति, विरोध, आरोप, आरोपी, हड़ताल, भाषण, भीषण, भयानक, टक्कर, मैच, पदक, आयोजन, घायल, जख्म, जीतना, हारना, छीनना, लूटना, चोरी करना, हत्या करना, डाका डालना, गोली, चाकू मारना, गोली से उड़ाना
	(iii) <u>सामयिक समस्याओं पर चर्चा</u> * आतंकवाद	(क) आतंकवाद – आतंकवादी गांधीवाद – गांधीवादी समाजवाद –समाजवादी	आतंक, आतंकवाद, आतंकवादी, विस्फोट, साजिश, षडयंत्र, अणुबम, परमाणुबम, शस्त्र, हथियार, रॉकेट, सेना, वासुसेना, लड़ाकू विमान, समझौता, संधि, बैठक, सम्मेलन, शांति वार्ता, बमबारी,

	* अंतरराष्ट्रीय संबंध * आणविक हथियार	पूंजीवाद – पूंजीवादी (ख) समानार्थी मदद – सहायता इज्जत – आदर दोस्त – मित्र दुश्मन – शत्रु आजादी – स्वतंत्रता	विश्वयुद्ध, बम फोड़ना/फेंकना, बम से उड़ाना
सौलहवाँ दिन	**मनोरंजन** **(i) <u>त्योहार</u>** * त्योहारों के प्रकार * त्योहारों का महत्व * विशेषताएँ	(क) कर्मवाच्य) त्योहार मनाए जाते हैं। होली मनाई जाती है। (ख) आग्रह) कि मैं चाहता हूँ कि आप यहाँ आएँ (ग) वह आया कि नहीं	त्योहार, पर्व, उत्सव, होली, दीवाली (दीपावली) ईद, क्रिसमस, बैसाखी, खुशी, सफाई, खरीदारी, रंग, गुलाल, गुझिया, भांग, रोशनी, प्रकार, दिए, झालर, पटाखे, फुलझड़ी, मिठाई, जुआ, सेवइयाँ, नमाज़, टोपी, मस्जिद, मंदिर, गिरजाघर, गुरुद्वारा, केक, मोमबत्ती, प्रार्थना, घंटा, ईद का चाँद, ईदी, भांगड़ा, नई फसल, पगड़ी, गले मिलना, होली खेलना, पटाखे चलाना, नमाज़ पढ़ना
	(ii) <u>सिनेमा</u> * सिनेमा का प्रभाव * महत्व * आकर्षण	(क) ता हुआ, (कृदंत) ती हुई/ते हुए बहता हुआ पानी साफ होता है। नाचती हुई लड़की गिर गई (ख) नाचते – नाचते वह नाचते – नाचते थक गया (ग) नायक – नायिका गायक – गायिका	फिल्म, नायक, नायिका, अभिनेता, अभिनेत्री, गायक, गायिका, निर्देशक, निर्माता, गीतकार, कैमरामैन, संगीतकार, खलनायक, हास्य, कलाकार, संवाद, सितारे, रोमांचक, हल्की-फुल्की, पुरस्कार, डरावना
	(iii) <u>क्रिकेट</u> * खेलों के प्रकार व महत्व * क्रिकेट की लोकप्रियता	(क) ते हुए उसने दौड़ते हुए गेंद फेंकी (ख) दौड़ते –दौड़ते दौड़ते–दौड़ते उसको खाँसी आ गई (ग) गेंदबाज – गेंदबाजी बल्लेबाज – बल्लेबाजी निशानेबाज –निशानेबाजी	खेल, व्यायाम, स्वास्थ्य, खिलाड़ी, मैदान, लोकप्रिय, टेनिस, हॉकी, फुटबॉल, बालीवॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, गेंद, बल्ला, गिल्ली, विकेट, गेंदबाज, बल्लेबाज, विकेट कीपर, क्षेत्ररक्षक, पगबाधा, फिरकी, तेज गेंदबाज, उछाल, दस्ताने, चौका, छक्का गेंद फेंकना, गेंदबाजी करना, बल्लेबाजी करना, कैच लेना, आउट करना, रन बनाना, फील्डिंग करना, बैटिंग करना, बॉलिंग करना
सत्रहवाँ दिन	**(i) <u>व्यवसाय</u>** * व्यापार * नौकरी–दफ्तर * शिक्षक	(क) न, मत, नहीं, आप न जाइए बैंक तुम मत जाओ वह नहीं जाएगा (ख) क्योंकि–इसलिये क्योंकि वह बीमार है इसलिए सो रहा है (ग) वह सो रहा है क्योंकि बीमार है।	व्यापार, दुकान, माल, खरीदना, बेचना, लाभ, मुनाफा, फ़ायदा, नुकसान, हानि, रोजगार, साख, लागत, उधार, बकाया, कार्यालय, दफ्तर, कर्मचारी, अधिकारी, चपरासी, लिपिक, बाबू, आवेदन, छुट्टी, अवकाश, वेतन, आय, प्रबंधक, नकद, खाता, ऋण, जमा करना, भुगतान, पर्ची, ब्याज, खाता खोलना, बंद करना, कक्षा, अध्यापन, शिक्षण, पढ़ाना, छात्र, अनुशासन, पाठ, पुस्तक, गृह कार्य
	(ii) <u>रुचियाँ</u>	(क) लगभग, करीब,	कला, मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत कला, लोक कला, मूर्ति, चित्र,

	* कला * भ्रमण * पढ़ना, सोना, खेलना आदि	वहाँ लगभग 10 मूर्तियाँ है (ख) के बिना हम पानी के बिना मर जाएंगे।	पर्यटन, घूमना, गाना, बजाना, कविता, कहानी, खेलना, किताब, लिखना, शौक, तैरना, टिकट संग्रह, सिक्के जमा करना, चित्र / मूर्ति बनाना
	(iii) <u>सप्ताहांत</u> (Weekend) *कार्य दिवस की थकान *सप्ताहांत का इंतजार	(क) भर – दिनभर रातभर (ख) हर – हर रोज हर महीने (ग) दिन – दैनिक सप्ताह – साप्ताहिक मास – मासिक वर्ष – वार्षिक	थकान, व्यस्त, सप्ताह, हफ्ता, महीना, माह, वर्ष, साल, दिनभर, रातभर, हर हफ्ते, हर साल, जरुरी, छुट्टी मनाना, आराम करना, सोना, घूमना, फिल्म देखना, पिकनिक मनाना, थकना, काम करना
अठारवाँ दिन	**सैर** **(i) <u>बगीचे में</u>** * फूलों के नाम * पेड़ों के नाम * विशेषताएँ	(क) ज्यों ही -त्यों ही ज्यों ही हम बाहर आए त्यों ही पानी बरसने लगा। (ख) सींचना–सिंचाई काटना–कटाई पढ़ना–पढ़ाई लिखना–लिखाई देखना–दिखाई लड़ना – लड़ाई (ग) ज्यों ज्यों – त्यों त्यों	बगीचा, उद्यान, पेड़, पौधे, घास, गुलाब, गेंदा, चमेली, सूरजमुखी, डहेलिया, लिली, चंपा, कमल, नीम, पीपल, बरगद, यूकिलिप्टस, ताड़, पाम, आम, जामुन, नारियल, कोंपल, हरियाली, तितली, मधुमक्खी, शहद, खाद, सिंचाई, कटाई, छँटाई, तोड़ना, खोदना, जोतना, बोना, सींचना, फूल खिलना, मुरझाना
	(ii) <u>नदी किनारे</u> * नदी किनारे का वर्णन * लोगों की गतिविधियाँ	(क) बच्चा गिरते ही रोने लगा। (ख) बहना – बहाव फैलना – फैलाव (ग) सूर्य+उदय = सूर्योदय सूर्य+अस्त = सूर्यास्त	नदी, बहना, लहर, किनारा, तट, बालू, घरौंदा, बहाव, सूर्योदय, सूर्यास्त, चिड़िया, मछली, कचरा, ठंडा, सुहावना, वातावरण, शांत, पुल, डूबना, तैरना, कूदना
	(iii) <u>पहाड़ों पर</u> * यात्रा वर्णन * प्राकृतिक दृश्य * पहाड़ों का जीवन	(क) (भाव वाच्य) मुझसे चला नहीं जाता रीता से पहाड़ पर चढ़ा नहीं गया (ख) ऊँचा – ऊँचाई गहरा –गहराई चौड़ा – चौड़ाई लंबा – लंबाई	पहाड़, पर्वत, पहाड़ी, बर्फ, चढ़ाई, ढाल, जंगल, जानवर, पक्षी, ऊँचा, नीचा, ऊँचाई, घाटी, चिड़िया, चढ़ना, उतरना, फिसलना, गिरना, लुढ़कना, सुस्ताना, रुकना, ठहरना
उन्नीसवाँ दिन	**(i) <u>दोस्तों के साथ एक शाम</u>** * भारत कैसा लगा * भारत के लोग * समस्याएँ	(क) एक – अनेक आदर – अनादर पढ़ा – अनपढ़ (ख) संयुक्त क्रिया लेना/देना – खरीद लेना – खरीद देना	बहुभाषा, रंग-बिरंगा, अनेकता, एकता, भाईचारा, प्रेम, विश्वास, आदर, बेरोजगारी, अशिक्षा, जनसंख्या, अपराध, व्यवस्था, पानी, बिजली, सफाई, सड़क, प्यार, नफ़रत, गुस्सा, दुश्मनी, दोस्ती, दुश्मन, दोस्त
	(ii) कक्षा में चर्चा * संयुक्त परिवार * अशिक्षा * बेरोजगारी * प्रदूषण	(क) विशे. – संज्ञा गुलाम – गुलामी आजाद – आजादी लापरवाही – लापरवाही सावधान – सावधानी (ख) विलोम शिक्षा – अशिक्षा धर्म – अधर्म	संयुक्त, एकल, आजादी, स्वतंत्रता, बंधन, आदर, सम्मान, स्नेह, प्रेम, प्यार, देखभाल, मदद, सहायता, सुरक्षा, विश्वास, शिक्षा, शिक्षक, रोजगार, धुआँ, गंदगी, शोर, ध्वनि, वायु, जल, प्रदूषण, यातायात

		सुरक्षा – असुरक्षा सम्मान – असम्मान	
	(iii) <u>कहानी, घटना</u> * सुनना * सुनाना * चर्चा	(क) – था एक राजा था बीना बीमार थी (ख) घटना – दुर्घटना भाग्य – दुर्भाग्य दशा – दुर्दशा गुण – दुर्गुण	कहानी, लघु कथा, घटना, दुर्घटना, याद, दिमाग, दिल, प्रभाव, असर, बात, कहना, सोचना, भूलना, याद करना, सुनना, सुनाना
बीसवाँ दिन	**(i) <u>फिल्म</u>** * हिंदी फिल्में * हिंदी फिल्मों की विशेषताएँ * देखी फिल्म पर चर्चा * नई-पुरानी फिल्में	(क) भूत का. कृदंत- देखी हुई फिल्म टूटा हुआ गिलास (ख) पहला, दूसरा, तीसरा पहली फिल्म दूसरा आदमी	फिल्म, सिनेमा, कहानी, संगीत, निर्देशन, नृत्य, मारपीट, संवाद, पटकथा, संपादन, भाषा, दृश्य, फोटोग्राफी
	(ii) हिंदी गीत * फिल्मी गीतों का महत्व * जरूरत * नए-पुराने गीतों में अंतर * गीतों की भाषा * गीत समझना	(क) – वाला – गाने वाला आदमी – सुनने वाले लोग (ख) सुर – सुरीला रंग – रंगीला नशा – नशीला	गीत, संगीत, गीतकार, शब्द, भाव, भाषा, पंजाबी, अंग्रेजी, गायक, गायिका, स्वर, धुन, सुर, ऑरकेस्ट्रा, समझना
	(iii) मुहावरे व लोकोक्तियाँ		(1) अंधे की लकड़ी (2) आँखों का तारा (3) एक पंथ दो काज (4) खून पसीना एक करना (5) श्री गणेश करना (6) रास्ता देखना (7) नौ दो ग्यारह होना (8) ईद का चाँद होना (9) ऊँट के मुँह में जीरा (10) जिसकी लाठी उसकी भैंस (11) अंधों में काना राजा (12) आम के आम गुठलियों के दाम

परिशिष्ट

क्रम	विषय	शिक्षण बिंदु
1	(i) परिचय (ii) रिश्तेदार (iii) मेरा देश	मैं – हूँ, आप – हैं, मेरा/आप का नाम है, मेरा/आपका नाम- है। जी हाँ, जी नहीं, कौन, क्या, अपना से बड़ा, कहाँ से
2	(i) घर (ii) भोजन (iii) खरीदारी	यह/वह – है, ये/वे – हैं, को पसंद है, चाहिये, आज्ञार्थ, (आइये) आगे, पीछे, ऊपर, नीचे, यहाँ, वहाँ, जाएं, बाएं
3	(i) समय (ii) दिनचर्या (iii) पोशाक	को/ना पसंद है (राम को खेलना पसंद है) ता हूँ/-ती हूँ/-ते हैं (मैं खाता हूँ) कब, कहाँ, कैसे, क्या-क्या, अभी, फिर, के बाद, बाद में (विशे.) रंगों के नाम
4.	(i) रास्ता पूछना (ii) शरीर के अंग (iii) बीमारियाँ	ना चाह (मैं जाना चाहता हूँ) – ना पड़ (मुझको जाना पड़ा) - ना है (मुझको जाना है) को- है (मुझको खाँसी है) को हुआ है/हो गया है/हो रहा है कितना, किधर, कैसा/कैसी/कैसे, में
5.	(i) समय पूछना (ii) ऋतुएँ (iii) यातायात	– कर (दो बजकर 10 मि.) बजा, बजे, बजने में पूर्ण भूत- (आया था), भूत (आया), रहा/रही है/रहे हैं –लगना (समय लगेगा), वाला, ने वाला (वह जाने वाला है), सकना, पर, के मारे, के कारण
6.	संबंध (i) संबंध पारिवारिक (ii) सामाजिक (iii) समारोह	ना पड़, ना चाह, के बिना, के अलावा, लेकिन, क्यों, क्योंकि, इसलिए, -इक (धार्मिक...)
7.	भारत एक परिचय (i) भूगोल (ii) शासन व समाज (iii) राष्ट्रीय, पर्व, प्रतीक	ने (राम ने खाया), प्रेरणा. (देना-दिलाना) कर्मवाच्य (मनाया जाता है)
8.	भारत एक परिचय (i) धर्म (ii) दर्शन (iii) लोकविश्वास	लग (मुझको लगा, अच्छा लगना, वह रोने लगा) – ना चाहिए (मुझको जाना चाहिए) – wish (आप खुश रहें), जब-तब, जहाँ-तहाँ, विलोम (हिंसा-अहिंसा, धर्म-अधर्म)
9.	बातचीत (i) बैंक-पुलिस स्टेशन (ii) होटल वेटिंगरुम (iii) हवाई अड्डा, रेल्वे स्टेशन, टैक्सी आदि	अपू. वर्त. (गया है), संकेतार्थ (जाऊँ, जाएं), वाच्य, सर्व. तिर्यक (उस, किस, जिस) जो-वह, जब तक- तब–तक, कब तक, ने का (जाने का समय) के लिए
10.	भ्रमण – (i) दिल्ली (ii) ताजमहल (iii) वाराणसी	मिश्र-क्रिया (दिखाई देना), प्रेरणा. (करना-कराना) द्वि. प्रेरणा–(बनवाना) – ता था (रोज जाता था) जल्दी- जल्दी, धीरे-धीरे, जोर-जोर से, धीरे से, इक (ऐतिहासिक, धार्मिक)
11.	प्राणी (i) पालतू (ii) जंगली (iii) जलचर व कीट-पतंक	ने लग (रोने लगा), - पड़ (कूद पड़ना), के पास, के बराबर, के सामने, के अंदर, के बाहर, के बिना, से दूर, कई, यहाँ, वहाँ
12.	संगीत (i) गायन	(सं. क्रिया- चुक (गा चुका), -सक (गा सकता है), -देना (सुना देना), - पाना (नहीं सो पाया), - ने लगा

	(ii) वादन (iii) नृत्य	(गाने लगा), - ना पड़ (गाना पड़ा), आज्ञा (सुनाइए, सुनाओ), (गा) रहा था
13.	(i) भारत के राज्य (ii) भारत के लोग (iii) छात्र जीवन	न-न, जहाँ-जहाँ, जिधर-जिधर, कहीं-कहीं, जहाँ कहीं, कहीं नहीं, जब-जब, जब कभी, कभी नहीं, अब, के साथ, के बराबर, भाव. वा. संज्ञा, (एक-एकता)
14.	संस्कार (i) जन्म (ii) विवाह (iii) मृत्यु	पूर्ण भूत काल (गया था), प्रे. क्रि. (नहलाना), अन्विति- (चाय पिलाई, दूध पिलाया), तटस्थ क्रि. (मैंने दिल्ली को देखा) संज्ञा/विशे. + क्रि. (विवाह/बीमार हो गया) संयु. क्रिया (मर जाना) विलोम (जीवन मृत्यु)
15.	(i) बातचीत (ii) समाचारों पर चर्चा (iii) सामयिक समस्याएं	संयु. क्रि. (-डालना- लेना) क्या- कया, किस, कितने का है? क्या भाव है? सं.- विशे. (गांधीवाद-गांधीवादी) समानार्थी (मदद-सहायता) विलोम (गुलामी-आजादी)
16.	मनोरंजन (i) त्योहार (ii) सिनेमा (iii) क्रिकेट	कृदंत (रोता हुआ) रोते-रोते/रोते हुए, आग्रह(आप आएं), कर्मवाच्य (मनाया जाता है), कि (वह आया कि नहीं) लिंग गायक-गायिका) भाव. वा. संज्ञा (गेंदबाज-गेंदबाजी)
17.	(i) व्यवसाय (ii) रुचियाँ (iii) सप्ताहांत	क्योंकि- इसलिए, न, मत, नहीं, लगभग, के बिना, दिन भर, हर दिन, हमेशा, -इक (दैनिक, मासिक)
18.	सैर (i) बगीचा (ii) नदी किनारे (iii) पहाड़ों पर	भाव वाच्य (मुझसे चला नहीं जाता), - ते ही (वह आते ही बोला), ज्यों – ज्यों, - त्यों त्यों, ज्योंही, क्रिया-संज्ञा (सींचना-सिंचाई, बहना-बहाव) विशे.- संज्ञा (ऊँचा-ऊँचाई)
19.	चर्चा (i) दोस्तों का साथ (ii) कक्षा में (iii) घटना, कहानी	संयु.-क्रि.(पढ़ लेना, पढ़ देना), संज्ञा-विशे. (हत्या-हत्यारा), विलोम (एक-अनेक)
20.	चर्चा (i) फिल्म (ii) हिंदी गीत (iii) मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	भूत-का-कृदंत (देखी हुई), क्रम वा. विशे. (पहला, दूसरा), ने वाला (गानेवाला, टैक्सी वाला), संज्ञा-विशे. (रंग-रंगीला)

आधार पाठ्यक्रम

पाठ्य-योजना

लक्ष्य : *यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए है जिनका हिंदी से कोई परिचय नहीं है। यह डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए आधार पाठ्यक्रम है जिसे पूरा करने के बाद वे डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।*

अवधि : *इस पाठ्यक्रम की अवधि चार सप्ताह/एक माह होगी।*

क्रेडिट : *इस पाठ्यक्रम के लिए क्रेडिट देय नहीं होगी; केवल प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।*

शिक्षण अवधि : *इस पाठ्यक्रम के लिए शिक्षण अवधि 60 घंटे होगी। प्रत्येक कालांश 60 मिनट का होगा।*

1. उच्चारण और लेखन अभ्यास

1. वर्णमाला

1.1 स्वर और उनकी मात्राएँ

अ – Ø, आ – ा, इ – ि, ई – ी,

उ– ु, ऊ– ू, ऋ– ृ,

ए – े, ऐ – ै, औ – ो, औ – ौ

1.2 व्यंजन

क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			

1.3 व्यंजन वर्ण और उनके संयुक्त रूप

क्–क, ख्–ख, ग्–ग, घ्–घ, ङ्–ङ

च्–च, छ्–छ, ज्–ज, झ्–झ, ञ्–ञ

ट्–ट, ठ्–ठ, ड्–ड, ढ्–ढ, ण्–ण

त्–त, थ्–थ, द्–द, ध्–ध, न्–न

प्–प, फ्–फ, ब्–ब, भ्–भ, म्–म

य्–य र्, ्र, र्, ृ, –र, ल्–ल, व्–व

श्–श, ष्–ष, स्–स, ह्–ह

1.4 संयुक्त व्यंजन : क्ष, त्र, ज्ञ

1.5 विदेशी स्वर / व्यंजन : ऑ – ॅ, ख़ – ख़, ज़ – ज़, फ़ – फ़

1.6 विशेष चिह्न : अनुस्वार (ं), अनुनासिक (ँ), विसर्ग (ः), हलचिह्न (्)

1.7 अंक

०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
शून्य	एक	दो	तीन	चार	पाँच	छह	सात	आठ	नौ	दस
शून्य	पहला	दूसरा	तीसरा	चौथा	पांचवा	छठा	सातवां	आठवां	नौवा	दसवां

1.8 अपूर्ण अंक

1/4	चौथाई	1/2	आधा	3/4	पौन
$1^{1/4}$	सवा	$1^{1/2}$	डेढ़	$1^{3/4}$	पौने दो
$2^{1/4}$	सवा दो	$2^{1/2}$	ढाई	$2^{3/4}$	पौने तीन
$3^{1/4}$	सवा तीन	$3^{1/2}$	साढ़े तीन	$3^{3/4}$	पौने चार

2. बलाघात और अनुतान

2.1 बलाघात

(i) राम कल दिल्ली गया। (सामान्य कथन)

(ii) राम कल दिल्ली गया। (बलाघात)

(iii) राम कल दिल्ली गया। (बलाघात)

(iv) राम कल दिल्ली गया। (बलाघात)

(v) राम कल दिल्ली गया। (बलाघात)

2.2 अनुतान

(i) राम कल दिल्ली गया। (सामान्य कथन)

(ii) राम कल दिल्ली गया ? (प्रश्न)

(iii) राम कल दिल्ली गया ! (आश्चर्य)

3. वाक्य प्रयोग (सामान्य और बहुप्रयुक्त)

3.1 स्थिति व अस्तित्व सूचक (Copula)

यह / वह किताब है (संकेत के साथ)

लड़का अच्छा है (गुण)

मोहन मेरा दोस्त है (परिचय)

अनिल डॉक्टर है (व्यवसाय)

ताजमहल आगरा में है	(स्थिति)
विवाह कल है	(समय)
ईश्वर है	(अस्तित्व)

3.2 'को' टाइप वाक्य

मोहन	को	बुखार खाँसी	है	
मोहन	को	दुख चिंता	है	
मोहन	को	पता याद	है	
मोहन	को	हिंदी टाइपिंग	आती है	
मोहन	को	खाँसी छींक	आ रही है	
मोहन	को	सर्दी भूख	लग रही है	
मोहन	को	बुरा अच्छा	लगा	
मोहन	को	आम	चाहिए	(आवश्यकता)
मोहन	को	जाना	चाहिए	(कर्तव्य)
मोहन	को	जाना	है	(बाध्यता)
मोहन	को	जाना	पड़ा	(विवशता)
मोहन	को	ईनाम	मिला	(प्राप्तकर्ता)

3.3 क्रिया प्रधान वाक्य

(i) **अकर्मक** –

लड़का दौड़ रहा है।

लड़का दो बजे गया।

किताब फट गई।

एक जंगल में एक शेर था।

(ii) **सकर्मक** –

लड़का	खाना खा रहा है।
	किताब पढ़ रहा है।
	गाना सुन रहा है।
	फिल्म देख रहा है।

(iii) द्विकर्मक – मैंने लड़के को किताब दी।

मैंने लड़के को खाना खिलाया।

(iv) वाच्य – (कर्तृ) लड़का ने खाना खाया।

(कर्म) लड़के से खाना नहीं खाया गया।

(भाव) लड़के से चला नहीं जाता।

(v) कथनात्मक – (स्वीकारात्मक) जी हाँ मैं अनिल हूँ।

(नकारात्मक) जी नहीं मैं अनिल नहीं हूँ।

जी नहीं मैं अशोक हूँ।

(प्रश्न) क्या आप अनिल हैं ?

लड़का कहाँ जाएगा ?

लड़का कब जाएगा ?

लड़का कैसे जाएगा ?

लड़का क्यों जाएगा ?

आप कौन हैं ?

यह क्या है ?

(vi) आज्ञार्थक – तू आ

तुम आओ

आप आइए / आप आइएगा

(vii) विध्यर्थक – वह जाए, वे जाएँ

आप जाएँ

मैं जाऊँ

4. आधारभूत शब्दावली

4.1 संज्ञा

भोजन	–	रोटी, दाल, चावल, पूरी, परांठा, सब्जी, दही, चटनी, अचार, पापड़
फल	–	आम, केला, सेब, अंगूर, संतरा
सब्जी	–	आलू, गोभी, मटर, टमाटर, प्याज, शिमला मिर्च, पत्ता गोभी, नीबू, चुकंदर, खीरा, मिर्च
मिठाई	–	लड्डू , गुलाबजामुन, जलेबी, बर्फी, रसगुल्ला
पेय	–	दूध, चाय, कॉफी, लस्सी
शरीर के अंग	–	सिर, पैर, हाथ, मुँह, पीठ, पेट, नाक, कान
रोग	–	बुखार, सिरदर्द, सर्दी, जुकाम, खाँसी

4.2 सर्वनाम

मैं, तुम, आप, यह, वह, ये, वे, कौन, क्या, ऐसा, वैसा, जैसा, कैसा

4.3 विशेषण

रंग	–	लाल, हरा, नीला, पीला, काला, सफेद
आकार	–	मोटा, पतला, लंबा, चौड़ा, छोटा, बड़ा, गोल
स्वाद	–	मीठा, नमकीन, खट्टा, तीखा, फीका
गुण	–	अच्छा, बुरा, खराब, गंदा, साफ, सुंदर

4.4 क्रिया

खाना, पीना, पढ़ना, लिखना, जागना, सोना, लेना,

देना, दोड़ना, चलना, टहलना, कूदना, रोना, हँसना

गाना, बजाना, लेटना, बैठना, खड़ा होना, सोचना

देखना, खरीदना, बेचना

4.5 क्रिया विशेषण

स्थान	–	यहाँ, वहाँ , कहाँ, जहाँ, कहीं
दिशा	–	इधर, उधर, किधर, जिधर
समय	–	अब, तब, जब, कब, कभी
रीति	–	ऐसे, वैसे, जैसे, कैसे
कारण	–	क्यों

5. बातचीत

5.1 सामान्य विषयों पर बातचीत जैसे- नमस्कार, दिन, तारीख, समय पूछना, घर, परिवार, मौसम, शहर, पसंद आदि के बारे में बातचीत।

5.2 वास्तविक स्थितियों में हिंदी का व्यवहार

बाज़ार, दुकान या अन्य स्थानों पर ले जाकर हिंदी में दुकानदार से बातचीत कराना।

5.3 हिंदी मातृभाषियों से स्वाभाविक बातचीत का अवसर

5.4 हिंदी सिनेमा और धारावाहिकों के कुछ चयनित दृश्यों का प्रदर्शन और उन पर बातचीत।

टिप्पणी - इस पाठ्यक्रम के लिए भाषा प्रयोगशाला और अधिक से अधिक श्रव्य-दृश्य साधनों की सहायता आवश्यक होगी।

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

पाठ्य-योजना

लक्ष्य : *यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों को हिंदी सिखाने की दृष्टि से तैयार किया गया है जिनका हिंदी भाषा से आरंभिक परिचय है अथवा जिन्होंने महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के आधार पाठ्यक्रम की पढ़ाई पूरी कर ली है।*

अवधि : *इस पाठ्यक्रम की अवधि दो सेमेस्टर होगी।*

पाठ्यचर्या : *इस पाठ्यक्रम के प्रत्येक सेमेस्टर के लिए दो पाठ्यचर्याएँ (Courses) निर्धारित हैं।*

क्रेडिट : *प्रत्येक पाठ्यचर्या के लिए चार क्रेडिट तथा संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए 16 क्रेडिट निर्धारित हैं।*

शिक्षण अवधि : *प्रत्येक पाठ्यचर्या के लिए शिक्षण अवधि 90 घंटे होगी। प्रत्येक कालांश 60 मिनट का होगा।*

सेमेस्टर-I

पाठ्यचर्या-1 : मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति

इकाई-1 : (i) हिंदी ध्वनियाँ और उनका उच्चारण

(ख) स्वर, व्यंजन
(ग) संयुक्त व्यंजन - शब्द स्तर पर
(घ) बलाघात और अनुतान सहित वाक्यों का अभ्यास

(ii) लिपि और वर्तनी

(क) हिंदी वर्णमाला : स्वर वर्ण, व्यंजन वर्ण, आगत वर्ण, मात्राओं का प्रयोग
(ख) संयुक्त वर्ण तथा उनकी रचना
(ग) मानक तथा अन्य वर्तनी
(घ) संख्याएँ - शब्दों में (1 से 100)

अंशवाची (¼ ½ ¾ 1¼ 1½ 1¾ 2½)

क्रमवाची (पहला, दूसरा)

समय सूचक (1 बजा, डेढ़ बजे, 2 बजकर 10 मिनट)

इकाई : 2 शब्द रचना

(i) शब्द निर्मिति
  (क) उपसर्ग, प्रत्यय
  (ख) संधि
  (ग) समास
(ii) शब्द के प्रकार

(क) अर्थ के आधार पर – अनेकार्थी, समानार्थी, विलोमार्थी

(ख) स्रोत के आधार पर – तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी

(iii) पुनरुक्त शब्द

इकाई : 3-4 हिंदी संरचना

(i) संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण की रूपावलियाँ व उनका अभ्यास

(ii) परसर्ग तथा परसर्गीय शब्दावली

(iii) क्रिया के भेद, सभी कालों में उनका प्रयोग व अभ्यास

(iv) संयुक्त क्रिया – (क) मुख्य व सहायक क्रिया का विभिन्न कालों में प्रयोग व अभ्यास

(ख) सहायक क्रिया- लग, चुक, सक तथा डाल, जा, पड़, ले, दे प्रयोग व अभ्यास

(ग) प्रेरणार्थक रूपों का प्रयोग

(v) काल, पक्ष, वृत्ति के संदर्भ में क्रिया रूपावली

(vi) वाच्य के प्रकार व प्रयोग

(vii) क्रिया विशेषण, संबंध बोधक, समुच्चय बोधक तथा विस्मयादि बोधक और निपातों का प्रयोग

(viii) हिंदी में अन्विति तथा शब्दक्रम

(ix) कृदंत (भूतकालिक) – मरा (हुआ)

(वर्तमानकालिक) – मरता (हुआ)

– मरते (हुए)

– मरते-मरते

– मरते ही

(पूर्वकालिक) – कर

– वाला, करने वाला

(x) वाक्य- सरल, संयुक्त, मिश्र

(xi) वाक्य (अर्थ आधारित) निश्चय, निषेध, आज्ञा, प्रश्न आदि।

पाठ्यचर्या-2 : भाषा बोध (Comprehension) और शब्दावली (Vocabulary)

इकाई : 1

दस परिच्छेदों (Paragraphs) का चयन और उनके माध्यम से हिंदी की भाषिक व्यवस्था और भाषा बोध का गहन अभ्यास

इकाई : 2 बातचीत (conversation)

भाषा व्यवहार की आधारभूत जरूरतों और आवश्यक विशेष संदर्भों संबंधी बातचीत जैसे-

(i) सामान्य जानकारी

अभिवादन, समय, तारीख, दिशा, उम्र, घर, परिवार, शहर, मौसम, पसंद आदि के बारे में बातचीत।

(ii) विशेष संदर्भ

बैंक, बाजार, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, कार्यालय, अस्पताल, पर्यटन स्थल आदि संबंधी बातचीत।

(iii) शिष्टाचार/भावों की अभिव्यक्ति
धन्यवाद ज्ञापन, क्षमा याचना, क्रोध, अनुरोध, संतोष, प्रसन्नता आदि संबंधी बातचीत।

(iv) सांस्कृतिक विषयों पर बातचीत
(v) हिंदी मीडिया पर आधारित बातचीत

टिप्पणी- शिक्षकों से अपेक्षा होगी कि वे बातचीत से संबंधित विषय की बीस-तीस शब्दों की सूची शिक्षार्थियों को शिक्षण से पहले उपलब्ध कराएं।

इकाई : 3-4 आधारभूत शब्दावली का विकास

रिश्ते, वस्त्र, आभूषण, रंग, फूल, फल, पशु-पक्षी, जीव-जंतु, पर्व-त्योहार, देवी-देवता, घरेलू सामान, बर्तन, फर्नीचर, व्यवसाय आदि से संबंधित अपरिहार्य शब्दावली (लगभग 800 से 1000) का विकास करने का प्रयत्न।

टिप्पणी- शिक्षकों को अलग-अलग कक्षा में अलग-अलग विषयों की शब्दावली की सूची उपलब्ध कराकर उसे समझाने का प्रयास करना होगा।

सेमेस्टर-II

पाठ्यचर्या-3 : हिंदी भाषा और साहित्य

इकाई : 1 हिंदी भाषा

(i) हिंदी भाषा : नामकरण और क्षेत्र विस्तार, हिंदी प्रदेश
(ii) हिंदी भाषा का विकास
(iii) हिंदी की आधार बोलियाँ : सामान्य परिचय- अवधी, ब्रज, खड़ी बोली, मैथिली, मारवाड़ी, बुंदेली, मालवी, भोजपुरी आदि।
(iv) हिंदी के विविध रूप : राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्कभाषा, विश्वभाषा।
(v) हिंदी की प्रमुख शैलियाँ
(vi) मानक हिंदी

इकाई : 2-3 हिंदी साहित्य की रूपरेखा

(i) **हिंदी साहित्य का आरंभ**
(ii) **हिंदी भक्ति काव्य :** भक्ति और उसके रूप- सगुण और निर्गुण, भक्ति काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ- कबीर, नानक, रैदास, जायसी (पदमावत), सूरदास (सूरसागर), तुलसीदास (रामचरितमानस), मीरांबाई।
(iii) **हिंदी की दरबारी कविता :** बिहारी, भूषण, घनानंद।
(iv) **आधुनिक युग का आरंभ :** परिस्थितियाँ और कारक, प्रमुख विधाओं का परिचय।

(v) **कविता :** प्रमुख कवि और काव्य – मैथिली शरण गुप्त (यशोधरा, साकेत), जयशंकर प्रसाद (कामायनी), सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (राम की शक्तिपूजा), महादेवी वर्मा (यामा, दीपशिखा), हरिवंशराय बच्चन, अज्ञेय (असाध्य वीणा), मुक्तिबोध (चाँद का मुँह टेढ़ा है), नागार्जुन, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय आदि।

(vi) **प्रमुख उपन्यास :** गोदान (प्रेमचंद), शेखर- एक जीवनी (अज्ञेय), बाणभट्ट की आत्मकथा (हजारी प्रसाद द्विवेदी), मैला आँचल (रेणु), झूठासच (यशपाल), समय सरगम (कृष्णा सोबती)।

(vii) **प्रमुख नाटक :** अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा (भारतेंदु हरिश्चंद) चंद्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी (जयशंकर प्रसाद), आषाढ़ का एक दिन, आधे अधूरे (मोहन राकेश) अंधायुग (धर्मवीर भारती)।

(viii) **प्रमुख कहानीकार :** प्रेमचंद, चंद्रधर शर्मा गुलेरी, जयशंकर प्रसाद, अज्ञेय, मोहन राकेश, अमरकांत, निर्मल वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु।

(ix) **प्रमुख आलोचक :** रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, विजयदेव नारायण साही, रामस्वरूप चतुर्वेदी।

(x) **प्रमुख निबंधकार :** बालकृष्ण भट्ट, बालमुकुंद गुप्त, रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ राय।

इकाई : 4 साहित्य

1. कविताएँ :
   - (i) मनुष्यता (मैथिलीशरण गुप्त)
   - (ii) बीती विभावरी जाग री (जयशंकर प्रसाद)
   - (iii) द्रुत झरो (सुमित्रानंदन पंत)
   - (iv) हिरोशिमा (अज्ञेय)
   - (v) जो बीत गई (हरिवंश राय बच्चन)
   - (vi) मेरा जीवन (सुभद्रा कुमारी चौहान)
2. गद्य
   - I. कहानी :
     - (i) पंच परमेश्वर (प्रेमचंद)
     - (ii) पुरस्कार (जयशंकर प्रसाद)
     - (iii) खेल (जैनेंद्र कुमार)
   - II. निबंध :
     - (i) हिंदी की महिमा (महावीरप्रसाद द्विवेदी)
     - (ii) मित्रता (रामचंद्र शुक्ल)
   - III. यात्रावृत्त : एलुरा (अज्ञेय)
   - IV. रेखाचित्र : गिल्लू (महादेवी वर्मा)

टिप्पणी – कविताएँ और गद्य पाठ आवश्यकता के अनुसार बदले जा सकेंगे।

पाठ्यचर्या-4 : भारत परिचय

इकाई : 1 भारत देश : भूगोल और प्रकृति, भौगोलिक और राजनैतिक मानचित्र से परिचय, प्रमुख नगर और पर्यटन स्थल।

इकाई : 2

(i) प्रमुख प्राचीन ग्रंथ – वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, भगवतगीता आदि।
(ii) प्रमुख भारतीय भाषाएँ – संस्कृत, हिंदी, उर्दू, बंगला, उड़िया, मणिपुरी, मराठी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, गुजराती, पंजाबी आदि।
(iii) भारतीय समाज : वर्ण व्यवस्था और जाति व्यवस्था, रहन-सहन, खान-पान, वेश-भूषा।
(iv) धर्म और संस्कार, पर्व और त्योहार, रीति-रिवाज।

इकाई : 3 भारतीय कला

(i) नृत्य – प्रमुख नृत्य शैलियाँ (भरतनाट्यम आदि)
(ii) संगीत – शास्त्रीय और लोक
(iii) चित्रकला – प्रमुख शैलियाँ
(iv) स्थापत्य – प्रमुख शैलियाँ
(v) प्रमुख वाद्य – वीणा, सितार, तबला आदि।

इकाई : 4

(i) प्रमुख आधुनिक चिंतक/विचारक/सुधारक - गांधी, विवेकानंद, अरविंद, अंबेडकर, राममोहन राय, जोतिबा फुले आदि।
(ii) विशिष्ट व्यक्तित्व – रवींद्रनाथ ठाकुर, सी.वी. रमन, होमीजहांगीर भाभा, जगदीश चंद्र बसु, मेजर ध्यानचंद आदि।
(iii) हिंदी सिनेमा (कुछ चयनित फिल्मों का प्रदर्शन और उन पर चर्चा)
(iv) भारतीय राजनीतिक प्रणाली
(v) समसामयिक भारत

संदर्भ-ग्रंथ

1. अग्निहोत्री, रमाकांत. (2013). *हिंदी : एक मौलिक व्याकरण*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
2. अज्ञेय (संपा.). (2010). *भारतीय कला दृष्टि*. नयी दिल्ली: सस्ता साहित्य मंडल.
3. काचरू, यमुना. (1980). *हिंदी का समसामयिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : मैकमिलन.
4. गुरु, कामताप्रसाद. (1997). *हिंदी व्याकरण*. काशी: नागरी प्रचारणी सभा.
5. तिवारी, विश्वनाथप्रसाद (संपा.). (2009). *सहस्राब्दी का महानायक*. नयी दिल्ली: सस्ता साहित्य मंडल.
6. त्रिपाठी, विश्वनाथ. (2007). *हिंदी साहित्य का सरल इतिहास*. नयी दिल्ली: ओरियंट लॉंगमैन.
7. दामोदरन, के. (2001). *भारतीय चिंतन परंपरा*. नयी दिल्ली: पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस.
8. दीमशित्स,जाल्मन. (1983). *हिंदी व्याकरण*. मास्को: रादुगा प्रकाशन.
9. *देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण*. (1983). नयी दिल्ली: केंद्रीय हिंदी निदेशालय.
10. द्विवेदी, हजारीप्रसाद. (1979). *हिंदी साहित्य की भूमिका*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
11. नरवणे, विश्वनाथ. (2003). *आधुनिक भारतीय चिंतन*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
12. भाटिया, कैलाशचंद्र एवं तिवारी, भोलानाथ. (1990). *हिंदी भाषा शिक्षण*. नयी दिल्ली: लिपि प्रकाशन.

13. भाटिया, कैलाशचंद्र. (1999). *मानक हिंदी व्याकरण और रचना*. नयी दिल्ली: एन.सी.ई.आर.टी.
14. *भारत (वार्षिकी)*. (2014). प्रकाशन विभाग, नयी दिल्ली: सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार.
15. मिश्र, विद्यानिवास. (1995). *भारतीय चिंतन परंपरा*. नयी दिल्ली: प्रभात प्रकाशन.
16. मिश्र, विद्यानिवास. (2008). *हिंदी की शब्द-संपदा*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
17. राय, नीहार रंजन. (2009). *भारतीय कला विवेचन की प्रस्तावना*. नयी दिल्ली: ग्रंथशिल्पी प्रकाशन.
18. वर्मा, रामचंद्र. (2005). *अच्छी हिंदी*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
19. वर्मा, विमलेशकांति, (2002). *हिंदी और उसकी उपभाषाएँ*, नयी दिल्ली: प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार.
20. वाजपेयी,किशोरीदास. (1998). *हिंदी शब्दानुशासन*, काशी: नागरी प्रचारणी सभा.
21. *व्यावहारिक-हिंदी संरचना और अभ्यास*. (2010). आगरा: केंद्रीय हिंदी संस्थान.
22. शर्मा, देवेंद्रनाथ. (1987). *राष्ट्रभाषा हिंदी: समस्याएँ और समाधान*, इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
23. शुक्ल, हनुमानप्रसाद. (2012). *हिंदी भाषा : परंपरा और प्रगति*. नयी दिल्ली: प्रकाशन संस्थान.
24. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1992). *भाषा शिक्षण*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
25. सिंह, सूरजभान. (2000). *हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण*. नयी दिल्ली: साहित्य सहकार.
26. सिंह, सूरजभान. (2006). *अंग्रेजी-हिंदी अनुवाद व्याकरण*. नयी दिल्ली: प्रभात प्रकाशन.
27. Freeman, Dian Larsen. (2009). *Techniques and Principles in Language Teaching*. OUP.
28. Johnson, Keith (2008). *An Introduction to Foreign Language Learning & Teaching*. New York : Routledge.
29. Kachru, Yamuna. & Pandey, Rajeshwari Pandhari. (1983). *Intermediate Hindi*. New Delhi: MLBD.
30. Kachru, Yamuna. (1980). *Aspects of Hindi Grammar*. New Delhi: Manohar Publications.
31. Kellog, Samuel H. (2008). *A Grammar of the Hindi Language*. London: Routledge and Kegan Paul.
32. Levy, M. (1997). *Computer Assisted Language Learning: Context and Conceptualization*. Oxford: OUP.
33. McGregor, R.S.. (2010). *Outline of Hindi Grammar*. New Delhi: OUP.
34. Olphen, Van H. (1982). *First Year Hindi Course*, Austin: University of Texas.
35. Richards, J.C. & Rodgers, T.S. (2014). *Approaches and Methods in Language Teaching, 3rd edition.* Cambridge: CUP.
36. Shapiro, Michael C. (2014). *A Primer of Modern Standard Hindi*, Delhi: MLBD.
37. Snell, Rupert & Weigltonor, Simon. (1989). *Complete Hindi*. MCgraw-Hill Company.
38. Stern, H.H. (1983). *Fundamental Concepts in Language Teaching.* OUP.

शब्दकोश

हिंदी

1. नेस्पिटल, हेलमुट. (2008). *हिंदी क्रिया कोश*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
2. प्रसाद, कालिका. सहाय, राजवल्लभ एवं श्रीवास्तव मुकुंदी लाल. (2012). *बृहत् हिंदी कोश*. वाराणसी : ज्ञानमंडल लिमिटेड.
3. वर्मा, धीरेंद्र (संपा.).(1985). *हिंदी साहित्य कोश (भाग-2)*. वाराणसी : ज्ञानमंडल लि.

अंग्रेजी

1. Awasthi, Suresh. (2002). *Chamber's English-Hindi Dictionary*. New Delhi : Allied Publishers Ltd.
2. Bahari, Hardeo. (1989). *Learner's Hindi-English Dictionary*. New Delhi: Rajpal & Sons.
3. Bulke, Father Kamil. (2005). *English-Hindi Dictionary*. Ranchi: S.Chand.
4. Mcgregor, R.S.. (2013).*Oxford Hindi-English Dictionary*. New Delhi: OUP.
5. *Oxford English- English-Hindi Dictionary*. (2012). New Delhi: OUP.
6. *Verma, S.K.*. (2012). *Oxford English- Hindi Dictionary.* New Delhi: OUP.
7. Verma, Vimlesh Kanti.(2010). *Learner's-Hindi-English Dictionary*, New Delhi: Dreamland Pub.
8. Verma,Vimlesh Kanti & Asthana, Sunanda V. (2013). *Learner's-Hindi-EnglishThematic Visual Dictionary*, New Delhi: Sasta Sahitya Mandal.

बी.ए. हिंदी : भाषा, साहित्य और संस्कृति

पाठ्य-योजना

लक्ष्य :

यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो संपूर्ण पाठ्यक्रम के रूप में हिंदी में स्नातक स्तरीय अध्ययन करना चाहते हैं।

पात्रता :

वे विद्यार्थी जिन्होंने भारत या किसी अन्य देश के सक्षम निकाय द्वारा मान्य 10+02 अथवा समकक्ष स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की हो। साथ ही, यह भी आवश्यक है कि प्रवेशार्थी ने कम-से-कम दो सेमेस्टर विधिवत हिंदी का अध्ययन किया हो अथवा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा संचालित हिंदी डिप्लोमा पाठ्यक्रम की पढ़ाई की हो।

पाठ्यांग :

यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा और हिंदी साहित्य के अलावा भारत परिचय का संयुक्त पाठ्यक्रम होगा जिसमें भारत परिचय का संयुक्त पाठ्यक्रम होगा जिसमें भारत परिचय के अंतर्गत भारत का इतिहास, भूगोल, राजनीति, कला, धर्म, दर्शन, समाज और साहित्य से सम्यक् परिचय सम्मिलित होगा; क्योंकि कोई भी भाषा और उसका साहित्य अपने व्यापक परिवेश और उसके साथ अंतर्क्रिया में ही विकसित होता है।

अवधि :

इस पाठ्यक्रम की अवधि तीन अकादमिक सत्रों (वर्ष) की होगी। प्रत्येक अकादमिक सत्र में दो सेमेस्टर होंगे। इस प्रकार, संपूर्ण पाठ्यक्रम छ: सेमेस्टर में संपन्न होगा।

पाठ्यचर्या :

प्रत्येक सेमेस्टर में चार पाठ्यचर्याएँ (Courses) तथा संपूर्ण पाठ्यक्रम में 24 पाठ्यचर्याएँ होंगी।

क्रेडिट :

प्रत्येक पाठ्यचर्या के लिए 4 क्रेडिट (प्रति सेमेस्टर 16 क्रेडिट) तथा संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए 96 क्रेडिट निर्धारित हैं। एक क्रेडिट के लिए शिक्षण अवधि 22½ होगी।

शिक्षण अवधि :

प्रत्येक पाठ्यचर्या के लिए एक सेमेस्टर में निर्धारित समयावधि 90 घंटे होगी। कक्षाध्यापन, प्रायोगिक कार्य, ट्यूटोरियल, सेमिनार, क्षेत्रकार्य, कार्य आदि के लिए शिक्षण अवधि का निर्धारण प्रत्येक पाठ्यचर्या की प्रकृति और अंतर्वस्तु के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकता है जिसके निर्णय का दायित्व संबंधित शिक्षक पर छोड़ा जा सकता है। प्रत्येक कालांश की अवधि 60 मिनट की होगी।

टिप्पणी :

बी.ए. हिंदी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु संयुक्त और संश्लिष्ट है, इसलिए इस पाठ्यक्रम की संदर्भ-सूची प्रत्येक पाठ्यचर्या के लिए अलग-अलग नहीं दी गयी है, उसे भाषा, साहित्य एवं संस्कृति की तीन श्रेणियों में उसे समेकित रूप से ही तैयार किया गया है।

पाठ्यचर्या

सेमेस्टर-I

101- भाषा कौशल और भाषा व्यवहार

102- हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

103- कंप्यूटर और हिंदी

104- भारत परिचय-1

सेमेस्टर-II

201- रचना कौशल

202- हिंदी : विविध रूप और शैलियाँ

203- साहित्य का व्याकरण

204- भारत परिचय-2 (भारतीय धर्म और दर्शन)

सेमेस्टर-III

301- संप्रेषण कौशल

302- हिंदी साहित्य की रूपरेखा

303- हिंदी कहानी

304 -भारत परिचय-3 (भारतीय समाज और जीवन पद्धति)

सेमेस्टर-IV

401- हिंदी मीडिया

402- आधुनिक हिंदी कविता

403- हिंदी निबंध

404- भारत परिचय-4 (समकालीन भारत)

सेमेस्टर-V

501- हिंदी की भाषिक व्यवस्था

502- प्राचीन हिंदी कविता

503 - हिंदी उपन्यास

504- भारत परिचय-5 (भारतीय साहित्य)

सेमेस्टर-VI

601- हिंदी नाटक और रंगमंच

602- हिंदी सिनेमा

603- भारत परिचय-6 (भारतीय कला)

604- परियोजना प्रतिवेदन (Project Report)

सेमेस्टर- I

पाठ्यचर्या-101 : भाषा कौशल और भाषा व्यवहार

1. इसकी कोई नियत पाठ्यवस्तु नहीं होगी। संबंधित शिक्षक से अपेक्षा होगी कि वह भाषा के चारों कौशलों का अभ्यास कराये। विशेषत: श्रवण, उच्चारण, वर्तनी और लेखन के स्तर पर होने वाली त्रुटियों की पहचान और उनके निदान पर ध्यान दिया जाए। इसके लिए 02 क्रेडिट का मान दिया जाए।

2. (क) इसके अलावा जीवन के विविध व्यवहार क्षेत्रों से संबंधित विषयों पर चर्चा की जाए और उनके वर्णन करने की क्षमता के विकास के लिए अभ्यास कराये जाएँ। इस अंश के लिए 02 क्रेडिट का मान दिया जाए।

   (ख) भाषा व्यवहार की दृष्टि से आधारभूत सांस्कृतिक शब्दावली, विभिन्न प्रकार के शब्दों- वर्गों, यथा- पर्याय, विलोम आदि का परिचय और उनके प्रयोग में विवेक करने का अभ्यास कराया जाए। उपर्युक्त शब्द चयन और प्रयोग तथा मुहावरों एवं लोकोक्तियों के प्रयोग को इसके अंतर्गत सम्मिलित किया जाए। सुविधानुसार इनकी संख्या और अभ्यास का निश्चय संबंधित शिक्षक करें।

3. शिक्षण के पारंपरिक साधनों, आडियो-विजुअल और अद्यतन तकनीक का प्रयोग किया जाए।

4. यह पाठ्यक्रम पूर्व में सीखे गये भाषा कौशलों और भाषा व्यवहार का पुनराभ्यास कराने के लिए हैं जिससे उसकी कमियों को सुधारा जा सके तथा शेष पाठ्यक्रम के लिए उसकी भाषायी क्षमता से परिचित हुआ जा सके। इसी कारण इस पाठ्यचर्या की विषयवस्तु निर्धारित (Prescribe) नहीं की गयी है।

पाठ्यचर्या-102 : हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

इकाई-1

I हिंदी भाषा : परिचय और क्षेत्र विस्तार

II हिंदी भाषा : आरंभ और विकास

- (i) अपभ्रंश
- (ii) अवहट्ट और पुरानी हिंदी
- (iii) जनपदीय भाषाएँ (अवधी, ब्रज आदि)
- (iv) दक्खिनी
- (v) हिंदुई- हिंदुस्तानी
- (vi) हिंदी-उर्दू (खड़ी बोली)

इकाई-2

I काव्यभाषा हिंदी

II राष्ट्रभाषा हिंदी

III राजभाषा हिंदी

इकाई-3

देवनागरी लिपि और हिंदी

(i) देवनागरी लिपि का विकास

(ii) विशेषताएँ

(iii) सीमाएँ

(iv) देवनागरी लिपि और हिंदी ध्वनियों का मानकीकरण

इकाई-4

I मानक हिंदी

II हिंदी शब्द भंडार

पाठ्यचर्या-103 : कंप्यूटर और हिंदी

इकाई -1 कंप्यूटर के आधारभूत तत्व

i. कंप्यूटर : परिभाषा और पीढ़ियाँ
ii. हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर
iii. इनपुट, आउटपुट युक्तियाँ
iv. मेमोरी

इकाई - 2 ऑपरेटिंग सिस्टम : एक परिचय

i. ऑपरेटिंग सिस्टम (OS) एक सिस्टम सॉफ्टवेयर
ii. विविध प्रकार
iii. कार्य एवं विशेषताएँ
iv. विंडोज, डॉस (Dos), मैक (Mac) .....आदि

इकाई - 3 अनुप्रयोगात्मक सॉफ्टवेयर

i. विविध कोडिंग सिस्टम एवं फॉन्ट्स
ii. बाइनरी, (ASCII), यूनीकोड
iii. हिंदी टाइपिंग हेतु विभिन्न विधियाँ एवं की-बोर्ड ले आउट
iv. I M E टूल एवं फॉन्ट परिवर्तक

इकाई - 4 वेब पर हिंदी

i. इंटरनेट परिचय
ii. हिंदी ब्लागिंग
iii. हिंदी डोमेन नाम (.भारत) एक परिचय
iv. ई-मेल, सर्च इत्यादि

पाठ्यचर्या-104 : भारत परिचय-1

इकाई-1

भारत का भूगोल

इकाई-2

भारत की प्रमुख भाषाएँ

इकाई-3

भारतीय इतिहास की रूपरेखा

इकाई -4

भारतीय राजनीतिक प्रणाली

सेमेस्टर-II

पाठ्यचर्या-201 : रचना कौशल

इकाई - 1

पत्रलेखन :

i. अनौपचारिक या निजी पत्र;

ii. औपचारिक; यथा - आवेदन पत्र, अनुस्मारक, विज्ञप्ति, ज्ञापन आदि

- पत्र-प्रारूपों का निर्णय आवश्यकतानुसार संबंधित शिक्षक द्वारा किया जाए।

इकाई - 2

i. रिपोर्ट लेखन

ii. फीचर लेखन

इकाई - 3

i. निबंध लेखन

इकाई - 4

i. संक्षेपण

ii. अवबोधन

iii. पल्लवन या विस्तारण

पाठ्यचर्या-202 : हिंदी : विविध रूप और शैलियाँ

इकाई-1

I भाषा की संकल्पना

II भाषा भेद और उसके कारण

III भाषा व्यवहार के प्रमुख स्तर

(i) व्यक्ति बोली (Idiolect)

(ii) बोली (Dialect)

(iii) भाषा (Language)

(iv) भाषाद्वैत (Diglossia)

(v) बहुभाषिकता

इकाई-2

जनपदीय भाषाएँ अथवा हिंदी की बोलियाँ

(i) अवधी

(ii) ब्रज

(iii) खड़ी बोली

(iv) भोजपुरी

(v) मारवाड़ी

(vi) बुंदेली

(vii) मालवी आदि

इकाई-3

I हिंदी की प्रयुक्तियाँ

(i) साहित्यिक

(ii) वैज्ञानिक

(iii) विधिक

(iv) वाणिज्यिक

(v) संचार और विज्ञापन

II हिंदी की शैलियाँ

(i) हिंदी

(ii) उर्दू

(iii) हिंदुस्तानी

इकाई-4

I हिंदी की अंतरप्रांतीय शैलियाँ

(i) बंबइया

(ii) कलकतिया

(iii) मदरासी

II हिंदी की विदेशी शैलियाँ

(i) फिजी हिंदी

(ii) सरनामी हिंदी

(iii) नैताली हिंदी आदि

पाठ्यचर्या-203 : साहित्य का व्याकरण

इकाई-1

I काव्य हेतु

(i) प्रतिभा

(ii) व्युत्पत्ति

(iii) अभ्यास

II काव्य गुण

(i) माधुर्य

(ii) ओज

(iii) प्रसाद

III काव्य दोष

IV शब्द शक्तियाँ

(i) अभिधा

(ii) लक्षणा

(iii) व्यंजना

इकाई-2

I रस

II रस के अवयव

(i) स्थायी भाव

(ii) विभाव

(iii) अनुभाव

(iv) संचारीभाव

III रसों की संख्या

IV रसों की पहचान

V रसास्वाद (रसनिष्पत्ति)

इकाई-3

I अलंकार

II प्रमुख अलंकार और उनकी पहचान

(i) यमक

(ii) श्लेष

(iii) उपमा

(iv) रूपक

(v) उत्प्रेक्षा

(vi) अतिशयोक्ति

(vii) अन्योक्ति

(viii) विभावना

(ix) निदर्शना

(x) विशेषोक्ति

(xi) विरोधाभास

(xii) संदेह

(xiii) भ्रांतिमान

(xiv) मानवीकरण

III प्रतीक

IV बिंब

इकाई-4

I छंद

II छंद भेद

III प्रमुख छंदों की पहचान

(i) दोहा

(ii) सोरठा

(iii) चौपाई

(iv) बरवै

(v) कवित्त

(vi) सवैया

(vii) रोला

(viii) उल्लाला

(ix) कुंडलिया

(x) छप्पय

(xi) हरिगीतिका

IV मुक्त छंद

पाठ्यचर्या-204 : भारत परिचय-2 (भारतीय धर्म और दर्शन)

इकाई-1

I हिंदू धर्म

II विभिन्न भारतीय धार्मिक पंथ

(i) बौद्ध

(ii) जैन

(iii) सिख

इकाई-2

I पारसी

II इस्लाम

III ईसाई

इकाई-3

भारतीय दार्शनिक परंपरा-1

(i) सांख्य

(ii) योग

(iii) न्याय

(iv) वैशेषिक

(v) मीमांसा (पूर्व)

इकाई-4

भारतीय दार्शनिक परंपरा-2

(i) वेदांत (उत्तर मीमांसा)

(ii) बौद्ध

(iii) जैन
(iv) चार्वाक

सेमेस्टर-III

पाठ्यचर्या-301 : संप्रेषण कौशल

इकाई - 1

I. संप्रेषण क्या है
II. संप्रेषण का उद्देश्य
III. संप्रेषण के रूप और प्रकार
IV. संप्रेषण की शैलियाँ
V. प्रभावशाली संप्रेषण के घटक
VI. कुशल संप्रेषण के गुण

इकाई - 2

I. कार्यक्रम-संचालन
   i. साहित्यिक कार्यक्रम
   ii. सांस्कृतिक कार्यक्रम

II. उदघोषणा
   i. स्वागत
   ii. परिचय
   iii. धन्यवाद ज्ञापन
   iv. कमेंटरी

इकाई - 3

i. साक्षात्कार
ii. परिचय
iii. वाद-विवाद

इकाई - 4

i. भाषण
ii. कविता पाठ

टिप्पणी : इस पाठ्यचर्या में सैद्धांतिक जानकारी दी जाए, परंतु बल क्षमता विकास के अभ्यास पर दिया जाए।

पाठ्यचर्या-302 : हिंदी साहित्य की रूपरेखा

इकाई-1

I **हिंदी साहित्य का आरंभ**

II **हिंदी भक्ति काव्य :** भक्ति और उसके रूप- सगुण और निर्गुण, भक्ति काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ- कबीर, रैदास, जायसी (पदमावत), सूरदास (सूरसागर), तुलसीदास (रामचरितमानस), मीरांबाई।

III **हिंदी की दरबारी कविता :** बिहारी, भूषण, घनानंद।

इकाई-2

I **आधुनिक युग का आरंभ :** परिस्थितियाँ और कारक, आधुनिक कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

II **कविता :** प्रमुख कवि और काव्य – मैथिली शरण गुप्त (यशोधरा, साकेत), जयशंकर प्रसाद (कामायनी), सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (राम की शक्तिपूजा), महादेवी वर्मा (यामा, दीपशिखा), हरिवंशराय बच्चन, अज्ञेय (असाध्य वीणा), मुक्तिबोध (चाँद का मुँह टेढ़ा है), नागार्जुन, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय आदि।

इकाई-3

I **प्रमुख उपन्यास :** गोदान (प्रेमचंद), शेखर- एक जीवनी (अज्ञेय), बाणभट्ट की आत्मकथा (हजारी प्रसाद द्विवेदी), मैला आँचल (रेणु), झूठासच (यशपाल), समय सरगम (कृष्णा सोबती)।

II **प्रमुख कहानीकार :** प्रेमचंद, चंद्रधर शर्मा गुलेरी, जयशंकर प्रसाद, अज्ञेय, मोहन राकेश, अमरकांत, निर्मल वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु।

III **प्रमुख नाटक :** अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा (भारतेंदु हरिश्चंद) स्कंदगुप्त, चंद्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी (जयशंकर प्रसाद), आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस, आधे अधूरे (मोहन राकेश) अंधायुग (धर्मवीर भारती)।

इकाई-4

I **प्रमुख आलोचक :** रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, विजयदेव नारायण साही, रामस्वरूप चतुर्वेदी।

II **प्रमुख निबंधकार :** बालकृष्ण भट्ट, बालमुकुंद गुप्त, रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ राय।

III **अन्य विधाओं की प्रमुख कृतियाँ :** जीवनी- आवारा मसीहा (विष्णु प्रभाकर), आत्मकथा- हरिवंशराय बच्चन, रिपोर्ताज- तूफानों के बीच (रांगेय राघव), ऋण जल धन जल (फणीश्वरनाथ रेणु), यात्रावृत्त- घुमक्कड़ शास्त्र (राहुल सांकृत्यायन), अरे यायावर रहेगा याद, एक बूंद सहसा उछली (अज्ञेय), डायरी- धुंध से उठती धुन (निर्मल वर्मा), संस्मरण- पथ के साथी (महादेवी वर्मा), स्मृतिलेखा (अज्ञेय)

IV प्रवासी भारतीयों का हिंदी लेखन

पाठ्यचर्या-303 : हिंदी कहानी

इकाई-1

I कहानी विधा का परिचय

II कहानी अध्ययन की प्रविधि

III हिंदी कहानी का विकास

इकाई-2

I ईदगाह- प्रेमचंद

II मधुआ- जयशंकर प्रसाद

इकाई-3

I रोज (गैंग्रीन)- अज्ञेय

II वापसी- उषा प्रियंवदा

इकाई-4

I पंचलाइट- फणीश्वरनाथ रेणु

II यही सच है- मन्नू भंडारी

पाठ्यचर्या-304 : भारत परिचय-3 (भारतीय समाज और जीवन पद्धति)

इकाई-1

वर्ण व्यवस्था और जाति व्यवस्था

संस्कार

इकाई-2

खान-पान

वेश-भूषा

इकाई-3

रीति-रिवाज

वर्जनाएँ

इकाई-4

पर्व और त्यौहार

मनोरंजन के साधन

सेमेस्टर-IV

पाठ्यचर्या-401 : हिंदी मीडिया

इकाई-1

मीडिया परिचय

मीडिया की आचार संहिता

इकाई-2

प्रिंट मीडिया

संपादकीय लेखन

समाचार लेखन

फीचर लेखन

प्रिंट मीडिया की भाषा

इकाई-3

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

प्रोडक्शन

एडिटिंग

एंकरिंग

साक्षात्कार

विज्ञापन

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भाषा

इकाई-4

न्यू मीडिया : वेब, सोशल नेटवर्किंग और इंटरनेट
साइबर अपराध और कानून

पाठ्यचर्या-402 : आधुनिक हिंदी कविता

इकाई-1

आधुनिक हिंदी कविता : विन्यास और विकास
मुक्तछंद और आधुनिक हिंदी कविता

इकाई-2

मैथिलीशरण गुप्त- यशोधरा का अंश (सखि वे मुझसे कहकर जाते)
प्रसाद- बीती विभावरी जाग री
निराला- तोड़ती पत्थर

इकाई-3

महादेवी- कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो
पंत- आँसू की बालिका
दिनकर- हिमालय

इकाई-4

नागार्जुन- बादल को घिरते देखा है
केदारनाथ अग्रवाल- धूप
अज्ञेय- हिरोशिमा

पाठ्यचर्या-403 : हिंदी निबंध

इकाई-1

निबंध विधा : स्वरूप-विकास
निबंध के प्रकार और शैलियाँ

इकाई-2

करुणा- रामचंद्र शुक्ल
नाखनू क्यों बढ़ते हैं- हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई-3

राष्ट्र का स्वरूप- वासुदेव शरण अग्रवाल
एक यूरोपीय चिंतक से भेंट- अज्ञेय

इकाई-4

हल्दी, दूब, दधि और अच्छत- विद्यानिवास मिश्र
सच बोलना ही कविता है-कुबेरनाथ राय

पाठ्यचर्या-404 : भारत परिचय-4 (समकालीन भारत)

इकाई-1

समकालीन राजनीति

इकाई-2

अर्थव्यवस्था

इकाई-3

शिक्षा और समाज

गांधी चिंतन

इकाई-4

अंतरराष्ट्रीय संबंध

सेमेस्टर-V

पाठ्यचर्या-501 : हिंदी की भाषिक व्यवस्था

इकाई-1

हिंदी की ध्वनि व्यवस्था

(i) खंडीय ध्वनियाँ : स्वर और व्यंजन

(ii) हिंदी स्वरों का वर्गीकरण

(iii) हिंदी व्यंजनों का वर्गीकरण (उच्चारण स्थान एवं उच्चारण प्रयत्न के आधार पर)

(iv) खंडेतर ध्वनियाँ- बलाघात, मात्रा, सुर, अनुनासिकता, संहिता/संगम (Juncture)

(v) संध्यक्षर (Diphthong)

इकाई-2

हिंदी की रूप व्यवस्था

(i) रूप

(ii) संरूप और रूपिम की संकल्पना

(iii) मुक्त और बद्ध रूपिम

(iv) प्रातिपदिक और धातुएँ

इकाई-3

I हिंदी शब्द निर्माण

(i) उपसर्ग

(ii) प्रत्यय

(iii) शब्द वर्ग (Parts of Speech)

(iv) व्याकरणिक कोटियाँ (Grammatical Categories)

(v) क्रिया और कारक

इकाई-4

I हिंदी की वाक्य व्यवस्था

(i) शब्द, पद और पदबंध

(ii) पदबंध संरचना : अंत:केंद्रिक और बाह्य केंद्रिक

(iii) उपवाक्य और उसके प्रकार

(iv) वाक्य और वाक्य के प्रकार

(क) संरचना के आधार पर

(ख) अर्थ के आधार पर

(v) वाक्य रूपांतरण

(क) सरल, मिश्र, संयुक्त

(ख) आज्ञा, निषेध, प्रश्न

(ग) वाच्य

पाठ्यचर्या-502 : प्राचीन हिंदी कविता

इकाई-1

कबीर

सबद- 01, 130, 163, 166

साखी- 1-3, 08, 09, 10, 14, 16, 17, 18,

(हजारी प्रसाद द्विवेदी)

इकाई-2

सूरदास

पद- 4, 5, 7, 13, 14, 18, 19

(सूर सागर सार- सं. धीरेंद्र वर्मा)

इकाई-3

तुलसीदास

धर्मरथ (रामचरितमानस)

विनय पत्रिका- 6, 7, 9, 10

कवितावली- 15-22

इकाई-4

रहीम

दोहे-15, 20, 33, 56, 93, 126, 129, 136, 249, 257

मीरा (दो पद)

देव (एक कवित्त)

घनानंद (दो सवैया)

पाठ्यचर्या-503 : हिंदी उपन्यास

इकाई-1

I उपन्यास विधा का परिचय

II उपन्यास अध्ययन की प्रविधि

III हिंदी उपन्यास का विकास

इकाई-2

रंगभूमि- प्रेमचंद

इकाई-3

त्यागपत्र- जैनेंद्र कुमार

इकाई-4

सूरज का सातवाँ घोड़ा- धर्मवीर भारती

पाठ्यचर्या-504 : भारत परिचय-5 (भारतीय साहित्य)

इकाई-1

वेद

उपनिषद्

ब्राह्मण और आरण्यक

पुराण

इकाई-2

बौद्ध साहित्य

जैन साहित्य

इकाई-3

रामायण

महाभारत

इकाई-4

भारतीय साहित्य की प्रमुख उपलब्धियाँ- मेघदूतम्, रघुवंशम्, अभिज्ञान शाकुंतलम् (कालिदास), मृच्छकटिकम् (शूद्रक), कादंबरी (बाणभट्ट), उत्तररामचरितम् (भवभूति), शिलप्पदिकारम्, मणिमेखलै (तमिल), गीतगोविंदम् (जयदेव), रामचरितमानस (तुलसीदास), गीतांजलि (रवींद्रनाथ ठाकुर), कामायनी (जयशंकर प्रसाद) आदि।

सेमेस्टर-VI

पाठ्यचर्या-601 : हिंदी नाटक और रंगमंच

इकाई-1

नाटक का संविधान

भारतीय नाट्य परंपरा

हिंदी नाटक का विकास

इकाई-2

अंधेर नगरी- भारतेंदु हरिश्चंद्र

(पाठ विश्लेषण और प्रदर्शन)

इकाई-3

ध्रुवस्वामिनी- जयशंकर प्रसाद

(पाठ विश्लेषण और प्रदर्शन)

इकाई-4

उपर्युक्त में से किसी एक नाटक का मंचन

पाठ्यचर्या-602 : हिंदी सिनेमा

इकाई-1

सिने सिद्धांत और फिल्म परिशंसन (Film Appreciation)

इकाई-2

लोकप्रिय सिनेमा और समानांतर सिनेमा

इकाई-3

हिंदी सिनेमा की प्रमुख उपलब्धियाँ

इकाई-4

हिंदी की साहित्यिक कृतियों का सिनेमाई रूपांतरण (किन्हीं दो का अध्ययन)

चित्रलेखा, तीसरी कसम, सूरज का सातवाँ घोड़ा, शतरंज के खिलाड़ी आदि

पाठ्यचर्या-603 : भारत परिचय-6 (भारतीय कला)

इकाई-1

संगीत (शास्त्रीय और लोक)

प्रमुख वाद्य

इकाई-2

नृत्य

इकाई-3

चित्रकला

इकाई-4

मूर्ति

वास्तु

पाठ्यचर्या-604 : परियोजना प्रतिवेदन (Project Report)

संदर्भ-ग्रंथ

भाषा

हिंदी

1. अग्निहोत्री, रमाकांत. (2013). *हिंदी: एक मौलिक व्याकरण*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
2. काचरू, यमुना. (1980). *हिंदी का समसामयिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : मैकमिलन.
3. कालरा, सुधा. (1971). *हिंदी वाक्य विन्यास*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
4. कौशिक, जयनारायण . (2011). *हिंदी शिक्षण* . पंचकूला : हरियाणा साहित्य अकादमी.
5. गुप्ता, मनोरमा. (1991). *भाषा शिक्षण-सिद्धांत और प्रविधि*.आगरा : केंद्रीय हिंदी संस्थान.
6. गुरु, कामता प्रसाद. (1997).*हिंदी व्याकरण*. काशी : नागरी प्रचारिणी सभा.
7. तिवारी, उदयनारायण. (2003). *हिंदी भाषा का उद्गम और विकास*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
8. तिवारी, भोलानाथ. (1979). *हिंदी भाषा की संरचना*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन.

9. तिवारी, भोलानाथ एवं भाटिया, कैलाशचंद्र.(1990). *हिंदी भाषा शिक्षण*. नयी दिल्ली : लिपि प्रकाशन .
10. दांगी, जगदीप सिंह. (2012). हिंदी, देवनागरी लिपि और यूनीकोड. वर्धा : म.गां.अं.हिं.वि.वि.
11. दीमशित्स, जाल्मान. (1983). *हिंदी व्याकरण*. मास्को : रादुगा प्रकाशन .
12. *देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण*.(1983). नयी दिल्ली : केंद्रीय हिंदी निदेशालय .
13. बाहरी, हरदेव. (1998). *हिंदी : उद्भव विकास और रूप*. इलाहाबाद: किताब महल.
14. भाटिया, कैलाशचंद्र एवं सहाय, रमानाथ. (1999).*मानक हिंदी व्याकरण और रचना*. नयी दिल्ली : एन.सी.ई.आर.टी.
15. मल्होत्रा, विजय कुमार. (1996). *कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
16. मिश्र, विद्यानिवास. (2008).*हिंदी की शब्द-संपदा*. नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन .
17. वर्मा, धीरेंद्र. (2002). *हिंदी भाषा का इतिहास*. इलाहाबाद: हिंदुस्तानी एकेडेमी.
18. वर्मा, रामचंद्र. (2005). *अच्छी हिंदी*, इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
19. वर्मा, विमलेशकांति. (2002). *हिंदी और उसकी उपभाषाएँ*. प्रकाशन विभाग, नयी दिल्ली : सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार.
20. वाजपेयी, किशोरीदास. (1998). *हिंदी शब्दानुशासन*. काशी: नागरी प्रचारणी सभा.
21. *व्यावहारिक-हिंदी संरचना और अभ्यास*. (2010). आगरा : केंद्रीय हिंदी संस्थान.
22. शर्मा, देवेंद्रनाथ. (1987). *राष्ट्रभाषा हिंदी: समस्याएँ और समाधान*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन .
23. शुक्ल, हनुमानप्रसाद. (2012). *हिंदी भाषा : परंपरा और प्रगति*. नयी दिल्ली: प्रकाशन संस्थान.
24. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1992). *भाषा शिक्षण*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
25. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1992*). भाषाई अस्मिता और हिंदी*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
26. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1994). *हिंदी भाषा का समाजशास्त्र*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
27. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1995). *हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम*.नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
28. सहाय, चतुर्भुज. (1979). *हिंदी वाक्यसंरचना*. वाराणसी : संजय बुक सेंटर.
29. सिंह, सूरजभान. (2000). *हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण*. दिल्ली : साहित्य सहकार.
30. सिंह, सूरजभान.(2006), *अंग्रेजी-हिंदी अनुवाद व्याकरण*. नयी दिल्ली : प्रभात प्रकाशन .

अंग्रेजी

1. Freeman, Dian Larsen. (2009). *Techniques and Principles in Language Teaching*. OUP.
2. Johnson, K. (2011). *An Introduction to Foreign Language Learning and Teaching*. London: Longman.
3. Johnson, Keith (2008). *An Introduction to Foreign Language Learning & Teaching*. New York : Routledge.
4. Kachru, Yamuna & Pandey, Rajeshwari Pandhari. (1983). *Intermediate Hindi*, New Delhi : MLBD.
5. Kachru, Yamuna. (1980). *Aspects of Hindi Grammar*. New Delhi: Manohar Publications.
6. Kachru, Yamuna. (2006). *Hindi*. Amsterdam: John Benjamin Publishing Company.

7. Kaul, OmkarNath. (2006). *Modern Hindi Grammar*. Springfield, USA: Dunwoody Press.
8. Kellog, Samuel H. (2008). *A Grammar of the Hindi Language*, London: Routledge and Kegan Paul.
9. Larsen-Freeman, D. & Anderson, M. (2011). *Techniques and Principles in Language Teaching,* 3rd edition. Oxford: OUP.
10. Levy, M. (1997). *Computer Assisted Language Learning: Context and Conceptualization*. Oxford: Oxford University Press
11. Mackey, W.F. (1965). *Language Teaching Analysis*. London: Longmans.
12. McGregor, R. S. (1972). *Outline of Hindi Grammar*. Delhi: OUP.
13. Olphen, Van H. (1982). *First Year Hindi Course*. Austin: University of Texas.
14. Richards, J.C. & Rodgers, T.S. (2014). *Approaches and Methods in Language Teaching, 3rd edition.* Cambridge: CUP.
15. Shapiro, Michael C. (2014). *A Primer of Modern Standard Hindi*. Delhi: MLBD.
16. Sharma, Aryendra. (1983). *A Basic Grammar of Modern Hindi*. New Delhi: Central Hindi Directorate.
17. Sinmson, F. (1996). *Language through Literature: An Introduction.* London: Routledge.
18. Snell, Rupert & Weigltonor, Simon. (1989). *Complete Hindi.* MCgraw-Hill Company.
19. Stern, H.H. (1983). *Fundamental Concepts in Language Teaching.* OUP.

साहित्य

हिंदी

1. अंकुर, देवेंद्र राज. (2006). *रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
2. अवस्थी, देवीशंकर. (2008). *नयी कहानी: संदर्भ और प्रकृति*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
3. अवस्थी, सुरेश. (2000). *हे सामाजिक*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
4. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (2003). *भक्ति काव्य यात्रा* . इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1990). *हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
6. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1995). *समकालीन हिंदी साहित्य:विविध परिदृश्य*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
7. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1996). *हिंदी गद्य:विन्यास और विकास*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
8. जैन, अनिल एवं शुक्ल, हनुमानप्रसाद. (सं.) (2009). *हिंदी आलोचना के प्रतिदर्श*. नयी दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस.
9. जैन, नेमिचंद्र. (1993). *रंगदर्शन*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
10. जैन, नेमिचंद्र. (सं.). (1978). *आधुनिक हिंदी नाटक एवं रंगमंच*. नयी दिल्ली: मैकमिलन.
11. जैन, नेमिचंद्र. (1996). *रंग-परंपरा*. नयी दिल्ली :वाणी प्रकाशन.
12. तिवारी, नित्यानंद. (2013). *साहित्य का शास्त्र : आरंभिक परिचय*. नयी दिल्ली : स्वराज प्रकाशन.
13. तिवारी, रामचंद्र.(1992). *हिंदी का गद्य साहित्य*. वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.

14. त्रिपाठी, विश्वनाथ. (1998). *कुछ कहानियाँ, कुछ विचार*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

15. त्रिपाठी, विश्वनाथ.(2007). *हिंदी साहित्य का सरल इतिहास*, नयी दिल्ली : ओरियंट लाँगमैन.

16. द्विवेदी, हजारीप्रसाद . (2002*). साहित्य सहचर*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.

17. द्विवेदी, हजारीप्रसाद. (1979). *हिंदी साहित्य की भूमिका*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

18. द्विवेदी, हजारीप्रसाद. (1989). *सूर साहित्य*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

19. द्विवेदी, हजारीप्रसाद. (2008). *कबीर*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

20. नगेंद्र. (सं.) (2009). *भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास*. दिल्ली : हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय.

21. विंटरनित्ज़्. (1988). *भारतीय साहित्य का इतिहास*. नयी दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास.

22. पांडेय, मैनेजर. (1993). *भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.

23. फाक्स, रॉल्फ. (1980). *उपन्यास और लोकजीवन*. नयी दिल्ली: पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस.

24. माचवे, प्रभाकर. (अनु.) (2005). *आज का भारतीय साहित्य*. नयी दिल्ली: साहित्य अकादेमी.

25. माथुर, जगदीशचंद्र. (1969). *परंपराशील नाट्य*. पटना : बिहार राष्ट्रभाषा परिषद.

26. मिश्र, शिवकुमार. (1992). *प्रेमचंद: विरासत का सवाल*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.

27. मैथ्यूज, ब्रैंडर. (1964). *नाटक साहित्य का अध्ययन*. नयी दिल्ली : आत्माराम एंड संस.

28. रस्तोगी, गिरीश. (2006). *बीसवीं शताब्दी का हिंदी नाटक और रंगमंच*. नयी दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ.

29. लाल, लक्ष्मीनारायण. (1972). *पारसी हिंदी रंगमंच*. दिल्ली : राजपाल एंड संस.

30. लूकाच, जार्ज. (1981).*उपन्यास का सिद्धांत*. नयी दिल्ली: मैकमिलन

31. वाजपेयी, नंददुलारे. (2013).*हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास*. नयी दिल्ली : स्वराज प्रकाशन.

32. वाजपेयी, नंददुलारे. (1993). *महाकवि सूरदास*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

33. वाजपेयी, नंददुलारे. (2003). *आधुनिक साहित्य*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

34. वाजपेयी, नंददुलारे. (2004). *नया साहित्य: नये प्रश्न*. नयी दिल्ली: स्वराज प्रकाशन.

35. वाट, आयन. (1990). *उपन्यास का उदय*. चंडीगढ़: हरियाणा साहित्य अकादमी.

36. वात्स्यायन, कपिला. (1995). *पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएँ*. नयी दिल्ली : नेशनल बुक ट्रस्ट .

37. शर्मा, देवेंद्रनाथ . (2013).*काव्य के तत्व*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.

38. शर्मा, रामविलास . (1998). *भारतीय साहित्य की भूमिका*. नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.

39. शर्मा, रामविलास . (2002). *भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ* . नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन.

40. शर्मा, रामविलास. (1993). *प्रेमचंद और उनका युग*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

41. शुक्ल, रामचंद्र. (1990). *हिंदी साहित्य का इतिहास*. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा.

42. शुक्ल, रामचंद्र. (1996). *गोस्वामी तुलसीदास*. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा.

43. शुक्ल, रामचंद्र. (1997). *सूरदास*. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा.

44. शुक्ल, रामचंद्र. (सं.). (1984). *जायसी ग्रंथावली*. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा.

45. शुक्ल, हनुमानप्रसाद. (2004). *कविता की पहचान*. नयी दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस.

46. साही, विजयदेवनारायण. (1983). *जायसी*. इलाहाबाद. हिंदुस्तानी एकेडेमी.

47. साही, विजयदेवनारायण. (1987). *छठवाँ दशक*. इलाहाबाद: हिंदुस्तानी एकेडेमी.

48. सिंह, नामवर.(1990). *कविता के नये प्रतिमान*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

49. सिंह, नामवर.(2002). *कहानीः नयी कहानी*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.

50. सिंह, बच्चन. (1989). *हिंदी नाटक*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.

51. सिंह, मुरली मनोहर प्रसाद एवं अवस्थी, रेखा. (2006). *प्रेमचंद: विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

अंग्रेजी

1. Das, S.K. (2008). *A History of Indian Literature (1800-1910)*. New Delhi: Sahitya Akademi.
2. Das, S.K. (2010). *A History of Indian Literature (1911- 1956)*. New Delhi: Sahitya Akademi.

संस्कृति

हिंदी

1. अग्रवाल, वासुदेवशरण. (1987). *भारतीय कला*. वाराणसी : पृथ्वी प्रकाशन.
2. अज्ञेय (संपा.). (2010). *भारतीय कला दृष्टि*, नयी दिल्ली : सस्ता साहित्य मंडल.
3. अज्ञेय, सच्चिदानंद ही. वात्स्यायन. (2010). *साहित्य, संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया*. नयी दिल्ली: सस्ता साहित्य मंडल.
4. अशरफ, के.एम. (2006). *हिंदुस्तान के निवासियों का जीवन और उनकी परिस्थितियाँ*. नयी दिल्ली: हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वाविद्यालय.
5. उपाध्याय, भगवतशरण. (2007).*भारतीय कला की भूमिका*. नयी दिल्ली : पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस.
6. कपाडिया, के.एम. (2008). *भारत वर्ष में विवाह और परिवार*. नयी दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास.
7. कश्यप, सुभाष. (2004). *हमारा संविधान*. नयी दिल्ली : नेशनल बुक ट्रस्ट.
8. कोठारी, रजनी. (2007). *भारत में राजनीति*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
9. खिलनानी, सुनील. (2000). *भारतनामा*. नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.
10. चंद्र, बिपिन. त्रिपाठी एवं अमलेश. दे, बरुन. (1994). *स्वतंत्रता संग्राम* . नयी दिल्ली : नेशनल बुक ट्रस्ट.
11. चट्टोपाध्याय, देवीप्रसाद. (2004). *भारतीय दर्शन: सरल परिचय*. नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.
12. चट्टोपाध्याय, देवीप्रसाद. (2005). *लोकायत*. नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.
13. जोशी, पूरनचंद्र (1987).*परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
14. तिवारी, विश्वनाथप्रसाद. (सं.). (2009). *सहस्राब्दी का महानायक*. नयी दिल्ली : सस्ता सहित्या मंडल.
15. दामोदरन, के. (2001). *भारतीय चिंतन परंपरा*. नयी दिल्ली: पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस.

16. दुबे, श्यामाचरण . (2007). *भारतीय समाज* . नयी दिल्ली: नेशनल बुक ट्रस्ट.

17. दुबे, श्यामाचरण. (2000). *भारतीय ग्राम* .नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.

18. दुबे, श्यामाचरण. (2008). *परंपरा, इतिहास और संस्कृति*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.

19. देसाई, ए.आर. (2002).*भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि*. नयी दिल्ली: मैकमिलन.

20. द्विवेदी, हजारीप्रसाद . (1984). *प्राचीन भारत के कलात्मक विनोद*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

21. नरवणे, विश्वनाथ. (2003). *आधुनिक भारतीय चिंतन*. नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.

22. पचौरी, सुधीश. (1994). *दूरदर्शन : दशा और दिशा.* नयी दिल्ली : प्रकाशन विभाग भारत सरकार.

23. बाशम, ए.एल. (1991). *अद्भुत भारत* . आगरा : शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी.

24. भट्ट, गौरीशंकर. (1979).*भारतीय सामाजिक विचार*. लखनऊ : एथनोग्राफिक एंड फोक कल्चर सोसायटी.

25. *भारत (वार्षिकी)*. (2014). प्रकाशन विभाग, नयी दिल्ली: सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार.

26. *भारत का संविधान* . (2010). नयी दिल्ली : विधि एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार.

27. मजुमदार, रमेशचंद्र. (2002). *प्राचीन भारत*. नयी दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास.

28. मजुमदार, रमेशचंद्र. (प्र.सं.). (1984). *श्रेण्य युग*. नयी दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास.

29. मनोरमा, मलायला. (सं.) (2014). *मनोरमा* वार्षिकांक. मनोरमा कंपनी लिमिटेड.

30. मिश्र, कृष्ण बिहारी. (2004). *हिंदी पत्रकारिता*. नयी दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ.

31. मिश्र, विद्यानिवास. (1995). *भारतीय चिंतन परंपरा*, नयी दिल्ली : प्रभात प्रकाशन.

32. मिश्र, विद्यानिवास. (1991). *हिंदू धर्म: जीवन में सनातन की खोज*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.

33. राजवाड़े, काशीनाथ विश्वनाथ. (2008). *भारतीय विवाह संस्था का इतिहास*. नयी दिल्ली: पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस.

34. राधाकृष्णन, एस. (2009). *भारतीय दर्शन (दो भाग)*. दिल्ली: राजपाल एंड संस.

35. राधाकृष्णन, डॉ.एस.(1981). *पूर्व और पश्चिम -कुछ विचार*. दिल्ली: राजपाल एंड संस.

36. राय, नीहार रंजन, (2009), *भारतीय कला विवेचन की प्रस्तावना*, नयी दिल्ली: ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन.

37. लोहिया, राममनोहर. (2007). *भारतमाता : धरतीमाता*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.

38. वर्मा, हरीशचंद्र. (2013). *मध्यकालीन भारत (दो भाग)*. नयी दिल्ली: हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय.

39. वात्स्यायन, कपिला. (सं.) (2012). *वासुदेवशरण अग्रवाल रचना-संचयन (हिंदी खंड)*. नयी दिल्ली : साहित्य अकादेमी.

40. वैदिक, वेद प्रताप.(1976). *हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम*. दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस.

41. शर्मा, के.एल. (2001). *भारतीय समाज.* नयी दिल्ली : एन.सी.ई.आर.टी.

42. शर्मा, रामविलास. (2001). *भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश (दो भाग)*. नयी दिल्ली : किताबघर.

43. श्रीअरविंद. (2002). *भारतीय संस्कृति के मूल आधार*. पांडिचेरी: श्रीअरविंद आश्रम.

44. श्रीनिवास, एम.एन. (1991). *आधुनिक भारत के सामाजिक परिवर्तन*. नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.

45. सिंह, भगवान. (1987). *हड़प्पा सभ्यता और वैदिक संस्कृति*. नयी दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन.

46. सिंह, भगवान. (2012). *भारतीय सभ्यता की निर्मिति*. इलाहाबाद : इतिहासबोध.

47. सुंदरम, के.पी.एम. एवं दत्त, आर. (2012). *भारतीय अर्थव्यवस्था*. रांची : एस. चंद ग्रुप.

48. सुंदरलाल. (2000). *भारत में अंग्रेजी राज (दो भाग)*. नयी दिल्ली: प्रकाशन विभाग, भारत सरकार.

49. हिरियन्ना, एम. (2006). *भारतीय दर्शन की रूपरेखा*. नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.

अंग्रेजी

1. Basu, D.D.. (2011). *Introduction to the Constitution of India.* New Delhi : Lexis Nexis.
2. *The Gazetteer of India, (History & Culture. Vol-2)* (2003). New Delhi : Publication division India.
3. Williams,Raymond.(1974).*Television*. London : Fontana.

कोश

हिंदी

1. नेस्पिटल, हेलमुट. (2008).*हिंदी क्रिया कोश*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
2. प्रसाद, कालिका, सहाय, राजवल्लभ एवं श्रीवास्तव, मुकुंदी लाल. (2012). *बृहत् हिंदी कोश*, वाराणसी : ज्ञानमंडल लिमिटेड.
3. वर्मा, धीरेंद्र (संपा.).(1985). *हिंदी साहित्य कोश (भाग-2)*. वाराणसी : ज्ञानमंडल लिमिटेड.

अंग्रेजी

1. Awasthi, Suresh. (2002). *Chamber's English-Hindi Dictionary*. New Delhi : Allied Publishers Ltd.
2. Bahari, Hardeo. (1989). *Learner's Hindi-English Dictionary*. New Delhi: Rajpal & Sons.
3. Bulke, Father Kamil. (2005). *English-Hindi Dictionary*. Ranchi: S.Chand.
4. Mcgregor, R.S.. (2013).*Oxford Hindi-English Dictionary*. New Delhi: OUP.
5. *Oxford English- English-Hindi Dictionary*. (2012). New Delhi: OUP.
6. *Verma, S.K.*. (2012). *Oxford English- Hindi Dictionary.* New Delhi: OUP.
7. Verma, Vimlesh Kanti.(2010). *Learner's-Hindi-English Dictionary*, New Delhi: Dreamland Pub.
8. Verma,Vimlesh Kanti & Asthana, Sunanda V. (2013). *Learner's-Hindi-EnglishThematic Visual Dictionary*, New Delhi: Sasta Sahitya Mandal.

एम.ए. हिंदी

पाठ्य-योजना

लक्ष्य : यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो हिंदी भाषा अथवा साहित्य में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त कर उच्चतर अध्ययन/शोध में प्रवृत्त होना चाहते हैं।

पात्रता : वे विद्यार्थी जिन्होंने भारत या किसी विदेशी विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3) या समकक्ष स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की हो और स्नातक स्तर पर एक विषय के रूप में हिंदी का अध्ययन किया हो, अथवा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित बी.ए. हिंदी : भाषा, साहित्य और संस्कृति पाठ्यक्रम 50% अथवा समकक्ष सी.जी.पी.ए. (CGPA) स्कोर के साथ पूरा किया हो।

पाठ्यांग : एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम में तीन सेमेस्टर भाषा और साहित्य संबंधी अनिवार्य पाठ्यचर्चाएँ होंगी और चौथे सेमेस्टर में भाषा और साहित्य संबंधी विशेष अध्ययन के दो विकल्प होंगे। चारों सेमेस्टर की यह पाठ्ययोजना विभिन्न विश्वविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों को ध्यान में रखकर की गयी है। भविष्य में भाषा और साहित्य के पूर्णतः दो स्वतंत्र पाठ्यक्रम तैयार किये जाने पर विचार किया जा सकता है।

अवधि : एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम की अवधि दो अकादमिक सत्र (वर्ष) होगी। प्रत्येक अकादमिक सत्र में दो सेमेस्टर होंगे। इस प्रकार, संपूर्ण पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर में संपन्न होगा।

पाठ्यचर्चा : प्रत्येक सेमेस्टर में चार (4) पाठ्यचर्चाएं होंगी तथा संपूर्ण पाठ्यक्रम में 16 पाठ्यचर्चाएँ होंगी।

क्रेडिट : प्रत्येक पाठ्यचर्चा के लिए 4 क्रेडिट (प्रति सेमेस्टर 16 क्रेडिट) तथा संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए 64 क्रेडिट निर्धारित हैं। एक क्रेडिट के लिए शिक्षण अवधि 22 घंटे 30 मिनट होगी।

शिक्षण अवधि : प्रत्येक पाठ्यचर्चा के लिए एक सेमेस्टर में निर्धारित समयावधि 90 घंटे होगी। कक्षाध्यापन, प्रायोगिक कार्य, ट्यूटोरियल, सेमिनार, क्षेत्रकार्य आदि के लिए शिक्षण अवधि का निर्धारण प्रत्येक पाठ्यचर्या की प्रकृति और अंतर्वस्तु के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकता है। प्रत्येक कालांश की अवधि 90 मिनट की है।

पाठ्यचर्या

सेमेस्टर-I

101. हिंदी साहित्य का इतिहास	- 04 क्रेडिट
102. आधुनिक हिंदी कविता	- 04 क्रेडिट
103. हिंदी भाषा: ऐतिहासिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य	- 04 क्रेडिट
104. हिंदी नाटक और निबंध	- 04 क्रेडिट

सेमेस्टर-II

201. साहित्य चिंतन की भारतीय परंपरा	- 04 क्रेडिट
202. प्राचीन हिंदी कविता	- 04 क्रेडिट
203. भाषाविज्ञान	- 04 क्रेडिट
204. हिंदी उपन्यास और कहानी	- 04 क्रेडिट

सेमेस्टर-III

301. साहित्य चिंतन की पाश्चात्य परंपरा	- 04 क्रेडिट
302. हिंदी आलोचना और साहित्यिक परिशंसन	- 04 क्रेडिट
303. हिंदी भाषा संरचना	- 04 क्रेडिट
304. आधुनिक भारतीय साहित्य	- 04 क्रेडिट

सेमेस्टर-IV

समूह (क) भाषा

401. (क) शैलीविज्ञान	- 04 क्रेडिट
402. (क) भाषा शिक्षण	- 04 क्रेडिट
403. (क) अनुवाद	- 04 क्रेडिट
404. (क) शोध-निबंध	- 04(03+01)क्रेडिट

समूह (ख) साहित्य

401.(ख) दर्शन और विचारधारा	- 04 क्रेडिट
402.(ख) साहित्य का समाजशास्त्र	- 04 क्रेडिट
403.(ख) विशेष अध्ययन - तुलसीदास/जयशंकर प्रसाद/ प्रेमचंद/रवींद्रनाथ ठाकुर	- 04 क्रेडिट
404.(ख) शोध-निबंध	- 04 (03+01) क्रेडिट

सेमेस्टर-I

पाठ्यचर्या-101 : हिंदी साहित्य का इतिहास

इकाई-01

हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा।

हिंदी साहित्य का इतिहासः काल-विभाजन और नामकरण।

आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ प्रमुख प्रवृत्तियाँ और काव्य भाषा।

इकाई-02

भक्ति आंदोलन उदय के कारण, अखिल भारतीय प्रसार और अंतः प्रादेशिक वैशिष्ट्य।

संत काव्यः वैचारिक आधार, काव्यगत विशेषताएँ और प्रमुख कविः कबीर, दादू, रैदास।

सूफी काव्यः वैचारिक आधार, सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप, काव्य-रूढ़ियाँ और प्रमुख कविः मुल्ला दाऊद, जायसी।

सगुणभक्ति के दार्शनिक आधार और विविध संप्रदाय, मधुरोपासना।

हिंदी के प्रमुख कृष्ण भक्त कविः सूरदास, मीरां, रसखान।

रामभक्तिकाव्य और तुलसीदास।

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कविः केशव, बिहारी, घनानंद।

इकाई-03

आधुनिक युग और हिंदी नवजागरण।

भारतेंदु और उनका मंडल, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग।

राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा और प्रमुख कवि।

छायावादः प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी।

प्रगतिवादः नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल।

प्रयोगवाद और नयी कविताः अज्ञेय, मुक्तिबोध, शमशेर, भवानीप्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय और कुंवर नारायण।

साठोत्तर आंदोलन और समकालीन कविता।

इकाई-04

हिंदी में गद्य विधाओं का आरंभ और विकासः नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध, आलोचना, यात्रावृत्त, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी, रिपोर्ताज़ और डायरी।

हिंदी की प्रमुख साहित्यिक संस्थाएँ तथा पत्र-पत्रिकाएँ।

अहिंदी भाषी हिंदी लेखन।

प्रवासी भारतवंशियों का हिंदी लेखन।

संदर्भ-ग्रंथ

1. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1990). *हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
2. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1995). *समकालीन हिंदी साहित्य:विविध परिदृश्य.* नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
3. तिवारी, रामचंद्र. (1992). *हिंदी का गद्य साहित्य*. वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.

4. त्रिपाठी, विश्वनाथ. (1992). *हिंदी आलोचना*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
5. द्विवेदी, हजारीप्रसाद. (1979). *हिंदी साहित्य की भूमिका*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन
6. द्विवेदी, हजारीप्रसाद. (1980). *हिंदी साहित्य का आदिकाल*. पटना: बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्.
7. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद. (2006). *हिंदी साहित्य का अतीत (दो खंड)*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
8. वर्मा, धीरेंद्र. (सं.) (1959). *हिंदी साहित्य*. प्रयाग: भारतीय हिंदी परिषद्.
9. वर्मा, रामकुमार. (2007). *हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
10. शुक्ल, रामचंद्र. (1990). *हिंदी साहित्य का इतिहास*. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा.

पाठ्यचर्या-102 : आधुनिक हिंदी कविता

इकाई-01

जयशंकर प्रसाद : कामायनी

पाठ्यांश: श्रद्धा सर्ग

इकाई-02

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : अनामिका (राम की शक्ति पूजा)

पाठ्यांश: राम की शक्ति पूजा

इकाई-03

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' : आँगन के पार द्वार (असाध्य वीणा)

पाठ्यांश: असाध्य वीणा

इकाई-04

गजानन माधव 'मुक्तिबोध' : चाँद का मुँह टेढ़ा है (ब्रह्मराक्षस)

पाठ्यांश: ब्रह्मराक्षस

संदर्भ-ग्रंथ

1. चक्रधर, अशोक. (1998). *मुक्तिबोध की कविताई*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
2. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1968). *अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या*. नयी दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ.
3. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1970). *कामायनी का पुनर्मूल्यांकन*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
4. नगेंद्र. (2003). *कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ*. नयी दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस.
5. मिश्र, विद्यानिवास. (1973). *रीति विज्ञान*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
6. मुक्तिबोध, गजाननमाधव. (2012). *कामायनी: एक पुनर्विचार*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
7. मोहन, नरेंद्र. (सं.). (1977). *लंबी कविताओं का रचना-विधान*. नयी दिल्ली: मैकमिलन.
8. वाजपेयी, नंददुलारे. (1979). *कवि निराला*. नयी दिल्ली: मैकमिलन.
9. वाजपेयी, नंददुलारे. (2005). *जयशंकर प्रसाद*. जबलपुर: कमल प्रकाशन.
10. शर्मा, रामविलास. (1990). *निराला की साहित्य साधना (भाग -2)*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन
11. शाह, रमेशचंद्र. (1995). *अज्ञेयः वागर्थ का वैभव*. नयी दिल्ली: प्रभात प्रकाशन.
12. शुक्ल, वागीश. (2002). *छंद छंद पर कुंकुम*. नयी दिल्ली: प्रभात प्रकाशन.
13. श्रोत्रिय, प्रभाकर. (2004). *जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता*. नयी दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ.
14. साही, विजयदेवनारायण. (1987). *छठवाँ दशक*. इलाहाबाद: हिंदुस्तानी एकेडेमी.

पाठ्यचर्या-103 : हिंदी भाषा: ऐतिहासिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य

इकाई 01 : हिंदी का आरंभ और विकास

I. भारतीय भाषा परंपरा और हिंदी
II. हिंदी भाषा का विकास क्रम
  i. अपभ्रंश
  ii. अवहट्ट और पुरानी हिंदी
  iii. जनपदीय भाषाएँ
  iv. दक्खिनी
  v. हिंदुई-हिंदुस्तानी
  vi. हिंदी-उर्दू (खड़ी बोली)
III. काव्यभाषा हिंदी का विकास
IV. हिंदी का व्याकरणिक विकास
  i. ध्वनियों का विकास
  ii. व्याकरणिक रूपों का विकास

इकाई 02 : आधुनिक भारत में हिंदी का विकास

i. स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी का विकास
ii. आधुनिक भारत में भाषा की समस्या और औपनिवेशिक रणनीति
iii. हिंदी भाषा का मानकीकरण और मानक हिंदी
iv. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण
v. संचार भाषा के रूप में हिंदी : फ़िल्म, मीडिया और विज्ञापन
vi. प्रौद्योगिकी की भाषा के रूप में हिंदी

इकाई 03 : हिंदी भाषा का सामाजिक परिप्रेक्ष्य

i. भाषा समुदाय और हिंदी
ii. द्विभाषिकता और बहुभाषिकता
iii. जनपदीय भाषाएँ और हिंदी
iv. भारतीय बहुभाषिक परिवेश और हिंदीभाषी समाज
v. वैश्वीकरण का परिप्रेक्ष्य और हिंदी
vi. भाषायी और सामाजिक अस्मिता तथा हिंदी
vii. भाषा संपर्क और हिंदी : पिजिन और क्रियोल
viii. हिंदी की प्रमुख सामाजिक शैलियाँ

इकाई 04 : भारत में भाषा नियोजन और हिंदी

i. स्वाधीन भारत में भाषा नियोजन
ii. राजभाषा हिंदी: संवैधानिक प्रावधान
iii. राजभाषा अधिनियम 1963 और 1967
iv. 1968 का संसदीय संकल्प
v. 1976 का राजभाषा नियम
vi. राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास
vii. हिंदी के विकास में प्रमुख अवरोध

संदर्भ-ग्रंथ

1. तिवारी, उदयनारायण.(2003). *हिंदी भाषा का उद्गम और विकास*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
2. बाहरी, हरदेव. (1998). *हिंदी उद्भव : विकास और रूप*. इलाहाबाद: किताब महल.
3. वर्मा, धीरेंद्र. (2002). *हिंदी भाषा का इतिहास*. इलाहाबाद: हिंदुस्तानी एकेडेमी.
4. शुक्ल, हनुमानप्रसाद. (2012). *हिंदी भाषा : परंपरा और प्रगति*. नयी दिल्ली: प्रकाशन संस्थान.
5. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ एवं सहाय, रमानाथ. (स) (1990). *हिंदी का सामाजिक संदर्भ*. आगरा: केंद्रीय हिंदी संस्थान.
6. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1992). *भाषाई अस्मिता और हिंदी*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
7. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1994). *हिंदी भाषा का समाजशास्त्र*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
8. हुसैन, एहतेशाम. (2002). *उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
9. Hudson, R.A. (1996). *Sociolinguistics*. Cambridge: CUP.
10. Hymes, D. (1971). *Pidginization and Creolization of Languages*. Cambridge: CUP.
11. Pride, J.B., & Holmer, J. (1972). *Socilinguistics*. Middlesex: Penguin.
12. Trudgill, P. (1995). *Socilinguistics: An Introduction to Language and Society*. London: Penguin.
13. Wardhaugh, R. (2002). *An Introduction to Sociolinguistics*. Oxford: Blackwell.

पाठ्यचर्या-104 : हिंदी नाटक और निबंध

इकाई-01

जयशंकर प्रसाद : स्कंदगुप्त

इकाई-02

मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन

इकाई-03

रामचंद्र शुक्ल : कविता क्या है ('चिंतामणि -1' से)
हजारी प्रसाद द्विवेदी : अशोक के फूल ('अशोक के फूल' से)

इकाई-04

महादेवी वर्मा : जीने की कला ('श्रृंखला की कड़ियाँ' से)
सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय' : सौंदर्यबोध और शिवत्वबोध ('सर्जना और संदर्भ' से)
विद्यानिवास मिश्र : परंपरा बंधन नहीं ('परंपरा बंधन नहीं' से)
कुबेरनाथ राय : भाखा बहता नीर ('दृष्टि अभिसार' से)

संदर्भ-ग्रंथ

1. अंकुर, देवेंद्र राज. (2006). *रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
2. अवस्थी, सुरेश. (2000). *हे सामाजिक*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
3. कुमार, सिद्धनाथ. (1978). *प्रसाद के नाटक*. पटना: अनुपम प्रकाशन.
4. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1996). *हिंदी गद्यःविन्यास और विकास*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (2001). *रामचंद्र शुक्ल-आलोचना का अर्थः अर्थ की आलोचना*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
6. जैन, नेमिचंद्र. (1993). *रंगदर्शन*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.

7. जैन, नेमिचंद्र. (सं.). (1978). *आधुनिक हिंदी नाटक एवं रंगमंच*. नयी दिल्ली: मैकमिलन.
8. रस्तोगी, गिरीश. (2006). *बीसवीं शताब्दी का हिंदी नाटक और रंगमंच*. नयी दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ.
9. सिंह, बच्चन. (1989). *हिंदी नाटक*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
10. सिंह, शिव प्रसाद (सं.).(2012). *शांतिनिकेतन से शिवालिक तक*. नयी दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ.

सेमेस्टर-II

पाठ्यचर्या-201 : साहित्य चिंतन की भारतीय परंपरा

इकाई-01

i. भारतीय साहित्य-चिंतन-परंपरा का ऐतिहासिक विकास
ii. काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य लक्षण तथा कवि समय

इकाई-02

प्रमुख प्रस्थान
i. अलंकार
ii. रीति
iii. ध्वनि
iv. वक्रोक्ति

इकाई-03

v. रस
vi. औचित्य
vii. विविध प्रस्थानों में अंतस्संबंध

इकाई-04

आधुनिक हिंदी साहित्य चिंतन: भारतेंदु, प्रेमचंद, प्रसाद, निराला, रामचंद्र शुक्ल , अज्ञेय, मुक्तिबोध.

संदर्भ-ग्रंथ

1. अज्ञेय, सच्चिदानंद ही. वात्स्यायन. (1983). *कविदृष्टि*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
2. उपाध्याय, बलदेव. (1963). *भारतीय साहित्यशास्त्र -एक*. वाराणसी: प्रसाद परिषद्.
3. उपाध्याय, बलदेव. (1965). *भारतीय साहित्यशास्त्र-दो*. वाराणसी: प्रसाद परिषद्.
4. केलकर, अशोक रा. (1994). *प्राचीन भारतीय साहित्य मीमांसा- एक आकलन*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
5. चौधरी, सत्यदेव (2007). *भारतीय काव्यशास्त्र*. नयी दिल्ली: अलंकार प्रकाशन.
6. डे., एस.के. (1988). *संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास (दो भाग)*. पटना: बिहार राष्ट्रभाषा परिषद.
7. त्रिपाठी, राधावल्लभ. (2007). *भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परंपरा*. वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.
8. त्रिपाठी, राममूर्ति (2001). *भारतीय काव्य विमर्श*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
9. देशपांडे, गणेश त्र्यंबक. (1961). *भारतीय साहित्यशास्त्र*. मुंबई: पापुलर बुक डिपो.
10. निराला, सूर्यकांत त्रिपाठी. (2012). *परिमल*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
11. प्रसाद, जयशंकर. (2007). *काव्य, कला तथा अन्य निबंध*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
12. प्रेमचंद. (1998). *कुछ विचार*. इलाहाबाद: हंस प्रकाशन.
13. बारलिंगे, सुरेंद्र एस. (2007). *भारतीय सौंदर्य सिद्धांत की नयी परिभाषा*. नयी दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ.
14. मिश्र, विद्यानिवास. (1994). *सहृदय*. नयी दिल्ली: साहित्य अकादेमी.
15. मुक्तिबोध, गजानन मा. (1989). *एक साहित्यिक की डायरी*. नयी दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ.

16. राघवन, वी. (2007). *रसों की संख्या*. वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.
17. शुक्ल, रामचंद्र. (1994). *चिंतामणि - 1*. प्रयाग: इंडियन प्रेस.
18. शुक्ल, रामचंद्र. (1982). *रसमीमांसा*. काशी : नागरी प्रचारिणी सभा.
19. सिंह, उदयभानु (सं.). (2005). *भारतीय काव्यशास्त्र*.नयी दिल्ली: राजेश प्रकाशन.
20. हरिश्चंद्र, भारतेंदु. (1987). *भारतेंदु समग्र*. वाराणसी: हिंदी प्रचारक संस्थान.
21. Kapoor, Kapil. (2005). Literary Criticism : Indian Conceptual Framework. New Delhi : D.K. Printers.
22. Pandey, K.C. (1959). *Comparative Aesthetics- Vol. I.* Varanasi: Chowkhamba.

पाठ्यचर्या-202 : प्राचीन हिंदी कविता

इकाई-01

i. कबीर- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : (पद संख्या- 163, 166, 168, 175, 190, 191, 199, 201, 224, 249,)
ii. सूरदास- भ्रमरगीतसार, (सं.) रामचंद्र शुक्ल : (पद संख्या- 24, 28, 34, 41, 57, 64, 65, 85, 95, 100)

इकाई-02

i. मलिक मुहम्मद जायसी – पद्मावत : सिंहलद्वीप वर्णन खंड

इकाई-03

i. तुलसीदास- रामचरितमानस : चित्रकूट सभा

इकाई-04

i. बिहारी, बिहारी रत्नाकर: (सं.) जगन्नाथ दास रत्नाकर, (दोहा संख्या-1, 5, 12, 14, 15, 19, 26, 31, 32, 38, 48, 57, 60, 62, 63, 66, 77, 84, 87, 93)
ii. घनानंद, घनानंद कवित्त (सं.) विश्वनाथप्रसाद मिश्र : (छंद संख्या-02,04,09,12,15,66,70,82,84,97)

संदर्भ-ग्रंथ

1. अग्रवाल, वासुदेवशरण. (2007). *पद्मावत*. चिरगांव (झांसी): साहित्य सदन.
2. ओमप्रकाश. (1998). *बिहारी सार्धशती*. नयी दिल्ली: राजपाल एंड संस.
3. किशोरीलाल. (2007). *घनानंद काव्य और आलोचना*. इलाहाबाद: साहित्य भवन प्रा.लि.
4. तिवारी, रामपूजन. (1973). *जायसी*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
5. द्विवेदी, हजारीप्रसाद. (1989).*सूर साहित्य*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
6. द्विवेदी, हजारीप्रसाद. (2008). *कबीर*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
7. पांडेय, मैनेजर. (1993). *भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
8. मिश्र, विश्वनाथप्रसाद. (1988). *बिहारी की वाग्विभूति*. वाराणसी: वाणी-वितान.
9. मेघ, रमेश कुंतल. (2007). *तुलसी आधुनिक वातायन से*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
10. वर्मा, रामकुमार. (1972).*कबीर का रहस्यवाद*. इलाहाबाद: साहित्य भवन प्रा.लि.
11. वाजपेयी, नंददुलारे. (1993). *महाकवि सूरदास*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
12. शर्मा, हरवंशलाल. (सं.). (1982). *सूरदास*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
13. शास्त्री, विष्णुकांत. (1990). *तुलसी के हिय हेरि*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.

14. शुक्ल, रामचंद्र. (1996). *गोस्वामी तुलसीदास*. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा.
15. शुक्ल, रामचंद्र. (1997). *सूरदास*. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा.
16. शुक्ल, रामचंद्र. (सं.). (1984). *जायसी ग्रंथावली*. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा.
17. साही, विजयदेवनारायण. (1983). जायसी. इलाहाबाद: हिंदुस्तानी एकेडेमी.
18. सिंह, उदयभानु. (1977). *तुलसी काव्य मीमांसा*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
19. सिंह, बच्चन. (1992). *बिहारीः नया मूल्यांकन*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
20. स्नातक, विजयेंद्र (सं.).(1965) *कबीर*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.

पाठ्यचर्या-203 : भाषाविज्ञान

इकाई 01: भाषा और भाषाविज्ञान

i. भाषा क्या है ?
ii. कुछ प्रमुख परिभाषाएँ
iii. भाषा की प्रकृति और लक्षण
iv. भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार
v. भाषाविज्ञान: सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त
vi. प्रमुख शाखाएँ: ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, मनोभाषाविज्ञान, समाजभाषाविज्ञान, कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान

इकाई 02: भाषा और ध्वनि: स्वनविज्ञान और स्वनप्रक्रिया

i. स्वन: परिभाषा, उच्चारण, संवहन और श्रवण
ii. स्वनों का वर्गीकरण
iii. ध्वनि व्यवस्था: स्वनिम, संस्वन, स्वन
iv. परिच्छेदक अभिलक्षण

इकाई 03: भाषा और व्याकरण: रूपप्रक्रिया और वाक्यविन्यास

i. रूपिम की परिभाषा और स्वरूप
ii. शब्द रचना और रूप रचना
iii. वाक्य: परिभाषा एवं प्रकार
iv. रूपांतरणात्मक प्रजनक व्याकरण

इकाई 04: भाषा और अर्थ: अर्थविज्ञान

i. अर्थ की परिभाषा एवं प्रकार
ii. अर्थ परिवर्तन के प्रकार
iii. घटकीय विश्लेषण
iv. आर्थी संबंध: पर्यायता, विलोमता, अनेकार्थता

संदर्भ-ग्रंथ

1. बोरा, राजमल. (सं.) (2002). *भाषाविज्ञान*. नयी दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस.
2. श्रीवास्ताव, रवींद्रनाथ. (1997). *भाषाविज्ञानः सैद्धांतिक चिंतन*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
3. Akmajian, A, Richard, D., Farmer, A.K., Harnish, R. M. (2010). *Linguistics: An Introduction to Language and communication*. New Delhi: PHI.

4. Atkinson, M., Kilby, D. & Roca, I. (1985). *Foundations of General Linguistics*. London: George AllexUnwin Hyman.
5. Block, B. & Trager, G. L. (1972). *Outline of Linguistic analysis*. New Delhi: Munshiram Manoharlal.
6. Bloomfield, L. (1963). *Language*. Delhi: Motilal Banarasidass.
7. Chomsky, N. (1986). *Knowledge of Language: Its nature, origin, and use*. New York: Praeger.
8. Crystal, D. (1974). *Linguistics*. Middlesex: Penguin Books.
9. Hockett, C.F. (1958). *A Course in Modern Linguistics*. New York: Macmillan.
10. Krishnaswamy, N., Verma, S.K. & Nagrajan, M. (1992). *Modern Applied Linguistics: An Introduction*. Madras: Macmillan India Ltd.
11. Lyons, J. (1981). *Language and Linguistics: An Introduction*. Cambridge: CUP.
12. Verma, S.K. & Krishnaswamy, N. (1989). *Modern Linguistics*. Delhi: OUP.

पाठ्यचर्या-204 : हिंदी उपन्यास और कहानी

इकाई-01

गोदान: प्रेमचंद

इकाई-02

बाणभट्ट की आत्मकथा: हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई-03

उसने कहा था: चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
शतरंज के खिलाड़ी: प्रेमचंद
तीसरी कसम: फणीश्वर नाथ रेणु

इकाई-04

मलबे का मालिक: मोहन राकेश
दोपहर का भोजन : अमरकांत
दूसरी दुनिया: निर्मल वर्मा

संदर्भ-ग्रंथ

1. अवस्थी, देवीशंकर (2008). *नयी कहानी: संदर्भ और प्रकृति*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
2. गुरु, राजेश्वर (सं.). (1976). *गोदान*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
3. त्रिपाठी, विश्वनाथ. (1998). *कुछ कहानियाँ, कुछ विचार*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
4. फाक्स, राल्फ. (1980). *उपन्यास और लोकजीवन*. नयी दिल्ली: पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस.
5. बांदिवडेकर, चंद्रकांत. (1993). *उपन्यास : स्थिति और गति*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.

6. मिश्र, शिवकुमार. (1992). *प्रेमचंद: विरासत का सवाल*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
7. लूकाच, जार्ज. (1981).*उपन्यास का सिद्धांत*. नयी दिल्ली: मैकमिलन
8. वाट, आयन. (1990). *उपन्यास का उदय*. चंडीगढ़: हरियाणा साहित्य अकादमी.
9. शर्मा, रामविलास.(1993). *प्रेमचंद और उनका युग*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
10. सिंह, नामवर. (2002). *कहानीः नयी कहानी*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
11. सिंह, मुरली मनोहर प्रसाद एवं अवस्थी रेखा. (2006). *प्रेमचंद: विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
12. सिंह, शिव प्रसाद (सं.). (2012). *शांतिनिकेतन से शिवालिक तक*. नयी दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ.

सेमेस्टर-III

पाठ्यचर्या-301: साहित्य चिंतन की पाश्चात्य परंपरा

इकाई-01

I. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा का विकास
II. प्रमुख काव्य चिंतक और उनके सिद्धांत:
   i. अरस्तू : अनुकरण, विरेचन, त्रासदी
   ii. लोंजाइनस : उदात्त

इकाई-02

   iii. कॉलरिज : कल्पना
   iv. क्रोचे : अभिव्यंजना
   v. आइ.ए. रिचर्ड्स : मूल्य, काव्यभाषा

इकाई-03

   vi. टी.एस. इलियट : परंपरा, निर्वैयक्तिकता, वस्तुनिष्ठ समीकरण

III. प्रमुख वाद
   i. आभिजात्यवाद
   ii. स्वच्छंदतावाद

इकाई-04

   iii. यथार्थवाद
   iv. रूपवाद
   v. संरचनावाद-उत्तर संरचनावाद
   vi. विखंडनवाद

संदर्भ-ग्रंथ

1. जैन, निर्मला. (सं.) (1977). *नयी समीक्षा के प्रतिमान*. नयी दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस.
2. जैन, निर्मला. (2004). *उदात्त के विषय में*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
3. जैन, निर्मला. (2006). *काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
4. नगेंद्र (अनु. सं.). (2003). *अरस्तू का काव्यशास्त्र*. इलाहाबाद: भारती भंडार.
5. नारंग, गोपीचंद. (2000). *संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्य शास्त्र*. नयी दिल्ली: साहित्य अकादेमी.
6. पचौरी, सुधीश. (2006). *आलोचना से आगे*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
7. बाली, तारकनाथ. (1999). *पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास*. नयी दिल्ली: शब्दकार.

8. मिश्र, शिवकुमार. (1978). *यथार्थवाद*. नयी दिल्ली: मैकमिलन.
9. शर्मा, आचार्य देवेंद्रनाथ. (1984). *पाश्चात्य काव्यशास्त्र*. नयी दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस.
10. सिंह, नामवर (सं.). (1991). *कार्ल मार्क्स कला एवं साहित्य चिंतन*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
11. Coleridge, S.T. (2006). *Biographia Literaria.* California: Pomona Press.
12. Croce, B. (1984). *Aesthetic*. Boston: David R Godine Pub.
13. Eliot, T.S. (1999). *Selected Essays*. London: Faber& Faber.
14. Pandey, K.C. (1972). *Comparative Aesthetics- Vol. II*. Varanasi: Chowkhamba.
15. Richards, I.A. (2012). *Principle of Literary Criticism*.
16. Wimsatt, W.K. Brooks, C. (1957). *Literary Criticism: A Short History*. New Delhi: Oxford& I.B.H.

पाठ्यचर्या-302 : हिंदी आलोचना और साहित्यिक परिशंसन

इकाई-01

i. हिंदी आलोचना का विकास
ii. रामचंद्र शुक्ल
iii. नंददुलारे वाजपेयी
iv. हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई-02

i. रामविलास शर्मा
ii. मुक्तिबोध
iii. विजयदेवनारायण साही
iv. नामवर सिंह
v. रामस्वरूप चतुर्वेदी
vi. स्त्री विमर्श
vii. दलित विमर्श एवं आदिवासी विमर्श

इकाई-03

आलोचनात्मक परिशंसन

i. रामचंद्र शुक्ल - तुलसी की भावुकता
ii. नंददुलारे वाजपेयी - जयशंकर प्रसाद
iii. हजारी प्रसाद द्विवेदी - कबीर : एक विलक्षण व्यक्तित्व
iv. विजयदेव नारायण साही - जायसी से
v. निर्मल वर्मा - प्रेमचंद की उपस्थिति
vi. रामविलास शर्मा - राम की शक्तिपूजा (निराला की साहित्य साधना, भाग - 2 से)

इकाई-04

पाठ परिशंसन

I.

i. पद्मावत - वासुदेवशरण अग्रवाल (चयनित अंश)

ii. छंद छंद पर कुंकुम - वागीश शुक्ल (चयनित अंश)

II.

i. चयनित रचनाओं के आलोचनात्मक / पाठ परिशंसन का अभ्यास

ii. शिक्षक / विद्यार्थी द्वारा चयनित दो रचनाओं (01 कविता और 01 किसी अन्य विधा की रचना) के आलोचनात्मक / पाठ परिशंसन पर परियोजना कार्य

संदर्भ-ग्रंथ

1. अग्रवाल, वासुदेवशरण (2007). *पद्मावत*. चिरगांव (झांसी): साहित्य सदन.
2. अनामिका, (1999). *स्त्रीत्व का मानचित्र*. नयी दिल्ली: सारांश प्रकाशन.
3. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1968). *अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या*. नयी दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ.
4. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1970). *कामायनी का पुनर्मूल्यांकन*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (2001). *रामचंद्र शुक्ल-आलोचना का अर्थः अर्थ की आलोचना*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
6. जैन, अनिल एवं शुक्ल, हनुमानप्रसाद. (सं.) (2009). *हिंदी आलोचना के प्रतिदर्श*. नयी दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस.
7. त्रिपाठी, विश्वनाथ. (1992). *हिंदी आलोचना*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
8. द्विवेदी, हजारीप्रसाद. (1989). *सूर साहित्य*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
9. द्विवेदी, हजारीप्रसाद. (2008). *कबीर*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
10. भारती, कँवल. (2002) *दलित विमर्श की भूमिका*. इलाहाबाद: इतिहासबोध.
11. मलयज. (1987). *रामचंद्र शुक्ल*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
12. राजे, सुमन. (2006). *हिंदी साहित्य का आधा इतिहास*. नयी दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ.
13. लिंबाले, शरण कुमार. (2000). *दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
14. वर्मा, निर्मल. (2006). *सर्जना-पथ के सहयात्री*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
15. वर्मा, महादेवी. (2001). *श्रृंखला की कड़ियाँ*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
16. वाजपेयी, नंददुलारे. (2003). *आधुनिक साहित्य*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
17. वाजपेयी, नंददुलारे. (2009). *नया साहित्य: नये प्रश्न*. नयी दिल्ली: स्वराज प्रकाशन.
18. वाजपेयी, नंददुलारे. (1979). *कवि निराला*. नयी दिल्ली: मैकमिलन.
19. वाजपेयी, नंददुलारे. (1993). *महाकवि सूरदास*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
20. वाजपेयी, नंददुलारे. (2005). *जयशंकर प्रसाद*. जबलपुर: कमल प्रकाशन.
21. शर्मा, रामविलास. (1955). *आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
22. शर्मा, रामविलास. (1990). *निराला की साहित्य साधना (भाग -2)*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन
23. शुक्ल, रामचंद्र. (1996). *गोस्वामी तुलसीदास*. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा.
24. शुक्ल, रामचंद्र. (1997). *सूरदास*. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा.
25. शुक्ल, रामचंद्र. (सं.). (1984). *जायसी ग्रंथावली*. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा.
26. शुक्ल, वागीश. (2002). *छंद छंद पर कुंकुम*. नयी दिल्ली: प्रभात प्रकाशन.
27. साही, विजयदेव नारायण. (1987). *छठवाँ दशक*. इलाहाबाद: हिंदुस्तानी एकेडेमी.
28. साही, विजयदेवनारायण. (1983). *जायसी*. इलाहाबाद: हिंदुस्तानी एकेडेमी.
29. सिंह, नामवर.(1982). *दूसरी परंपरा की खोज*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

30. सिंह, नामवर.(1990). *कविता के नये प्रतिमान.* नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
31. Eagleton, Terry. (2007). *How to Read a Poem*. USA: Blackwell Publishers.
32. Showalter, Elaine. (2003). *Teaching Literature*. USA: Blackwell Publishers.

पाठ्यचर्या-303 : हिंदी भाषा संरचना

इकाई 01 : हिंदी भाषा की ध्वनि संरचना

I. हिंदी ध्वनियाँ और उनका वर्गीकरण
II. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था
III. हिंदी के अधिखंडात्मक अभिलक्षण
IV. हिंदी की अक्षर संरचना

इकाई 02 : हिंदी भाषा की शब्द संरचना

I. हिंदी शब्द रचना - प्रत्ययययोजन
II. हिंदी समास - संरचना और प्रकार
III. हिंदी स्त्रीलिंगी शब्द संरचना
IV. हिंदी क्रिया: व्युत्पन्न अकर्मक, सकर्मक और प्रेरणार्थक

इकाई 03 : हिंदी भाषा की रूप संरचना

I. हिंदी संज्ञा: कारकीय एवं बहुवचन रूप
II. हिंदी सर्वनाम रूप रचना
III. हिंदी विशेषण रूप रचना
IV. हिंदी क्रिया: लिंग, वचन, पुरुष अन्विति

इकाई 04 : हिंदी वाक्य संरचना

I. हिंदी पदबंध: संरचना और प्रकार
II. हिंदी उपवाक्य: संरचना और प्रकार
III. हिंदी वाक्य: संरचना और प्रकार
IV. हिंदी वाक्य अभिरचनाएँ

संदर्भ-ग्रंथ

1. अग्निहोत्री, रमाकांत. (2013). *हिंदी: एक मौलिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
2. काचरू, यमुना. (1980). *हिंदी का समसामयिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : मैकमिलन.
3. कालरा, सुधा. (1971). *हिंदी वाक्य विन्यास*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
4. गुरु, कामता प्रसाद. (1997). *हिंदी व्याकरण*. काशी : नागरी प्रचारिणी सभा.
5. तिवारी, भोलानाथ. (1979). *हिंदी भाषा की संरचना*. दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
6. वाजपेयी, किशोरीदास. (1998). *हिंदी शब्दानुशासन*. काशी: नागरी प्रचारणी सभा.
7. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1995). *हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम*. नयी दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन.
8. सहाय, चतुर्भुज. (1979). *हिंदी वाक्यसंरचना*. वाराणसी : संजय बुक सेंटर.
9. सिंह, सूरजभान. (2000). *हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण*. दिल्ली : साहित्य सहकार.
10. Kachru, Yamuna. (2006). *Hindi*. Amsterdam: John Benjamin Publishing Company.
11. Kaul, Omkar Nath. (2006). *Modern Hindi Grammar*. Springfield, USA: Dunwoody Press.

12. McGregor, R. S. (1972). *Outline of Hindi Grammar*. Delhi: OUP.
13. Sharma, Aryendra. (1983). *A Basic Grammar of Modern Hindi*. New Delhi: Central Hindi Directorate.

पाठ्यचर्या-304 : आधुनिक भारतीय साहित्य

इकाई-01

I. कविता
   i. भारतदेशम: सुब्रह्मण्यम भारती
   ii. जीवन देवता: रवींद्रनाथ
   iii. चिंताविष्टयाय सीता / चांडालभिक्षुकी: कुमारन आशान

इकाई-02

II. कहानी
   i. गूँगे सुर बाँसुरी के: पन्नालाल पटेल (कोई 01 कहानी)
   ii. काबुलीवाला: रवींद्रनाथ ठाकुर

इकाई-03

III. उपन्यास
   i. छ: बीघा ज़मीन: फ़कीर मोहन सेनापति
   ii. मूकज्जी: के. शिवराम कारंत

इकाई-04

IV. नाटक
   i. ययाति: गिरीश कर्नाड

V. निबंध
   i. उपन्यास (कादंबरी): काशीनाथ विश्वनाथ राजवाड़े

संदर्भ-ग्रंथ

1. घोष, शिशिर कुमार. (2008). *रवींद्रनाथ ठाकुर*. नयी दिल्ली : साहित्य अकादेमी.
2. जार्ज, के. एम. (1983). *कुमारन आशान*. नयी दिल्ली: साहित्य अकादेमी.
3. नंदकुमार, प्रेमा. (1984). *सुब्रह्मण्यम भारती*. नयी दिल्ली : साहित्य अकादेमी
4. नगेंद्र. (सं.). (2009). *भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास*. दिल्ली : हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दि. वि.
5. माचवे, प्रभाकर. (अनु.) (2005). *आज का भारतीय साहित्य*. नयी दिल्ली: साहित्य अकादेमी.
6. मानसिंह, मायाधर. (1882). *फ़कीर मोहन सेनापति*. नयी दिल्ली : साहित्य अकादेमी.
7. रघुनाथन, टी.एम.सी. (1997). *सुब्रह्मण्यम भारती: युग और चिंतन,* नयी दिल्ली, साहित्य अकादेमी.
8. वांदिवडेकर, चंद्रकांत. (1998). *मराठी साहित्य: परिदृश्य*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
9. Das, S.K. (2008). *A History of Indian Literature (1800-1910)*. New Delhi: Sahitya Akademi.
10. Das, S.K. (2010). *A History of Indian Literature (1911- 1956)*. New Delhi: Sahitya Akademi.

सेमेस्टर-IV

(क) भाषा समूह

पाठ्यचर्या-401 (क) : शैलीविज्ञान

इकाई 01: शैली और शैलीविज्ञान

I. शैली अर्थ : परिभाषा और स्वरूप
   i. सामान्य भाषा और साहित्य भाषा
   ii. काव्य भाषा, काव्यात्मक भाषा, कवि की भाषा
II. शैली की संकल्पना
   i. बहिर्निष्ठ और अंतर्निष्ठ शैली
   ii. शैली और संप्रेषणीयता
   iii. शैली और वाग्मिता
   iv. शैली और विधा
   v. रीति और शैली
III. शैलीविज्ञान परिभाषा : क्षेत्र और स्वरूप

इकाई 02: शैलीवैज्ञानिक चिंतन की परंपरा

I. शैलीविज्ञान का इतिहास : विविध संप्रदाय (स्कूल)
II. भाषावैज्ञानिक शैलीविज्ञान
III. साहित्यिक शैलीविज्ञान
IV. संरचनात्मक शैलीविज्ञान
V. भारतीय काव्यशास्त्र (रीति, अलंकार, वक्रोक्ति और ध्वनि) तथा शैलीविज्ञान

इकाई 03: शैलीविज्ञान के प्रतिमान और उनके स्तर

I. चयन
II. अग्रप्रस्तुति
   i. समांतरता
   ii. विचलन
   iii. विपथन
   iv. विरलता
III. शैली चिह्नक

इकाई 04: शैलीवैज्ञानिक विश्लेषण: प्रायोगिक पक्ष

चयनित पाठों का शैलीवैज्ञानिक विश्लेषण

i. राम की शक्तिपूजा (निराला)
ii. अज्ञेय / निर्मल वर्मा की चयनित कहानियों में से एक कहानी
iii. नागार्जुन / रघुवीर सहाय / केदारनाथ सिंह की चयनित कविताओं में से एक कविता

संदर्भ-ग्रंथ

1. कुमार, सुरेश. (2001). *शैलीविज्ञान*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
2. मिश्र, विद्यानिवास. (1973). *रीतिविज्ञान*. नयी दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन.

3. वामन. (1994). *काव्यालंकारसूत्रवृत्ति*. दिल्ली: हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय.
4. शर्मा, कृष्णा कुमार. (1974). *शैलीविज्ञान की रूपरेखा*. जयपुर : संघी प्रकाशन.
5. शीतांशु, पांडेय शशिभूषण. (1997). *शैली और शैली विश्लेषण*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
6. श्रीवास्तंव, रवींद्रनाथ. (1981). *शैलीविज्ञान और आलोचना की नयी भूमिका*. आगरा: केंद्रीय हिंदी संस्थान.
7. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1979). *संरचनात्मक शैलीविज्ञान*. नयी दिल्ली: आलेख प्रकाशन.
8. Chapman. R. (1973). *Linguistics and Literature: An Introduction to Literary Stylistics*. N.J. : Little fields Adams.
9. Enkvist, N.E. (1973). *Linguistic Stylistics*. The Hague: Mouton.
10. Freeman, Donald C. (1970). *Linguistics and Literary Style*. New York: Holt, Rinehart and Winston.
11. Turner, G.W. (1973). *Stylistics*. Middlesex: Penguin.

पाठ्यचर्या-402 (ख) : भाषा शिक्षण

इकाई 01: भाषाशिक्षण की अवधारणा

I. अर्थ, अभिप्राय और प्रकार
II. मातृभाषा एवं अन्य भाषा (द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा)
III. भाषा कौशल – श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन
IV. मातृभाषा का व्याघात तथा अन्य भाषा का व्याघात
V. व्यतिरेकी विश्लेषण, त्रुटि विश्लेषण
VI. पाठ्यबिंदु-चयन, स्तरीकरण और प्रस्तुतिकरण

इकाई 02: भाषा शिक्षण हेतु पाठ्यचर्या विकास

I. पाठ्यक्रम का विकास
II. पाठ्य सामग्री का निर्धारण
III. पाठ नियोजन और पाठ निर्माण (कौशल आधारित और साहित्य आधारित)
IV. मूल्यांकन और परीक्षण

इकाई 03: भाषा शिक्षण विधियाँ

I. व्याकरण-अनुवाद विधि (Grammar-Translation Method)
II. प्रत्यक्ष विधि (Direct Method)
III. संरचनात्मक विधि (Structural Method)
IV. दृश्य-श्रव्य विधि (Audio- Visual Method)
V. प्राकृतिक भाषा अधिगम (Natural Language Acquisition)
VI. निमज्जन विधि (Immersion Method)
VII. संप्रेषणपरक विधि
VIII. टास्कबेस्ड विधि / कंटेंटबेस्ड विधि
IX. सजेस्टोपीडिया / डिसजेस्टोपीडिया
X. कम्यूनिटी भाषा अधिगम
XI. मल्टिपल इंटेलिजेंस
XII. ऑनलाइन शिक्षण पद्धति और प्रक्रिया, आभासी कक्षा (Virtual Classroom)
XIII. भाषा शिक्षण और मल्टीमीडिया

इकाई 04: विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण

संदर्भ-ग्रंथ

1. गुप्ता, मनोरमा. (1991). *भाषा शिक्षण-सिद्धांत और प्रविधि*. आगरा : केंद्रीय हिंदी संस्थान.
2. तिवारी, भोलानाथ एवं भाटिया कैलाशचंद्र. (1990). *हिंदी भाषा शिक्षण*. नयी दिल्ली : लिपि प्रकाशन.
3. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1992). *भाषा शिक्षण*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
4. Agnihotri, R.K. & Khanna, A.L. ed. (1994). *Second Language Acquisition: Socio-cultural and Linguistic Aspects of English in India*. New Delhi: Sage.
5. Beebe, L.M. ed. (1988). *Issues in Second Language Acquisition: Multiple Perspectives*. New York: Newbury House.
6. Fisiak, J.ed. (1981). *Contrastive linguistics and the Language Teacher*. Oxford: Pergamon Press.
7. Grosjean, F. (1982). *Life with Two Languages*. Cambridge: Harvard University Press.
8. Halliday, M.A.K., Mcintosh, A. & Strevens, P. (1964). *The Linguistic Science and Language Teaching*. London: OUP.
9. Johnson, K. (2011). *An Introduction to Foreign Language Learning and Teaching*. London: Longman.
10. Klein, W. (1986). *Second Language Acquisition*. Cambridge: CUP.
11. Krashen, S.D. (1992). *Second language Acquisition and Second Language Learning*. Oxford : Pergamon Press
12. Larsen-Freeman, D. & Anderson, M. (2011). *Techniques and Principles in Language Teaching, 3rd edition*. Oxford: OUP.
13. Levy, M. (1997). *Computer Assisted Language Learning: Context and Conceptualization*. Oxford: Oxford University Press
14. Mackey, W.F. (1965). *Language Teaching Analysis*. London: Longmans.
15. Prabhu, N.S. (1987). *Second Language Pedagogy*. Oxford: OUP.
16. Richards, J.C. & Rodgers, T.S. (2014). *Approaches and Methods in Language Teaching, 3rd edition.* Cambridge: CUP.
17. Sinmson, F. (1996). *Language through Literature: An Introduction.* London: Routledge.
18. White, L. (2003). *Second Language Acquistion and Universal Grammar*. Cambridge: CUP.

पाठ्यचर्या-403 (क) : अनुवाद

इकाई 01 : अनुवाद : स्वरूप एवं सिद्धांत

I. अनुवाद : अवधारणा एवं स्वरूप / अनुवाद क्या है ?
II. अनुवाद : परिभाषा और प्रकार
III. अनुवाद संबंधी आधुनिक-पूर्व भारतीय एवं पाश्चात्य चिंतन

IV. अनुवाद संबंधी आधुनिक चिंतन : कैटफर्ड, नाइडा, न्यूमार्क, बाथगेट एवं हैलिडे
V. अनुवाद संबंधी प्रमुख अवधारणात्मक पद
VI. प्रमुख अनुवाद सिद्धांत : समतुल्यता सिद्धांत, प्रतीक सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत

इकाई 02 : अनुवाद प्रक्रिया और समस्याएँ

I. अनुवाद प्रक्रिया और उसके विविध स्तर
II. अनुवाद के विविध क्षेत्र और उनके अनुवाद की समस्याएँ
i. साहित्यानुवाद
ii. साहित्येतर अनुवाद
III. अनुवादनीयता और अननूद्यता की समस्या
IV. अनुवाद पुनरीक्षण, समीक्षा, मूल्यांकन, संपादन

इकाई 03: अनुवाद के भाषिक पक्ष और अंग्रेजी-हिंदी अनुवाद व्याकरण

I. अनुवाद व्याकरण
II. व्यतिरेकी विश्लेषण एवं त्रुटि विश्लेषण
III. अनुवाद और भाषा संरचना (विशेष संदर्भ : अंग्रेजी-हिंदी)

इकाई 4: मशीनी अनुवाद

I. मशीनी अनुवाद- स्वरूप और विकास
II. अनुवाद प्रक्रिया : मानव बनाम मशीन
III. मशीन अनुवाद के घटक
IV. मशीन अनुवाद का भाषायी और तकनीकी पक्ष
V. मशीन अनुवाद सीमाएँ, समस्याएँ और संभावनाएँ

संदर्भ-ग्रंथ

1. कुमार, सुरेश. (1986). *अनुवाद सिद्धांत की रूपेरखा*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
2. गोपीनाथन, जी. (1990). *अनुवाद: सिद्धांत और प्रयोग*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
3. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ एवं गोस्वामी, कृष्णकुमार. (1985). *अनुवाद: सिद्धांत और समस्याएँ*. दिल्ली: आलेख प्रकाशन.
4. सिंह, दिलीप. एवं शर्मा, ऋषभदेव. (सं.). (2009). *अनुवाद का सामयिक परिप्रेक्ष्य*. चेन्नै: द. भा. हिं. प्र. सभा.
5. सिंह, सूरजभान. (2006). *अंग्रेजी-हिंदी अनुवाद व्याकरण*. दिल्ली: प्रभात प्रकाशन.
6. Catford, J.C. (1965). A *Linguistic Theory of Translation*. London: OUP.
7. Newmark, P. (1981). *Approches to Translation*. Oxford: Pergamon Press.
8. Nida, E.A. & Taber, C. R. (1982). *The Theory and Practice of Translation*. London: Brill.
9. Nida, E.A. (1964). *Toward a Science of Translating*. Leiden: Brill.
10. Nirenburg, S. (1987). *Machine Translation: Theoretical & Methodological Issues*. Cambridge: Cambridge Uni. Press.
11. Vennti, L. (2000). *The Translation Studies Reader*. London: Routledge.

पाठ्यचर्या-404 (क) : शोध-निबंध

समूह (ख) साहित्य

पाठ्यचर्या-401 (ख) : दर्शन और विचारधारा

इकाई-01

I. भारतीय दार्शनिक चिंतन परंपरा और शंकराचार्य का अद्वैत दर्शन
II. विशिष्टाद्वैत

इकाई-02

III. शुद्धाद्वैत
IV. द्वैताद्वैत
V. द्वैत मत
VI. लोकायत मत
VII. बौद्ध दर्शन

इकाई-03

VIII. नव वेदांत
IX. श्रीअरविंद का चिंतन
X. गांधी दर्शन

इकाई-04

XI. मार्क्सवाद
XII. मनोविश्लेषणवाद
XIII. अस्तित्ववाद

संदर्भ-ग्रंथ

1. चट्टोपाध्याय, देवीप्रसाद. (2005). *लोकायत*. नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.
2. चट्टोपाध्याय, देवीप्रसाद. (2004). *भारतीय दर्शन: सरल परिचय*. नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.
3. तिवारी, विश्वनाथप्रसाद. (सं.). (2009). *सहस्राब्दी का महानायक*. नयी दिल्ली : सस्ता साहित्य मंडल.
4. दामोदरन, के. (2001). *भारतीय चिंतन परंपरा*. नयी दिल्ली : पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस.
5. नरवणे, विश्वनाथ. (2003). *आधुनिक भारतीय चिंतन*. नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.
6. नरेंद्रदेव, आचार्य. (2006). *बौद्धधर्म- दर्शन*. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास.
7. फ्रायड, एस. (2009). *मनोविश्लेषण*. दिल्ली : राजपाल एंड संस.
8. मिश्र, शिवकुमार. (1972). *मार्क्सवादी साहित्य चिंतन*. भोपाल : मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी.
9. राधाकृष्णन, एस. (2009). *भारतीय दर्शन (दो भाग)*. दिल्ली : राजपाल एंड संस.
10. राय, कुबेरनाथ. (2004). *पत्र: मणि पुतुल के नाम*. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन.
11. रोलां, रोमां. (1998). *महात्मा गांधी: जीवन और दर्शन*. नयी दिल्ली : साहित्य अकादेमी.
12. रोलां, रोमां. (2008). *विवेकानंद*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
13. श्रीअरविंद. (2002). *भारतीय संस्कृति के मूल आधार*. पांडिचेरी: श्रीअरविंद आश्रम.
14. सिंह, विजयमोहन. (2008). *सार्त्र: असंभव विकल्पों की तलाश*. मुंबई : संवाद प्रकाशन.
15. सिंह, शिवप्रसाद. (2008). *उत्तर योगी*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
16. हिरियन्ना, एम. (2006). *भारतीय दर्शन की रूपरेखा*. नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.
17. Iyer, Raghavan. (1997). *Essential Writing of Mahatma Gandhi*. Oxford: OUP.

18. Anderson, P. (1983). *In the Tracks of Historical Materialism*. London: Verso.
19. Anderson, P. (1979). *Considerations on Western Marxism.* London: Verso.
20. Eagleton, T. (2008). *Literary Theory*. Oxford: Blackwell.
21. Gramsci, A. (1978). *Prison notebooks*. New York: International Publishers.
22. Parel, Anthony. (2009). *Gandhi: Hind Swaraj and Other Writings Centenary Edition.* Cambridge: CUP.
23. Korsch, K. (1970). *Marxism and Philosophy*. London: MR Press.

पाठ्यचर्या- 402. (ख) : साहित्य का समाजशास्त्र

इकाई-01

I. साहित्य का समाजशास्त्र : स्वरूप विवेचन
   i. साहित्य का समाजशास्त्र क्या है
   ii. साहित्य और समाज
   iii. मुख्यधारा का साहित्य और लोकप्रिय साहित्य
   iv. साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन : विविध आयाम
   v. साहित्य की सामाजशास्त्रीय दृष्टि और अन्य अध्ययन दृष्टियाँ

इकाई-02

II. साहित्य का समाजशास्त्र : प्रमुख चिंतक
III. प्रमुख पाश्चात्य चिंतक
   i. तेन
   ii. लावेंथल
   iii. गोल्डमान
   iv. रेमंड विलियम्स

इकाई-03

IV. प्रमुख भारतीय चिंतक
   i. रामचंद्र शुक्ल
   ii. धूर्जटि प्रसाद मुखर्जी
   iii. पूरनचंद्र जोशी
   iv. श्यामाचरण दुबे

इकाई-04

V. साहित्य रूपों का समाजशास्त्र
VI. प्रमुख विधाओं का समाजशास्त्र
   i. कविता
   ii. नाटक
   iii. कहानी
   iv. उपन्यास
VII. किसी एक कृति (उपन्यास) का साहित्य की समाजशास्त्रीय दृष्टि से विश्लेषण *

---

* हिंदी कथा साहित्य के प्रश्नपत्र में पढ़े गये उपन्यास का अध्ययन बेहतर विकल्प हो सकता है।

संदर्भ-ग्रंथ

1. अज्ञेय, सच्चिदानंद ही. वात्स्यायन. (2010). *साहित्य, संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया*. नयी दिल्ली: सस्ता साहित्य मंडल.
2. कोसांबी, डी .डी.(2004). *मिथक और यथार्थ*. नयी दिल्ली: ग्रंथ शिल्पी.
3. जैन, निर्मला. (2009). *साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन*.दिल्ली: हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय.
4. जोशी, तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री.(सं). (2000).*राजवाड़े लेख संग्रह*. नयी दिल्ली: साहित्य अकादेमी.
5. जोशी, पूरनचंद्र. (1987). *परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
6. दुबे,श्यामाचरण.(2008). *परंपरा, इतिहास और संस्कृति*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
7. पांडेय,मैनेजर. (2014). *साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका*. पंचकूला (चंडीगढ़): हरियाणा ग्रंथ अकादमी.
8. फॉक्स, राल्फ. (1980). *उपन्यास और लोकजीवन*. नयी दिल्ली: पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस.
9. यादव, राजेंद्र .(1999). *अठारह उपन्यास*, नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
10. वाट, आयन. (1990).*उपन्यास का उदय*. पंचकूला (चंडीगढ़): हरियाणा ग्रंथ अकादमी.
11. वेलेक, रेने. (2000). *साहित्य सिद्धांत*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
12. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र .(1990). *हिंदी साहित्य का इतिहास*. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा.
13. सिंह, उदयभानु एवं सिंह, हरभजन .(1983). *साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ*. नयी दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस.
14. सिंह, नामवर .(1991). *कार्ल मार्क्स: कला और साहित्य चिंतन*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
15. Goldman, Lucian (1976). *Towards a Sociology of the Novel*. London.
16. Goldman, Lucian (1981). *Methods in The Sociology of Literature*. London.
17. Gramsci, Antonio.(1985). *Selection From Cultural Writings*. London.
18. Hall, John. (1979). *Sociology of Literature*. London: Longman.
19. Hauser, Arnold.(1951). *The Social History of Art. In four Volume*. New York: Vintage Books.
20. Lowenthal, L. (1961). *Literature, Popular Culture and Society*. New Jersey.
21. Lowenthal, L.(1957). *Literature and The Image of Man*. Boston.
22. Lowenthal, L.(1971). *The art of The Narrative and Society*.
23. Lukacs, Georg. (1978). *Studies in European Realism*. London: Merlin Press.
24. Lukacs, Georg. (1978). *The Theory of the Novel*. London: Merlin Press.
25. Milton C., Albrecht and Others. (1970). *The Sociology of Art and Literature*. Duck Worth.
26. Mukherjee, D.P. (2008). *Diversities*. New Delhi: Manak Publication.
27. Swingewood, Alam. (1976). *The Novel and Revolution*. London: Macmillan.
28. Williams, Raymond. (1961). *Culture and Society*. Pelican Book.
29. Williams, Raymond. (1965). *The Long Revolution*. Pelican Book
30. Wood, Alan Swinge. (1977).*The Myth of Mass Culture*. London: Macmillan.

पाठ्यचर्या-403 (ख) : विशेष अध्ययन -तुलसीदास/जयशंकर प्रसाद/ प्रेमचंद/रवींद्रनाथ ठाकुर

तुलसीदास

इकाई 01 एवं 02

I. रामचरितमानस : उत्तरकांड- रामराज्य और ज्ञान-भक्ति निरूपण

इकाई-03

II. विनयपत्रिका : पद संख्या – 79, 90, 100, 105, 111, 162, 172, 174, 178, 245.

III. गीतावली : पांच चयनित पद.

इकाई-04

IV. कवितावली : अयोध्याकांड : राम वन पथ पर, उत्तरकांड (चयनित दस छंद).

संदर्भ-ग्रंथ

1. अवस्थी, हरिकृष्ण. (1973). *तुलसी: प्रेरणा, परिवेश, प्रतिफलन*. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा.
2. तिवारी, रामजी. (2012). *तुलसीदास*. नयी दिल्ली: सहित्य अकादेमी.
3. त्रिपाठी, विश्वनाथ. (1996). *लोकवादी तुलसीदास*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
4. दीक्षित, राजपति. (1975). *तुलसीदास और उनका युग*. बनारस: ज्ञानमंडल.
5. मिश्र, बलदेवप्रसाद. (1986). *तुलसी दर्शन*. प्रयाग: हिंदी साहित्य सम्मेलन.
6. मिश्र, विश्वनाथप्रसाद. (1978). *तुलसी की साधना*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
7. मेघ, रमेश कुंतल. (2007). *तुलसी आधुनिक वातायन से*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
8. शर्मा, रामविलास. (2001). *भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास*. नयी दिल्ली: सहित्य अकादेमी.
9. शास्त्री, विष्णुकांत. (1990). *तुलसी के हिय हेरि*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
10. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र. (1996). *गोस्वामी तुलसीदास*. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा.
11. सिंह, उदयभानु. (1972). *तुलसी दर्शन मीमांसा*. लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय.
12. सिंह, उदयभानु. (1977). *तुलसी काव्य मीमांसा*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.

अथवा

जयशंकर प्रसाद

इकाई-01

I. कविता

i. कामायनी : चिंता, लज्जा सर्ग

इकाई-02

ii. लहर : प्रलय की छाया

iii. आँसू : आरंभिक बीस छंद

II. नाटक

i. चंद्रगुप्त

इकाई-03

III. उपन्यास

i. कंकाल

IV. कहानी

i. आकाशदीप

इकाई-04

V. निबंध

i. काव्य-कला

ii. रस

iii. रंगमंच

iv. यथार्थवाद और छायावाद

संदर्भ-ग्रंथ

1. आनंद, महेश. (2004).*जयशंकर प्रसाद: रंग दृष्टि*. नयी दिल्ली: राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय.
2. आनंद, महेश. (2005).*जयशंकर प्रसाद: रंग सृष्टि*. नयी दिल्ली: राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय.
3. कुमार, सिद्धनाथ. (1978). *प्रसाद के नाटक*. पटना: अनुपम प्रकाशन.
4. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1970). *कामायनी का पुनर्मूल्यांकन*. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन.
5. जैन, निर्मला. (2004).आधुनिक साहित्य : मूल्य और मूल्यांकन.नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
6. नगेंद्र. (2003). *कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ*. नयी दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस.
7. प्रेमशंकर. (1994). *प्रसाद का काव्य*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
8. मिश्र, विद्यानिवास. (1973). *रीति विज्ञान*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
9. मुक्तिबोध, गजानन माधव. (2012). *कामायनी: एक पुनर्विचार*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
10. वाजपेयी, नंददुलारे. (2003). *आधुनिक साहित्य*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन .
11. वाजपेयी, नंददुलारे. (1996). *जयशंकर प्रसाद*. जबलपुर: कमल प्रकाशन.
12. शाह, रमेशचंद्र. (1984). *छायावाद की प्रासंगिकता*. इलाहाबाद : सरस्वती प्रेस.
13. शाह, रमेशचंद्र. (2012). *जयशंकर प्रसाद*. नयी दिल्ली: साहित्य अकादेमी.
14. श्रोत्रिय, प्रभाकर. (2004). *जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता*. नयी दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ.
15. साही, विजयदेव नारायण. (1987). *छठवाँ दशक*. इलाहाबाद: हिन्दुस्तानी एकेडेमी.
16. सिंह, नामवर. (1990). *छायावाद*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
17. सिंह, नामवर. (1989). *वाद विवाद संवाद*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

अथवा

प्रेमचंद

इकाई 01 एवं 02

I. उपन्यास

i. रंगभूमि

ii. सेवासदन

इकाई-03

II. कहानी (कोई 02 कहानी)

i. बड़े भाईसाहब

ii. ठाकुर का कुआँ

iii. सद्गति

iv. कफ़न

इकाई-04

III. निबंध

i. साहित्य का उद्देश्य

ii. महाजनी सभ्यता

संदर्भ-ग्रंथ

1. गुप्त, प्रकाशचंद्र. (2012). *प्रेमचंद*. नयी दिल्ली: साहित्य अकादेमी.
2. गोयनका, कमल किशोर. (2013). *प्रेमचंद*. नयी दिल्ली: साहित्य अकादेमी.
3. त्रिपाठी, विश्वनाथ. (1998). *कुछ कहानियाँ कुछ विचार*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
4. देवी, शिवरानी. (1991). *प्रेमचंद घर में*. नयी दिल्ली: आत्माराम एंड संस.
5. मिश्र, शिवकुमार. (1992). *प्रेमचंद: विरासत का सवाल*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
6. वर्मा, निर्मल. (2005). *सर्जना पथ के सहयात्री*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
7. शर्मा, रामविलास. (1993). *प्रेमचंद और उनका युग*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
8. सत्येंद्र (सं.) (1988). *प्रेमचंद*. नयी दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन.
9. सिंह, मुरली मनोहर प्रसाद एवं अवस्थी, रेखा. (2006). *प्रेमचंद: विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता*. नयी दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

अथवा

रवींद्रनाथ ठाकुर

इकाई-01

I. कविता
   i. धूलि मंदिर
   ii. भारत तीर्थ
   iii. वसुंधरा

इकाई-02

II. कहानी
   i. नष्टनीड़
   ii. पोस्टमास्टर / पत्नी का पत्र

III. नाटक
   i. राजा

इकाई-03

IV. निबंध
   i. शकुंतला
   ii. साहित्य की सामग्री
   iii. भारतवर्ष में इतिहास की धारा

इकाई-04

V. उपन्यास
   i. गोरा

संदर्भ-ग्रंथ

1. मजुमदार, लीला. (1985). *कवि-कथा*. नयी दिल्ली: साहित्य अकादेमी.
2. घोष, शिशिर कुमार. (2008). *रवींद्रनाथ ठाकुर*. नयी दिल्ली : साहित्य अकादेमी.

पाठ्यचर्या-404. (ख) : शोध-निबंध